हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 5 अप्रैल 2026

छुट्टी के दिन खुला हाईकोर्ट, हरिभूमि की खबर पर सरकार से मांगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में शिक्षा के अधिकार के तहत कक्षा पहली में प्रवेश प्रक्रिया की धीमी रफ्तार को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। गंभीर स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने छुट्टी के दिन शनिवार (4 अप्रैल 2026) को विशेष सुनवाई की और मामले में स्वतः संज्ञान (सुओ मोटू) लिया। हरिभूमि ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसमें बताया गया कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 1 अप्रैल से हो चुकी है, लेकिन आरटीई के तहत मिलने वाले दाखिलों की प्रक्रिया बेहद धीमी है। इससे गरीब छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है।कोर्ट ने छुट्टी के दिन शिक्षा विभाग के अधिकारियों को तलब किया और जवाब मांगा। अगली सुनवाई 8 अप्रैल को होगी। शनिवार को मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अधिकारियों से पूछा कि लापरवाही क्यों बरती जा रही है। कोर्ट ने ▶▶| शेष पेज 7 पर

प्रमुखता से प्रकाशित की थी खबर, बच्चों की पढ़ाई होगी प्रभावित

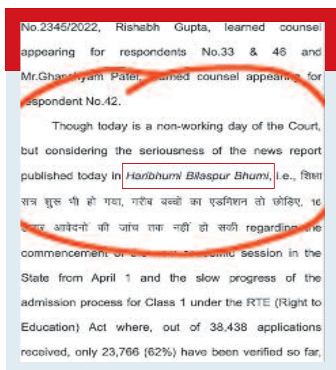

No.2345/2022, Rishabh Gupta, learned counsel appearing for respondents No.33 & 46 and Mr.Ghan...yam Patel, ...ned counsel appear... for ...spondent No.42.

Though today is a non-working day of the Court, but considering the seriousness of the news report published today in Haribhumi Bilaspur Bhumi, i.e., शिक्षा सत्र शुरू भी हो गया, गरीब बच्चों का एडमिशन तो छोड़िए, 16 ... आवेदनों की जांच तक नहीं हो सकी regarding the commencement ... session in the State from April 1 and the slow progress of the admission process for Class 1 under the RTE (Right to Education) Act where, out of 38,438 applications received, only 23,766 (62%) have been verified so far,

क्या है मामला

18 जून 2025 को सचिव, आदिम जाति विकास विभाग, रायपुर द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, गौरेला, जिला- जीपीएम के पद पर पदस्थ किया गया था। जून 2025 से जनपद पंचायत, गौरेला में सीईओ के पद कार्य कर रहीं थी। इसी दौरान 11 मार्च 2026 को कलेक्टर, जिला-जीपीएम द्वारा श्रीमती शुभा ▶▶| शेष पेज 7 पर

शासन की अनुमति जरूरी

याचिका में कहा गया कि शासन के नियमों के तहत किसी भी मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जनपद पंचायत जिन्हे शासन द्वारा उक्त पद पर पदस्थ किया गया है उन्हे उक्त प्रभार से हटाने का अधिकार कलेक्टर को नहीं है। ऐसे सीईओ को शासन की अनुमति और अनुमोदन के बाद ही हटाया जा सकता है। हाईकोर्ट ने इस रिट याचिका को स्वीकार कर कलेक्टर का आदेश निरस्त कर दिया है। साथ ही याचिकाकर्ता को पुनः मुख्य कार्यपालन अधिकारी ▶▶| शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

पुरी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को पहले चरण की वन मंजूरी

भुवनेश्वर। केंद्र सरकार ने पुरी में प्रस्तावित श्री जगन्नाथ अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा परियोजना के लिए वन मंजूरी के पहले चरण को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। यह हवाईअड्डा परियोजना वर्ष 2021 में ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा प्रस्तावित की गई थी। इसके तहत निर्माण के लिए लगभग 27 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग की सशर्त अनुमति दी गई है।

22 लाख की अवैध हेरोइन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र। जिले की एसओजी और राबर्ट्सगंज कोतवाली थाना पुलिस ने शनिवार को एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 22 लाख रुपए मूल्य की हेरोइन एवं एक मोटरसाइकिल बरामद की। गश्त के दौरान थाना क्षेत्र के बभनौली चौराहे पर एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को पुलिस ने रोका तो वह भागने लगा। पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल सवार का पीछा कर उसे पकड़ लिया तथा तलाशी के दौरान उसके पास से 101.76 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसकी कीमत लगभग 22 लाख रुपए है।

कार के खाई में गिरने से दो की मौत, एक घायल

नाहन। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के पास शुक्रवार रात एक कार के एक गहरी खाई में गिर जाने से उसपर सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। कार सवार लोग शिमला जिले के कुपवी से सोलन जिले के बद्दी जा रहे थे, तभी सिरमौर के संगराह उपमंडल के नोहराधर क्षेत्र के चरना गांव के पास यह घटना घटी। वाहन में कुल तीन लोग यात्रा कर रहे थे।

बाइक बिजली के खंभे से टकराई, दो की मौत

बरेली। बरेली जिले के भमौरा थाना क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल बिजली के खंभे से जा टकराई, जिससे उस पर सवार दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान रोहित शर्मा (25) और उनके दोस्त अमित शर्मा (18) के रूप में हुई है। दोनों दोस्त शुक्रवार देर रात मोटरसाइकिल पर सवार होकर देवचरा जाने के इरादे से निकले थे, तभी भमौरा थाना क्षेत्र के रम्पुरा गांव के पास मोटरसाइकिल अंडरपास के अंदर लगे खंभे से टकरा गई। दुर्घटना में दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

ट्रंप ने ईरान को दी चेतावनी, कहा- 48 घंटे बाद बरपेगा कहर

होर्मुज से पार हुआ सातवां एलपीजी जहाज ईरान बोला- दोस्त के लिए खुला रहेगा रास्ता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/तेहरान/दुबई

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत के लिए एक और राहत भरी खबर है। भारतीय झंडे वाला एलपीजी टैंकर ग्रीन शान्वी हॉर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से गुजर गया। जहाज में करीब 46,650 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो लदा हुआ है। इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने पर डील करने के लिए सिर्फ 48 घंटे बचे हैं, वरना उसे नरक का सामना करना पड़ेगा।

दुनिया के सबसे जरूरी समुद्री रास्ते हॉर्मुज पर ईरान ने तब से रोक लगा रखी है, जब से अमेरिका और इजरायल के साथ उसकी जंग शुरू हुई। दुनिया का 20 फीसदी तेल इसी रास्ते से जाता है, लेकिन ईरान ने कुछ दोस्त देशों को इजाजत दे रखी है कि उनके जहाज गुजर सकते हैं। भारत उन देशों में शामिल है। ग्रीन शान्वी नाम का एक भारतीय जहाज हॉर्मुज से गुजरा। यह जहाज एलपीजी यानी रसोई गैस लेकर जा रहा था, करीब 46,650 टन। यह सातवां भारतीय जहाज था जो इस बंद रास्ते से सफलतापूर्वक सुरक्षित निकला।

- ईरान के बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट के पास हमला, एक की मौत

गुजरात के डिप्टी मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने ट्वीट किया और कहा कि एक और जहाज, एक और जीत भारतीय कूटनीति की। मुंबई में ईरान के दफ्तर ने संघवी के ट्वीट का जवाब दिया ▶▶| शेष पेज 7 पर

भारत के कितने जहाज फंसे हैं?

अब तक 6 जहाज पहुंच चुके हैं भारतीय बंदरगाहों पर, लेकिन अभी भी करीब 17 भारतीय जहाज होर्मुज के उस तरफ फंसे हैं और इंतजार कर रहे हैं। जब पूरी दुनिया के जहाज होर्मुज पर रुके हैं, तब भारत के जहाज निकल रहे हैं। इसका मतलब है कि भारत ने ईरान से अच्छे रिश्ते बनाए हुए हैं। न अमेरिका की खुलकर नाराजगी, न ईरान से दुश्मनी।

कच्चे तेल की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित

केंद्र सरकार ने कहा कि ईरान से कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान संबंधी कोई समस्या नहीं है। गैस मंत्रालय ने उन खबरों को खारिज किया, जिनमें ईरानी कच्चा तेल ले जा रहा एक तेल टैंकर अपने पहले से गंतव्य भारत के बजाय चीन की ओर मुड़ गया है।

भारतीय मछुआरे स्वदेश लौटे

ईरान में फंसे भारतीय मछुआरों का एक समूह आर्मेनिया के रास्ते स्वदेश लौटे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 345 भारतीय नागरिकों की वापसी पर आर्मेनिया के अपने समकक्ष अरारत मिर्जोयान का आभार जताया।

ईरान के पास डील करने सिर्फ 48 घंटे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने पर डील करने के लिए सिर्फ 48 घंटे बचे हैं, वरना उसे नरक का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, याद है जब मैंने ईरान को 'डील करने' या 'होर्मुज स्ट्रेट खोलने' के लिए दस दिन दिए थे? यहां वह 26 मार्च को दिए गए अपने अल्टीमेटम का जिक्र कर रहे थे। राष्ट्रपति ने आगे कहा, समय तेजी से निकल रहा है, 48 घंटे बाद उन पर 'नरक' टूट पड़ेगा। यह युद्ध एक महीने से भी पहले, ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के साथ शुरू हुआ था।

ईरान ने यूएस के दो लड़ाकू विमान गिराए

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध दूसरे महीने में पहुंच गया है और यह अधिक भीषण होता जा रहा है। बदले की आग में सुलग रहे ईरान ने शुक्रवार को अमेरिका का एक एफ-15ई लड़ाकू विमान मार गिराया और दूसरा अमेरिकी ए-10 विमान को मार गिराया। इस विमान के एक पायलट को अमेरिका ने बचा लेने का दावा किया, लेकिन दूसरे पायलट के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में उसकी तलाश में लगे एक अमेरिकी ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर को भी ईरान ने मार गिराया और उसमें सवार लोगों के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है।

नई नियुक्ति

अशरफी नए शहर काजी मौलानाओं के प्रस्ताव पर वक्फ बोर्ड भी राजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

राजधानी के मौलानाओं ने एक मत से बैरनबाजार मस्जिद के इमाम मो. इमरान अशरफी को नया शहर काजी बनाने का प्रस्ताव पारित किया है। इस प्रस्ताव से छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड भी राजी हो गया है। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का कहना है कि समाज के मौलानाओं ने जिनको नया काजी बनाने का प्रस्ताव दिया है, उसको मानते हुए वक्फ बोर्ड सोमवार को नियुक्ति आदेश जारी कर देगा। इधर जिन पद से हटाए गए काजी के खिलाफ 11 महिलाओं ने शोषण की शिकायत की ▶▶| शेष पेज 7 पर

पुराने काजी के खिलाफ होगी एफआईआर

शोषण के आरोपी काजी के खिलाफ अब वक्फ बोर्ड एफआईआर कराने की तैयारी में है। इसके बारे में वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का कहना है कि शोषण की शिकार महिलाओं ने जिस तरह से वक्फ बोर्ड को अपनी आप बीती बताई है और यह मामला सामने आया है, उसके बाद से समाज में काफी रोष है। ऐसे में अब वक्फ बोर्ड इस मामले में विधिक सलाह लेकर अपनी ▶▶| शेष पेज 7 पर

नासिक में हादसा, जांच के आदेश

कुएं में गिरी कार, एक ही परिवार के नौ की मौत

एजेंसी ▶▶| नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में छह बच्चे भी शामिल हैं। यह दुर्घटना शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी कस्बे के शिवाजी नगर इलाके में हुई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना में बच्चों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्रों में खुले कुओं की तत्काल सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, ये सभी लोग इलाके में एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार कार्यक्रम स्थल के पास ही स्थित एक कुएं में गिर गई।

स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे तथा आधी रात के आसपास दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार एवं उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि ये सभी लोग डिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे।

इनकी हुई मौत

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान सुनील दत्तु दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है, जिनमें सात से चौदह वर्ष की आयु वर्ग की पांच लड़कियां और ग्यारह वर्षीय लड़का शामिल हैं। शवों को डिंडोरी के सरकारी अस्पताल में लाया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया।

सीएम ने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रभावित परिवार के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की है। निर्देश जारी किए गए हैं कि सड़कों या सार्वजनिक आवागमन वाले क्षेत्रों में स्थित सभी कुओं की पहचान और समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा, ऐसे स्थानों की जांच की जानी चाहिए ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या ये कुएं आवश्यक हैं और क्या सुरक्षा उपाय लागू किए जा सकते हैं।

एलओसी से सटे इलाकों की समीक्षा

सीडीएस जनरल चौहान ने जम्मू कश्मीर में परखी सुरक्षा तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए किए गए सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' की अगले महीने 7 मई को पहली वर्षगांठ है। लेकिन उससे ठीक पहले देश में पहले दो बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। पहली में बीते दिनों केरल में एक सैन्य समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ▶▶| शेष पेज 7 पर

नई सोच संग आगे बढ़ने की दरकार

जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध का स्वरूप परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इसलिए महज एक केंद्रित डोमेन की सोच से इतर मजबूत और एकीकृत संरचना पर आधारित बहु-डोमेन संचालन की ओर बढ़ना जरूरी है।

मौसम ने ली अंगड़ाई, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में ओलावृष्टि और बारिश का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। देश के एक बड़े हिस्से में अचानक आए इस बदलाव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई राज्यों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। अगले 24 घंटों में छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में तेज आंधी-तूफान के साथ भारी ओलावृष्टि और बिजली कड़कने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

यहां भी दिखेगा मौसम का असर

देश के कई अन्य हिस्सों में 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी मौसम बिगड़ सकता है।

राजस्थान में फसलों को हुआ नुकसान

उत्तर प्रदेश के कानपुर और हिमाचल के धर्मशाला में भी तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई है। सबसे ज्यादा मार किसानों पर पड़ी है। राजस्थान के कई जिलों में ओलावृष्टि के कारण फसलों को भारी नुकसान हुआ है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने इसे 'प्राकृतिक आपदा' करार दिया है।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस नागरत्ना का चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में व्याख्यान

चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से करना चाहिए काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने शनिवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए और उन पर राजनैतिक प्रतिक्रियाओं का कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसी संस्थाओं को राजनीतिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त रहना चाहिए। ▶▶| शेष पेज 7 पर

इतिहास से सबक मिलता है...

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि इतिहास से सबक मिलता है कि संवैधानिक ढांचे का पतन तब होता है, जब उसकी संरचना को कमजोर कर दिया जाता है और अधिकारों का हनन तो बस उसके बाद होता है। संरचना का यह विघटन तब होता है, जब संस्थाएं निगरानी बंद कर देती हैं।

नियामक संस्थाओं की भी भूमिका महत्वपूर्ण

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि आज के समय में कई नियामक संस्थाएं जैसे भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण भी अहम भूमिका निभा रही हैं।

स्वतंत्रता खत्म होने से लोकतंत्र पर असर

जस्टिस नागरत्ना ने चेतावनी दी कि अगर सांविधानिक संस्थाएं एक-दूसरे पर निगरानी रखना बंद कर देंगी, तो लोकतंत्र कमजोर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इतिहास बताता है कि जब संस्थाएं कमजोर होती हैं, तो संविधान की संरचना भी टूटने लगती है।

वैधानिक संस्थाओं पर कही यह बात

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं के साथ-साथ शासन की बढ़ती जटिलता से निपटने के लिए कई वैधानिक नियामक संस्थाएं भी सामने आई हैं। उन्होंने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण को ऐसी संस्थाओं के उदाहरण के रूप में बताया, जिन्हें तकनीकी रूप से जटिल और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को विनियमित करने के लिए डिजाइन किया गया।

केरल

पीएम मोदी ने भरी सियासी हुंकार, कहा-चुनावी सभा को किया संबोधित

'केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत'

एजेंसी ▶▶ तिरुवल्ला (केरल)

तिरुवल्ला (केरल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'हमारे केरलम को ईश्वर ने अपार संसाधन और संभावनाएं दी हैं। यहां समंदर में ब्लू इकोनॉमी के असीम अवसर हैं। यहां उद्योगों के लिए संभावनाएं हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन केरल बाकी राज्यों से लगातार पीछे होता जा रहा है।'

मोदी ने पथनमथिट्टा जिले में राजग की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में इस बार माहौल बदल चुका है और जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को मतदान के बाद 4 मई को एनडीए सरकार बनने जा रही है। उन्होंने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि राज्यभर में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है। उन्होंने उम्मीदवार अनुप को समर्पित और मेहनती बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की। रैली के दौरान उन्होंने सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी उल्लेख किया गया और इसे सांस्कृतिक जुड़ाव से जोड़ा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने यह भी बोले कि केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत है।

केरल के फंड पर क्या बोले प्रधानमंत्री

मोदी ने कहा कि जब एलडीएफ और यूडीएफ केंद्र में सत्ता में थे, तब केरल को कम फंड मिलता था। लेकिन मोदी सरकार में राज्य को पांच गुना ज्यादा फंड दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों में, जहां बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय रहता है, वहां एनडीए की सरकारें बनी हैं और विकास कार्य हुए हैं। गोवा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां भी सरकार लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि केरल में एनडीए सरकार बनेगी, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा और मछुआरों समेत स्थानीय समुदायों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार के लिए वोट की अपील

केरल में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में केरल को फायदा होगा, भले ही उन्हें खुद व्यक्तिगत रूप से कुछ नुकसान उठाना पड़े। उन्होंने कहा कि एनडीए उम्मीदवार अनूप पिछले पांच वर्षों से उनके साथ पूरी मेहनत और समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। वह शांत, ईमानदार और दिन-रात काम करने वाले कार्यकर्ता हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल को ऐसे युवा नेता की जरूरत है और आज वह अनूप को जनता के हवाले कर रहे हैं ताकि वह लोगों की सेवा कर सकें।

विजयन अपने बच्चों को बचाना चाहते हैं, इसलिए 'मोदी से डरते' हैं : राहुल

केरल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर तीखा हमला बोला। कोच्चि में चुनावी सभा के दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार, राजनीतिक समझौते और परिवार से जुड़े मामलों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन अपने बच्चों को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 'डरते' हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विजयन ने भ्रष्टाचार के साथ 'समझौता' किया है और अब अपने पुराने फैसलों के कारण दबाव में हैं। गांधी ने बिना नाम लिए विजयन की बेटी से जुड़े 'एक्सालॉजिक' मामले का जिक्र किया। इस मामले में कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस के बीच कथित अवैध वित्तीय लेनदेन के आरोप हैं। यह कंपनी विजयन की बेटी वीणा के स्वामित्व में थी, जो अब बंद हो चुकी है। राहुल गांधी ने कहा कि एक पिता अपने बच्चों की रक्षा जरूर करता है, लेकिन समस्या तब होती है जब ऐसे काम किए जाते हैं, जिनके लिए सुरक्षा की जरूरत पड़े।

बीजेपी-आरएसएस से संबंध का आरोप

राहुल गांधी ने दावा किया कि सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) अब वामपंथी नहीं रहा और देश की दक्षिणपंथी ताकतों से जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि यह ताकतें धर्म के आधार पर लोगों को निशाना बनाती हैं और यह संविधान पर प्रत्यक्ष हमला है।

प्रधानमंत्री पर भी निशाना

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि वे अदाणी समूह और एप्स्टीन फाइलों जैसे मुद्दों पर दबाव में हैं। उन्होंने शबरिमला मंदिर से सोने की चोरी के मामले पर प्रधानमंत्री की चुप्पी को भी एलडीएफ सरकार के पक्ष में बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) सत्ता में आने पर अपनी पांच गारंटी लागू करेगा।

'बीजेपी हिंसा भड़काकर केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही'

बंगाल

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2026 में मोदी सरकार गिरने का दावा करते हुए बीजेपी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी बंगाल को निशाना बना रही है, जबकि उनकी पार्टी अब दिल्ली को टारगेट करेगी। बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी हिंसा भड़काकर केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है।

उन्होंने मालदा के मोथाबारी में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि असली दोषी भाग गए, जबकि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) निर्दोष लोगों को परेशान कर रही है। उनके अनुसार जांच के नाम पर करीब 50 स्थानीय युवाओं को उठाया गया है।

आईएसएफ और एआईएमआईएम पर निशाना

ममता बनर्जी ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इन दलों के लोगों ने न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया और बाद में भाग गए, जिससे स्थिति और बिगड़ी।

वोटर सूची विवाद पर निर्देश

मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद हटाए गए नामों को दोबारा जुड़वाने के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन करें। उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारियों के पास जाने से बचें और किसी उकसावे में न आएं।

मालदा हिंसा का मामला

मालदा जिले के मोथाबारी में भीड़ ने बीडीओ कार्यालय में सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया था, जबकि एक अधिकारी को करीब 9 घंटे तक गाड़ी में रोके रखा गया। यह विरोध वोटर सूची से नाम हटाने के खिलाफ था, जो बाद में हिंसक हो गया। भीड़ ने सड़क जाम की, तोड़फोड़ की और पुलिस पर हमला किया। इस मामले में राज्य अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने 35 लोगों को गिरफ्तार किया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद चुनाव आयोग (ईसी) ने मामले की जांच एनआईए को सौंप दी है।

सुवेंदु हिंसा : 4 पुलिस अधिकारी निलंबित

पश्चिम बंगाल चुनाव के तहत 2 अप्रैल को सर्वे बिल्डिंग के सामने भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के नामांकन के दौरान हुई हिंसा मामले में चुनाव आयोग ने बड़ा एक्शन लिया है। दरअसल, आयोग ने कोलकाता पुलिस के डीसी-2, अलीपुर के ओसी, एडिशनल ओसी और एक सार्जेंट को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी वाले इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान नियमों का उल्लंघन कर हुई नारेबाजी और झड़प को रोकने में नाकाम रहने पर आयोग ने यह सख्त कदम उठाया है।

तमिलनाडु

एफसीआरए विधेयक 'दमनकारी' विदेश नीति विफल : स्टालिन

नागरकोइल (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को केंद्र द्वारा प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को 'दमनकारी' करार दिया और आरोप लगाया कि इसके जरिये अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से ईसाई सेवा संगठनों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इस विधेयक को वापस लेने की मांग की। विधानसभा चुनाव के लिए यहां एक रैली को संबोधित करते हुए एम के स्टालिन ने मछुआरों के लिए सहायता राशि बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पहले मछली पकड़ने पर प्रतिबंध अवधि के दौरान विशेष राहत राशि पांच हजार रुपये से बढ़ाकर आठ हजार रुपये की थी, जिसे अब बढ़ाकर बारह हजार रुपये प्रति माह किया जाएगा। इसी तरह, मछली पकड़ने का काम में मंदी आने के दौरान सहायता राशि छह हजार रुपये से बढ़ाकर नौ हजार रुपये प्रति माह की जाएगी। स्टालिन ने रैली में लोगों से पूछा, 'क्या आप सभी खुश हैं?'

द्रविड़ सरकार मछुआरों की सच्ची मित्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली द्रविड़ शैली की सरकार मछुआरों की सच्ची मित्र और करीबी सहयोगी रही है। स्टालिन ने आरोप लगाया, 'हालांकि, विदेश नीति की बागडोर अपने हाथों में रखने वाली भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार हमारे मछुआरों की रक्षा करने में विफल रही है। वह विदेश नीति में भी नाकाम रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि भारत का अपने छोटे पड़ोसी देशों पर भी कोई प्रभाव नहीं रह गया है।' स्टालिन ने दावा किया कि यह खेदजनक है कि भाजपा सरकार तमिलनाडु के मछुआरों को भारतीय मछुआरे नहीं मानती और ''इसका परिणाम श्रीलंका की नौसेना द्वारा हमारे मछुआरों पर लगातार किए गए हमले हैं।'' जब केंद्र में कांग्रेस सरकार के दौरान मछुआरों पर हमले हुए थे, तब मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को 'कमजोर' बताया था और कहा था कि अगर कोई मजबूत प्रधानमंत्री सत्ता में होता तो ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'क्या यह अब हो रहा है या नहीं? यह वास्तव में हो रहा है। अब, क्या मोदी यह स्वीकार करेंगे कि वह एक कमजोर प्रधानमंत्री हैं? या वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे?

पुडुचेरी

पुडुचेरी चुनाव में टीवीके प्रमुख विजय के बड़े वादे

25 लाख स्वास्थ्य बीमा और 200 यूनिट मुफ्त बिजली का ऐलान

पुडुचेरी विधानसभा चुनाव से पहले तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने चुनावी रैली में कई बड़े वादे किए और राष्ट्रीय दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस-द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) गठबंधन को भ्रमित और एनआर कांग्रेस-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन को थका हुआ बताया। विजय ने कहा कि ये दल लंबे समय तक केंद्र में सत्ता में रहने के बावजूद पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिला सके। विजय ने घोषणा की कि सत्ता में आने पर उनकी पार्टी पुडुचेरी को उपराज्यपाल के हस्तक्षेप से मुक्त कर पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए पूरी कोशिश करेगी। उन्होंने इसे प्राथमिक लक्ष्य बताया। जन कल्याण योजनाओं के तहत विजय ने हर परिवार को 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा देने और गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने पुडुचेरी विश्वविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज एंड आर्ट्स स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के छह महीने के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे और पारदर्शी प्रशासन दिया जाएगा। विजय ने मतदाताओं से समर्थन मांगते हुए इसे बदलाव की शुरुआत बताया और क्षेत्रीय राजनीति को मजबूत करने पर जोर दिया।

कांग्रेस ने बराक घाटी को 'अपराध का केंद्र' बना दिया था : नवीन

असम

राम कृष्ण नगर (असम)। असम में चुनावी माहौल के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस की पूर्व सरकारों पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वोट बैंक की राजनीति के कारण बराक घाटी अपराध का केंद्र बन गई थी। रामकृष्ण नगर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने स्थानीय लोगों के बजाय घुसपैठियों को प्राथमिकता दी। उनके अनुसार तुष्टीकरण की राजनीति अपने चरम पर थी, जिससे क्षेत्र में अपराध बढ़ा। उन्होंने कहा कि जनता ने इसी वजह से कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया।

भाजपा सरकार के कामों का दावा

नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 'विरासत और विकास' को साथ लेकर काम किया

है। उन्होंने दावा किया कि राज्य के दक्षिणी हिस्से में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण किया गया है। उन्होंने कहा कि अब अपराधियों में डर है, क्योंकि उन्हें पता है कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा सख्त कार्रवाई करते हैं और किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

चुनाव को लेकर विश्वास

भाजपा अध्यक्ष ने भरोसा जताया कि नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव में राजग भारी बहुमत के साथ फिर से सत्ता में लौटेगा। उन्होंने पिछले दस वर्षों में शुरू की गई विकास योजनाओं का भी उल्लेख किया।

खनिज राजस्व में 14 प्रतिशत का इजाफा, ₹16,625 करोड़ की प्राप्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पारदर्शी प्रबंधन और तकनीकी नवाचार का कमाल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खनिज क्षेत्र में पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार और सुदृढ़ प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य खनिज संसाधनों के प्रबंधन में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए राजस्व में सतत वृद्धि करना है। इन प्रयासों से न केवल राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि विकास कार्यों के लिए संसाधनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी। खनिज विभाग के सचिव पी दयानंद ने बताया कि छत्तीसगढ़ ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में 16,625 करोड़ का खनिज राजस्व अर्जित कर लक्ष्य का 98 प्रतिशत प्राप्त किया है, जो सुशासन, प्रभावी नीति क्रियान्वयन और मजबूत निगरानी व्यवस्था का प्रत्यक्ष परिणाम है।यह उपलब्धि न केवल प्रभावी प्रशासनिक रणनीति का परिणाम है, बल्कि राज्य की खनिज आधारित अर्थव्यवस्था की मजबूती को भी दर्शाती है। इस वर्ष खनिज राजस्व में 14 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले पांच वर्षों की औसत वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 6 प्रतिशत से दोगुनी से अधिक है।

अब यह है लक्ष्य

आगामी वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार का विशेष ध्यान गौण खनिजों को भी 'खनिज 2.0' प्लेटफॉर्म से जोड़ने पर रहेगा, जिससे संपूर्ण खनन प्रणाली को डिजिटल और एकीकृत बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त, खनिज परिवहन की निगरानी को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए वीटीएस, आई-चेक गेट तथा ड्रोन आधारित निगरानी प्रणाली को और व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा।

टाटा ट्रस्ट में चल रहा विवाद, चेयरमैन वेणु ने दिया इस्तीफा, पूर्व ट्रस्टी ने उठाए थे योग्यता पर सवाल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

टाटा ट्रस्ट विवाद के बीच टीवीएस मोटर कंपनी के मानद चेयरमैन और कई टाटा ट्रस्टों में सीनियर ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन ने अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन को छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री द्वारा कुछ ट्रस्टियों की योग्यता पर सवाल उठाया गया था, जिसके बाद इस बड़े इस्तीफे की खबर आई है। दरअसल, मेहली मिस्त्री ने दो टाटा ट्रस्टियों की योग्यता पर सवाल उठाए थे, जिनमें एक वेणु श्रीनिवासन थे और दूसरे पूर्व आईएएस अधिकारी विजय सिंह थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीनिवासन ने अपने इस्तीफे का कारण अन्य व्यावसायिक व्यस्तता बताया है।

टाटा ट्रस्ट डीड से जुड़ा विवाद

बिजनेस टुडे पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक, वेणु श्रीनिवासन का इस्तीफा उस टाटा ट्रस्ट विवाद से जुड़ा है, जिसमें मेहली मिस्त्री ने ट्रस्ट के 1923 के दस्तावेज में शामिल प्रावधानों का हवाला दिया। इनमें टाटा ट्रस्टियों का पारसी होना और मुंबई का निवासी होना जरूरी है। उन्होंने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर से इस मामले की आधिकारिक जांच की मांग करते हुए तर्क दिया था कि श्रीनिवासन और विजय सिंह दोनों इन शर्तों को पूरा नहीं करते हैं, इसलिए उन्हें बोर्ड में नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए था।

कौन थे मेहली मिस्त्री?

मेहली मिस्त्री सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड में ट्रस्टी थे और उनके कार्यकाल बढ़ाने के खिलाफ ज्यादातर ट्रस्टियों ने मतदान किया था। खासतौर पर छह ट्रस्टियों में से तीन चेयरमैन नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह ने मिस्त्री की पुनर्नियुक्ति का विरोध किया, जिसके चलते अक्तूबर 2025 में उनकी ट्रस्ट से विदाई हुई थी। इसके बाद उन्होंने ट्रस्टियों की योग्यता पर सवाल खड़ा किया।

'बाई हीराबाई चैरिटेबल ट्रस्ट' क्या है?

बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन (बीएचजेटीएनसीआई) की स्थापना 1923 में हुई थी। टाटा ट्रस्ट्स की वेबसाइट के अनुसार, यह एक परोपकारी संस्था है जो मुख्य रूप से गुजरात के नवसारी में पारसी और सामुदायिक कल्याण पर केंद्रित है। इसका कार्यक्षेत्र मुख्य रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा है। यह संबद्ध टाटा ट्रस्ट्स का हिस्सा है और सर रतन टाटा ट्रस्ट के साथ अपना निदेशक मंडल साझा करता है।

योग्यता की दो प्रमुख शर्तें जिन पर है विवाद

मेहली मिस्त्री के मुख्य तर्क के अनुसार, ट्रस्टी बनने के लिए दो बुनियादी शर्तें अनिवार्य हैं, जिन्हें ये दोनों पदाधिकारी पूरा नहीं करते। दोनों के पास मुंबई का स्थायी निवास नहीं है। इन तर्कों के आधार पर, मिस्त्री ने राज्य चैरिटी कमिश्नर से मामले की स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) जांच शुरू करने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने यह निर्देश देने की भी अपील की है कि सभी मौजूदा ट्रस्टी अपनी योग्यता की पुष्टि करते हुए हलफनामा दाखिल करें।

टाटा ट्रस्ट में खड़े होने लगे सवाल

वेणु श्रीनिवासन के इस्तीफे के बाद भारत के सबसे बड़े परोपकारी संस्थानों में शामिल टाटा ट्रस्ट नेटवर्क के संचालन को लेकर चल रहा तनाव और बढ़ गया है। मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि इस विवाद से ट्रस्टियों की योग्यता, दस्तावेजों का पालन और बड़े कॉरपोरेट समूहों से जुड़े चैरिटेबल ट्रस्टों में निगरानी तंत्र से संबंधित बड़े सवाल उठते हैं। बता दें कि वेणु श्रीनिवासन ने जिस बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन से अपना इस्तीफा दिया है, वह टाटा समूह से जुड़े ट्रस्टों के व्यापक नेटवर्क का हिस्सा है। ये ट्रस्ट सामूहिक रूप से टाटा संस में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखते हैं।

नाइट्रोजन गोदाम में विस्फोट 4 लोगों की मौत, 6 घायल

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली के सिलवासा में एक नाइट्रोजन गोदाम में जोरदार विस्फोट हुआ। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, छह घायल हैं। घटना देमनी स्कूल फलिया क्षेत्र की है। यहां शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे के करीब जोरदार धमाका हुआ, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। यह गोदाम एक व्यस्त सड़क पर एक चाल के पास स्थित था और स्कूल से महज करीब 30 मीटर की दूरी पर था, जिससे सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह गोदाम बिना अनुमति के संचालित हो रहा था। ताजा जानकारी के अनुसार कुल 6 घायलों को सिलवासा के नमो अस्पताल में लाया गया है , जिनमें से 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि अन्य का उपचार जारी है।

विस्फोट के कारण स्पष्ट नहीं

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है। विस्फोट के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर तकनीकी खराबी या लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़क पर बिखरा मलबा

जानकारी के अनुसार नाइट्रोजन गैस सिलेंडर रिफिलिंग के दौरान सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि गोदाम के मलबे सड़क पर बिखर गए, आसपास भूकंप जैसा झटका महसूस हुआ और इलाके में दहशत फैल गई। पास में एक स्कूल के बच्चों में भी अफरा-तफरी मच गई। घटना की निष्पक्ष जांच शुरू कर दी गई है। देखा जा रहा है कि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ था। इससे पहले दादरा के इंडस्ट्रियल एरिया में आग लगने की कई पुरानी घटनाएं हुई हैं।

दिग्गज कमलनाथ, आनंद ने पार्टी लाइन से किया किनारा

नाथ के पोस्ट पर सिंधिया ने कांग्रेस को घेरा

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस को घेरते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अब तो कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता कमल नाथ ने यह स्वीकार कर लिया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है। सिंधिया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस लंबे समय से झूठ और भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह करती रही है, जिसके लिए उसे शर्मिंदा होना चाहिए।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच भारत की प्रतिक्रिया को लेकर अब कांग्रेस के भीतर ही अलग-अलग सुर सुनाई देने लगे हैं। पार्टी की आधिकारिक लाइन से हटकर दो वरिष्ठ नेताओं ने एनडीए सरकार के रुख का समर्थन किया है, जिससे सियासी हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने साफ कहा कि देश में एलपीजी को लेकर किसी तरह का संकट नहीं है, जिससे सरकार के दावों को बल मिलता है। वहीं, यूपीए सरकार में विदेश मंत्री रहे आनंद शर्मा ने भी खुले तौर पर भारत की कूटनीतिक रणनीति की सराहना की। शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट करते हुए लिखा, 'मौजूदा हालात में भारत ने जिस तरह संतुलित और समझदारी भरा रुख अपनाया है, वह सराहनीय है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस समय देश को ऐसी प्रतिक्रिया की जरूरत है, जो राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय हित से प्रेरित हो।'

मिडिल ईस्ट क्राइसिस और एलपीजी पर कांग्रेस में फूट

अब कांग्रेस के भीतर ही अलग अलग सुर सुनाई देने लगे

पार्टी की आधिकारिक सोच से अलग

कांग्रेस के इन वरिष्ठ नेताओं के बयानों को पार्टी की आधिकारिक सोच से अलग माना जा रहा है, जिससे अंदरूनी असहजता बढ़ सकती है। ऐसे वक्त में, जब अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर राजनीतिक दल आमतौर पर एकजुट दिखने की कोशिश करते हैं, कांग्रेस के भीतर यह मतभेद नई बहस को जन्म दे सकता है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर कांग्रेस के भीतर मतभेद खुलकर सामने आते रहे हैं। इससे पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता शशि थरूर और मनीष तिवारी इस मुद्दे पर आधिकारिक लाइन से अलग राय रख चुके हैं।

कांग्रेस घेर रही सरकार को

जहां एक ओर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगा रही है कि वह अमेरिका और इज़रायल के दबाव में काम कर रही है और अपने पुराने सहयोगियों से दूरी बना चुकी है, वहीं इन दोनों नेताओं के बयान थोड़े अलग संकेत देते हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उसने इस मामले में हार मान ली है। लेकिन इसी बीच एलपीजी की कथित कमी को लेकर उठ रही चिंताओं पर कमलनाथ ने अलग ही तस्वीर पेश की।

एसआईआर के जरिए हटाए जा सकते हैं 2.9 करोड़ नाम

प्रकाश आंबेडकर ने ईसीआई पर गंभीर आरोप लगाते हुए किया दावा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) के नेता प्रकाश आंबेडकर ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान लगभग 2.9 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं। आंबेडकर का कहा कि इतने बड़े पैमाने पर नामों को हटाने की प्रक्रिया आगामी चुनावों के परिणामों को सीधे तौर पर प्रभावित कर सकती है।

प्रकाश आंबेडकर ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अगर कांग्रेस नेता राहुल गांधी किसी ऐसे वार्ड से प्रभावित परिवार को मीडिया के सामने लाते, जहां चुनाव आयोग ने एसआईआर के तहत गैर-मौजूदगी का दावा करते हुए वोट कम किए हों, तो सरकार की सच्चाई उजागर हो जाती। उन्होंने आरोप लगाया कि यह चुनाव आयोग द्वारा की जा रही धोखाधड़ी को साबित करता।

चौंकाने वाला दावा

एक सोशल मीडिया पोस्ट में भी आंबेडकर ने चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में अनियमितताओं से राज्य में बड़े पैमाने पर मतदाताओं को बाहर किया जा सकता है।

एसआईआर का क्या है उद्देश्य और इससे जुड़ा विवाद?

विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूचियों में विसंगतियों को दूर करना है, जिसमें डुप्लिकेट प्रविष्टियां और मृत व्यक्तियों के नाम शामिल होते हैं। यह प्रक्रिया मतदाता सूचियों को अद्यतन और त्रुटि मुक्त रखने के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। हालांकि, विपक्षी दल लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि इस प्रक्रिया का दुरुपयोग चुनिंदा विचारधाराओं या समुदायों से संबंधित मतदाताओं को बाहर करने के लिए किया जा रहा है। आंबेडकर का दावा इसी चिंता को रेखांकित करता है।

रायपुर
रविवार 5 अप्रैल 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष तृतीया
वर्ष : 24, अंक : 254
पृष्ठ : 12+8 =20, मूल्य : 5 .00**

मौसम
अधि. 38.8
न्यून. 26.6

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

रायपुर-जगदलपुर बड़ी चुनौती

हैदराबाद से उड़ान भरने वाली फ्लाइट छत्तीसगढ़ के दो शहरों जगदलपुर, रायपुर को जोड़ती है। 31 मार्च को जगदलपुर से रायपुर आने के दौरान इसमें 9 यात्री सवार थे, जबकि वापसी में केवल 2 यात्रियों को लेकर फ्लाइट रवाना हुई। गुरुवार को भी इसकी स्थिति ठीक नहीं थी। आवाजाही के दौरान तीनों शहरों के यात्रियों की कुल संख्या पचास तक नहीं पहुंची थी। इस सेक्टर में फ्लाइट चलाने तीन बार अलग-अलग कंपनियां प्रयास हो चुकी हैं, मगर हवाई सफर यात्रियों को आकर्षित नहीं कर पाया है।

अंबिकापुर से दिल्ली और कोलकाता की फ्लाइट

सरगुजा संभाग के यात्रियों को हवाई सफर की सुविधा देने के लिए दरिमा (अंबिकापुर) एयरपोर्ट से दिल्ली और कोलकाता के अलग-अलग दिन फ्लाइट सेवा शुरू की गई है। अलायंस एयर की फ्लाइट सोमवार को अंबिकापुर से सीधे दिल्ली, जबकि बुधवार को बिलासपुर होते हुए दिल्ली जा रही है। वहीं गुरुवार को इसकी उड़ान अंबिकापुर से कोलकाता के बीच पूरी हो रही है। इन फ्लाइट में भी यात्रियों की संख्या तीस फीसदी से कम है। इसीलिए इन फ्लाइट को बहुत लंबे समय तक संचालित करना बड़ी चुनौती है।

तीसरे दिन संचालित नहीं रायपुर-जगदलपुर हैदराबाद को जोड़ने वाली फ्लाइट

उड़ नहीं पा रही क्षेत्रीय उड़ान योजना, हर उड़ान में दस-बीस ही यात्री, जगदलपुर फ्लाइट रही रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत विभिन्न शहरों के लिए संचालित होने वाली फ्लाइट यात्रियों के लिए तरस रही है। हाल ही में तीन सेक्टरों में उड़ान भरने वाली फ्लाइट दस से बीस यात्रियों के साथ संचालित हो रही है। रायपुर-जगदलपुर-हैदराबाद के बीच संचालित होने वाली फ्लाइट शनिवार को नहीं उड़ी, वहीं अंबिकापुर-कोलकाता की दूसरी उड़ान 9 यात्रियों के साथ पूरी हुई। गुरुवार को इसकी पहली उड़ान में केवल 3 यात्री शामिल थे। क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत हाल ही में ▶▶|शेष पेज 7 पर

अंबिकापुर-कोलकाता की फ्लाइट में 9 पैसेंजर, गुरुवार को 3 के साथ उड़ी थी

रीवा-फ्लाइट संतोषजनक नहीं, उत्केला उड़ान बंद

रायपुर से रीवा को जोड़ने के लिए सप्ताह में तीन दिन मंगल, गुरु और शनिवार फ्लाइट का संचालन किया जा रहा है। 72 सीटर इस फ्लाइट का संचालन 17 मार्च से किया जा रहा है। शुरुआती दिनों में इसमें यात्रियों की संख्या ठीक रही, मगर धीरे-धीरे इसके लिए भी पर्याप्त बुकिंग नहीं हो रही है। कुछ समय पर ओड़िशा के उत्केला से रायपुर को जोड़ने के लिए फ्लाई बिग द्वारा 19 सीटर छोटा विमान चलाया जा रहा था। यात्रियों की समस्या होने की वजह से इसे छह महीने पहले बंद कर दिया गया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

भारत-नेपाल सीमा पर कोल्ड ड्रिंक, एसी बरामद

बहराइच। बहराइच जिले में भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में भारी मात्रा में कोल्ड ड्रिंक, एसी और साइकिल बरामद की हैं। दो अप्रैल की रात रुपईडीहा स्थित बीआईटी जांच चौकी पर नियमित जांच के दौरान नेपाल की ओर जा रहे एक पिकअप वाहन को रुकने का इशारा किया गया।

म्यांमा सीमा के पास से चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास से चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। उग्रवादियों की पहचान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सदस्य कीशम सुमंत मेइती (25), एनआरएफएम के सदस्य अंगोम समरजीत सिंह (32) और कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएल) के सदस्य युमनाम नोबा सिंह (26) तथा खुन्द्रकपम श्यामसन मेइती (25) के रूप में हुई है। ये गिरफ्तारियां मोरेह थाना क्षेत्र के यंगूबूंग गांव से की गईं।

देसी शराब पीने के बाद तीन की मौत

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के दौराला थाना क्षेत्र में देसी शराब पीने के बाद एक किराना कारोबारी समेत तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सरस्वती कॉलोनी निवासी बाबूराम (60), उनकी दुकान में काम करने वाले जितेंद्र (35) और अंकित उर्फ दौलत (40) ने कस्बे में देसी शराब के एक सरकारी ठेके से शराब खरीदी और वहीं उसका सेवन किया। शराब पीने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई।

नक्सलमुक्त होने के बाद नक्सलियों के सबसे घातक हथियार की युद्ध स्तर पर खोज शुरू

गांवों की गलियां, पगडंडी के साथ खेत और जंगल उगलने लगे बम

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

देश के नक्सलमुक्त होते ही अब नक्सलियों के सबसे घातक हथियार आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) की युद्ध स्तर पर खोज शुरू कर दी गई है। बस्तर प्रवास पर आए प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस बात का ऐलान किया था कि जिस तरह गावों को ओडीएफ बनाया गया उसी तरह बस्तर को आईईडी मुक्त बनाने अभियान चलेगा क्योंकि असली जीत माओवाद खत्म करना नहीं बल्कि बस्तर की धरती को पूरी तरह सुरक्षित बनाना है।

अलग खबर

31 मार्च को नक्सलमुक्त होने के बाद से नक्सलियों द्वारा प्लांट किए गए आईईडी की तलाश तेज कर दी गई है। साहस सतर्कता और तकनीक के साथ आईईडी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहे डॉग स्कवॉड, बम निरोधक दस्ता व प्रशिक्षित जवान लगातार आईईडी की तलाश कर रहे हैं। यही वजह है कि प्रतिदिन गांव की गलियों से लेकर पगडंडी, मुख्य मार्ग व बीहड़ जगंल लगातार बम उगलने लगे हैं। माओवादी संगठन की सबसे घातक हथियार का खामियाजा वर्षों से सुरक्षाबलों के साथ ही निर्दोष आम नागरिक ▶▶|शेष पेज 7 पर

प्रतिदिन मिल रहे बम जागरूकता अभियान भी जारी

इन चुनौतियों के बावजूद पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा आईईडी की पहचान, निष्क्रियकरण तथा सुरक्षित निस्तारण के लिए निरंतर और प्रभावी प्रयास प्रतिदिन किए जा रहे हैं। बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) विशेष प्रशिक्षण प्राप्त जवानों तथा आधुनिक उपकरणों की सहायता से नियमित रूप से सर्च ऑपरेशन और रोड ओपनिंग पार्टियों (आरओपी) के माध्यम से बड़ी संख्या में आईईडी का समय रहते पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय किया जा रहा है। सुरक्षाबलों के प्रयासों के कारण कई दुर्घटनाएं टाली गई हैं।

आईईडी मुक्त गांव बनाना हमारा लक्ष्य

बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने कहा, बस्तर क्षेत्र में माओवादियों द्वारा लगाए जाने वाले आईईडी केवल सुरक्षा बलों को निशाना बनाने का माध्यम नहीं हैं वरन यह आम नागरिकों, ग्रामीण जीवन, पशुधन और पूरे सामाजिक ताने-बाने के लिए एक गंभीर तथा अमानवीय खतरा है। निर्दोष लोगों तथा जंगलों में विचरण करने वाले पशुओं के जीवन को जोखिम में डालने वाली ऐसी हिंसक गतिविधियां क्षेत्र में शांति, विकास और सामान्य जीवन को बाधित करती हैं। बस्तर पुलिस और सुरक्षा बल पूरी सतर्कता, साहस और तकनीकी दक्षता के साथ आईईडी की पहचान, निष्क्रियकरण और सुरक्षित निस्तारण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

चिनिया क्षेत्र में हुई घटना

जंगल में महुआ बीनने गई किशोरी को हाथी ने उठाकर पटका, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रामानुजगंज

जंगल में मौजूद हाथियों के दल ने एक किशोरी को मौत के घाट उतार दिया। किशोरी जंगल में महुआ बीनने गई हुई थी, इसी दौरान उसका 22 हाथियों के दल से सामना हो गया। दल में मौजूद हाथियों ने बच्ची को उठाकर पटक दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा बच्ची की लाश को पीएम उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। लोगों को जंगल में नहीं जाने की समझाइश दी जा रही है।

बता दें कि बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत चिनिया क्षेत्र में इन दिनों 22 हाथियों का दल मौजूद है, झारखंड की ओर से पहुंचा यह दल काफी आक्रामक है और पिछले 3-4 दिनों से महावीरगंज, ▶▶|शेष पेज 7 पर

लोगों को दे रहे हैं समझाइश

22 हाथियों का दल झारखंड की ओर से आया हुआ है। हाथी चिनिया क्षेत्र में मौजूद है और आस पास के 5-6 प्रभावित गावों में लोगों को समझाइश देने के साथ ही वन विभाग की टीम लगातार हाथियों के मूवमेंट पर नजर रख रही है। बच्ची जंगल में महुआ बिनने गई हुई थी और उसका हाथियों से सामना हो गया। मृतका के परिजन को तत्कालिक सहायता राशि प्रदान की गई है। हमारी टीम लगातार लोगों को सतर्क करने का काम कर रही है।
-आलोक कुमार वाजपेयी, डीएफओ

हिरासत में आरोपी

थरूर के सुरक्षाकर्मी और चालक पर हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मलप्पुरम

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के सुरक्षाकर्मी और वाहन चालक पर वंडूर में पांच लोगों के समूह ने कथित तौर पर हमला किया, जिसके बाद एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। वंडूर पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज कर लिया गया है और एक व्यक्ति हिरासत में है। थरूर के सुरक्षाकर्मी रतीश के.पी. की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। यह घटना वंडूर के तिरुवाली के पास चेल्लीथोडे में हुई।

थरूर बोले- मैं ठीक हूं

इस बीच, थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि इस घटना में उन्हें कोई चोट नहीं आई। उन्होंने कहा कि उनके प्रति चिंता प्रकट करने वाले शुभचिंतकों के वह दिल से बहुत आभारी है। उन्होंने कहा, मैं ठीक हूं और मुझे कोई चोट नहीं आई। सभी मित्रों और शुभचिंतकों का धन्यवाद। हमने कल बहादुरी से अपना काम जारी रखा और योजना के अनुसार दो और कार्यक्रम संपन्न किए।

पुलिस ने दर्ज किया केस

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क संकरी होने के कारण विवाद बढ़ा। सुरक्षाकर्मी रतीश की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। हिरासत में लिए गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है, जबकि शेष आरोपियों की पहचान कर ली गई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुर्तगाल-जर्मनी में रची गई थी साजिश

भाजपा दफ्तर ब्लास्ट में आईएसआई का हाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब के चंडीगढ़ सेक्टर-37 स्थित में भाजपा मुख्यालय में हुए ब्लास्ट केस को पुलिस ने सुलझा लिया है। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस शाखा ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में इस घटना में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। हमले में शामिल दो मुख्य हमलावरों की पहचान कर ली गई है। इनके कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड, .30 बोर जिगाना पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

संगठित नेटवर्क ने अंजाम दिया धमाका

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि यह एक संगठित नेटवर्क था, जिसमें अलग-अलग स्तर पर काम करने वाले सब-मॉड्यूल और कटआउट शामिल थे। इनका काम हथियारों की सप्लाई, ट्रांसपोर्ट और हमले को अंजाम देने तक फैला हुआ था। उन्होंने बताया कि हमले में शामिल दो मुख्य आरोपियों की भी पहचान कर ली गई है और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाई

बुधवार शाम हुए विस्फोट से चंडीगढ़ में अफरा-तफरी मच गई थी। भाजपा दफ्तर के बाहर हुए धमाके की जिम्मेदारी खालिस्तान आतंकी ने ली थी। इस धमाके की जिम्मेदारी खालिस्तान समर्थक सुखजिंदर सिंह बब्बर ने ली थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर बब्बर ने इस धमाके की जिम्मेदारी ली थी।

आम आदमी पार्टी और चड्ढा के बीच तेज हुई जुबानी जंग

राघव बोले-क्योंकि मैं घायल हूं इसलिए घातक हूं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी और उसके राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा के बीच शनिवार को उस समय जुबानी जंग तेज हो गई, जब चड्ढा ने पार्टी द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ 'सुनियोजित अभियान' चलाया गया है। आरोपों को 'झूठा' करार देते हुए चड्ढा ने कहा, 'मैंने हमेशा संसद में जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया है; मैं वहां सरकार पर दबाव डालने के लिए हूं, हंगामा करने के लिए नहीं। फिल्म 'धुरंधर' के एक संवाद का सहारा लेते हुए चड्ढा ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'हर झूठ का पर्दाफाश होगा। क्योंकि मैं ▶▶|शेष पेज 7 पर

आप ने लगाए तीन आरोप

पहला आरोप : राघव चड्ढा ने बताया, पहला आरोप लगाया गया कि जब विपक्ष संसद से वॉकआउट करता है तो राघव चड्ढा वहीं पर बैठे रहते हैं और वह वॉकआउट नहीं करते हैं।

दूसरा आरोप : चड्ढा ने आगे कहा कि आप ने दूसरा आरोप लगाया कि राघव चड्ढा ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने वाली याचिका पर साइन करने से मना कर दिया।

तीसरा आरोप : राघव चड्ढा ने कहा कि मुझ पर तीसरा आरोप लगाया गया कि राघव चड्ढा डर गए हैं। इसलिए वह बेकार मुद्दे

हर सवाल का जवाब दिया जाएगा : राघव चड्ढा

चड्ढा ने कहा कि सरकारी स्कूलों की हालत और पब्लिक हेल्थ केयर इंस्टीट्यूशन को कैसे मजबूत किया जाए...रेलवे यात्रियों की समस्याएं रखीं। मेन्स्ट्रूअल हेल्थ जैसे मुद्दे को उठाया। बेरोजगारी से महंगाई तक पर अपनी बात रखी। आप मेरा चार साल का ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए। मैं संसद में इंपैक्ट क्रिएट करने गया हूं। मैं संसद में हंगामा करने नहीं गया। करदाताओं के पैसे से संसद चलती है।

काफी दिनों से चल रही थी चर्चा

आम आदमी पार्टी और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में जो चर्चा काफी दिनों से चल रही थी, वो आखिरकार गुरुवार को सही साबित हुई। चर्चा यह थी कि क्या राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और वो भाजपा का दामन थाम सकते हैं, लेकिन यह बात तो आज साफ हो गई कि हां, आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच रिश्ते ठीक नहीं थे।

देश के एक केंद्र शासित राज्य समेत कुल पांच राज्यों में जल्द विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध भी जारी है, जिसके चलते देश में ऊर्जा संकट की संभावना को लेकर विपक्ष भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने में जुटा है। हालांकि इन राज्यों में स्थानीय मुद्दे भी हैं, फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर एसआईआर, चुनाव आयोग के मामले भी गर्म हैं। उधर, राजग खासतौर पर प. बंगाल में घुसपैठ और अल्पसंख्यकों की अनदेखी जैसे मुद्दों को लेकर बाजी पलटने के मुड में है। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। केरल की सत्ता में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

क्या राजनीतिक सरप्राइज देंगे चुनावी नतीजे

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की। बिहार पिछले वर्ष का अंतिम चुनाव था, जिसमें भाजपा जद यू और अन्य दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने ऐसी विजय प्राप्त की, जिसकी कल्पना उसके घोर समर्थक भी नहीं कर रहे थे। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने ऐसा माहौल बनाया था कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राजग के राष्ट्रीय और राज्यों की राजनीति में प्रभावी रहने के दिन गिने-चुने बचे हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की।

विपक्ष के खेमे में घोर हताशा

प्रांतीय चुनावों ने इस सोच को 360 डिग्री मोड़ दिया। विपक्ष के खेमे में घोर हताशा है जबकि भाजपा और राजग के अंदर उत्साह और उम्मीद चरम पर है। इस चुनाव में विपक्ष सफलता प्राप्त करेगा तो देश में मनोवैज्ञानिक रूप से वातावरण बनाने की कोशिश करेगा। क्या भाजपा का प्रदर्शन इन पांचों राज्यों में पिछले विधानसभा चुनाव की तरह ही अपेक्षित है? इसका सीधा उत्तर है, नहीं। तो फिर? इन पांच राज्यों में असम में पिछले 10 वर्षों से उसकी सरकार है और पुडुचेरी जैसे छोटे स्थान में भाजपा सरकार में शामिल है। तमिलनाडु में तो वह एक छोटी पार्टी के रूप में लड़ रही है। केरल में किसी को उम्मीद नहीं है कि भाजपा सत्ता में आ सकती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने जबरदस्त उपस्थिति 2018 के स्थानीय निकाय चुनाव से दिखाई है और विधानसभा में पिछली बार उसने 77 सीटें जीती। भाजपा के पक्ष और विपक्ष में वातावरण के मूल्यांकन की एकमात्र कसौटी असम में उसका प्रदर्शन होगा। इसके अलावा उसने अगर पिछले चुनाव से बेहतर किया तो फिर इसका निष्कर्ष राष्ट्रीय राजनीति में क्या होगा, यह बताने की आवश्यकता नहीं।

युद्ध से संकट का असर

इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध चल रहा है। इसका प्रभाव हमारे देश में भी है। यद्यपि पेट्रोल-डीजल, पीएनजी-सीएनजी की अभी तक देश में कमी नहीं है, किंतु विरोधियों ने लगातार ऐसा वातावरण बनाया है, जैसे देश मोदी सरकार की नीतियों के कारण संकट में फंस गया है।

यह सभी राज्यों में विपक्ष की ओर से एक बड़ा मुद्दा बनाया जा चुका है। हालांकि अफवाह नहीं हो तो देशव्यापी ऐसी शिकायत नहीं कि किसी की गाड़ी में पेट्रोल डीजल नहीं मिला या कहीं पीएनजी, सीएनजी की आपूर्ति में कमी है। एलपीजी की समस्या है, लेकिन अभी ऐसी स्थिति नहीं आई जिसमें किसी को अपने घर में खाना बनाने में समस्या हो। अब चूंकि विपक्ष ने एक बड़ा मुद्दा बनाया है, वातावरण बना हुआ है तो यह नहीं कह सकते कि चुनाव इससे प्रभावित बिल्कुल नहीं होगा। दूसरे, यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमन के विरुद्ध सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने की कोशिश हुई और इसका भी असर है।

चुनाव आयोग व एसआईआर

कोई पार्टी इसके विरोध में नहीं है, कांग्रेस ने इसका समर्थन कर दिया, बावजूद सबकी कोशिश है कि वातावरण बना रहे और हम इसके समर्थन या विरोध में न बोलें ताकि इससे भाजपा और उसके सहयोगियों को क्षति हो। इसके विरोधी दूसरे राज्यों में जाकर भी भाजपा के विरुद्ध सभाएं कर रहे हैं या यह कह सकते हैं कि विरोधी दलों द्वारा उन्हें प्रायोजित किया गया है। तीसरा मुद्दा चुनाव आयोग और एसआईआर है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस इन दोनों ने इसे चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। हालांकि बिहार में इसका कोई असर नहीं हुआ। पश्चिम बंगाल का मामला अलग है। सुप्रीम कोर्ट इस पर निर्णय दे चुका है। मालदा में एसआईआर के काम करने वाले न्यायिक अधिकारियों को रातभर बंद करने का संज्ञान लेने के बावजूद वहां तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने चुनाव आयोग और एसआईआर के विरोध में ऐसा वातावरण बना दिया है, जिसमें उन्हें अपेक्षित सहयोग और अनुकूल वातावरण नहीं मिला। बंगाल में अगर भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तथा अन्य विपक्षी दल हमलावर होकर बोलेंगे कि चुनाव आयोग और एसआईआर के बावजूद लोगों ने इन्हें निकाल दिया। अब इन्हें इस प्रक्रिया को वापस लेनी चाहिए।

अगर भाजपा ने बढ़िया प्रदर्शन कर दिया तो यही कहा जाएगा कि एसआईआर के कारण मतदाताओं के नाम कटवा कर जीती है और चुनाव आयोग की इसमें भूमिका है। लोकसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव भेजा हुआ है। दोनों परिस्थितियों में विपक्ष चुनाव के बाद एसआईआर और चुनाव आयोग के विरुद्ध अभियान चलाएगा। वैसे अभी तक की गणना में सबसे ज्यादा नाम तमिलनाडु में कटे हैं। वहां भी मुद्दा है पर पश्चिम बंगाल की तरह नहीं। चौथा, इस बार हर राज्य में हिंदुत्व और मुस्लिम कट्टरवाद मुद्दा है।

घुसपैठ बना बड़ा मुद्दा

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी समारोह के मार्च लगातार रोकने की कोशिश हुई। बंगाल और असम दोनों जगह घुसपैठ को भाजपा ने सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। बंगाल में ही तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रख दी । तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय के आने से मामला त्रिकोणीय हुआ है। अगर वहां विजयकांत अच्छा करते हैं तो भविष्य में राष्ट्रीय राजनीति में उसका महत्व बढ़ेगा। इस तरह पांच राज्यों में चुनाव राष्ट्रीय राजनीति में मुद्दे, पक्ष-विपक्ष के बीच संबंध, आंशिक रूप से राजनीतिक समीकरण तथा हिंदुत्व सनातन की दृष्टि से स्पष्ट दिशा देने वाला हो सकता है।

केरल चुनाव : स्थानीय मुद्दे बाजी न पलट दें

समीकरण
योगेश कुमार सोनी
स्वतंत्र पत्रकार

केरल राज्य के 1957 में गठन के बाद से मुख्य रूप से वामपंथी और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें रही हैं जो अलग-अगल समय पर सत्ता में आती रही हैं, कभी किसी का कालखंड ज्यादा समय के लिए वर्चस्व में नहीं रहा। 2016 व 2021 से लगातार दो बार पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री बन रहे हैं। अब सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस पिनाराई विजयन के किले को भेद पाएगी?

विजयन की स्थिति को इस बार भी मजबूत इसलिए माना जा रहा है चूंकि वह दशकभर से राज्य में अपने सार्थक शासन को संचालित करने में महारत हासिल कर चुके हैं। यदि बीते लोकसभा चुनाव की बात करें तो उनके खेमें में 140 में से 99 सीटें आई थी, जिसको मजबूत स्थिति माना गया था। यदि कांग्रेस की बात करें तो बीते लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से राहुल गांधी ने रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की थी, जिससे वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत देखकर सब आश्चर्यचकित रह गए थे। हालांकि केरल जैसे राज्य में कांग्रेस ने हार व जीत के साथ अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा है लेकिन क्या अब इन दोनों पक्षों के समीकरणों के साथ केरल के किले को भेदने में सार्थक हो पाती है? मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं। राज्य में सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए गए काम, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़ाए गए कदम और राज्य में आए निवेश को लाने का जिक्र भी किया गया है।

मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं।

इन मुद्दों के साथ में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार केरल की सत्ता में वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। वहीं, इसके इसके विपरीत कांग्रेस सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार पर पक्षपात और भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है जिसके अहम मुद्दे हैं यूडीएफ भ्रष्टाचार, वायनाड में भूस्खलन में अनियमितता, इनके अनुसार राज्य पहले की अपेक्षा अपराध बहुत बड़े स्तर पर अपराध बढ़ा है, नौकरियों में लगातार कमी आ रही है, जिससे युवा बेरोजगार हैं। युवाओं का राज्य से पलायन लगातार जारी है, गुपचुप तरीके से अवैध रूप से नियुक्तियां जैसे मुद्दे हैं। यह सभी पार्टियों के लिए बड़ा मुद्दा है, लेकिन यूडीएफ इसे एलडीएफ सरकार की नाकामी बताकर उठा रही है। इसके अलावा बीजेपी समर्थक थर्ड फ्रंट एक ऐसा मुद्दा उठा रही है जो पार्टियों को छोटा लग रहा था। वह अचानक बड़ा बन गया और वह है जानवरों से खेती की बर्बादी। बताया जा रहा है और वहां चित्रों से भी प्रतीत होता है कि वायनाड जिले का वडक्कनाड में किसानों ने घर छोड़ दिए। गांव में अधिकतर घर टूटी-फूटी हालत में खाली पड़े हैं, चूंकि वहां के रहने वाले किसानों का कहना है कि जब फसल कटने का समय आता है तो हाथी व अन्य जंगली जानवर सब बर्बाद कर देते हैं। यह कहानी वर्षों से चल रही है जिस बारे में कई बार राज्य सरकार को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन उस पर किसी भी प्रकार की मदद नहीं मिली, इससे वहां के लोगों बहुत आक्रोश है। इसके अलावा भी कई ऐसे छोटे-छोटे मुद्दे हैं, जो अब बड़े बनते जा रहे हैं। इसके अलावा राज्य की वृद्ध आबादी 16.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो देश में सबसे अधिक है और वरिष्ठ नागरिक एक प्रभावशाली मतदाता वर्ग बन गए हैं। इसकी नकारात्मकता यह है कि केरल से युवाओं का पलायन लगातार जारी है। यदि लड़कियों की बात करें तो केरल से देश से सबसे ज्यादा नर्सें बनती हैं और देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चली जाती हैं। वहीं लड़कों की बात करें तो यहां नौकरी व उतना रोजगार नहीं है जिसकी वजह से वो भी यहां से पलायन कर जाते हैं। कुल मिलाकर राज्य ने अपने अंदर ऐसा कुछ नहीं समाया हुआ, जिससे वह स्थानीय जनता को वहां रुकने का मौका मिले। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। चूंकि कई बार बड़े मुद्दों से ज्यादा छोटे मुद्दे कारगर साबित हो जाते हैं। अब देखना यह है कि पिनाराई विजयन अपने किला बचा पाते हैं या कांग्रेस पुनः अपने आप को स्थापित करती है।

तमिल चुनाव में देखने को मिलेगा विजय का प्रभाव

त्रिकोणीय
योगेंद्र माथुर
स्वतंत्र पत्रकार

पांच राज्यों के चुनाव के महासमर में सीटों के लिहाज से दूसरे सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदाता अपना मत डालेंगे। राज्य में कुल 234 सीटों पर चुनाव होना है और सभी पार्टियां अपनी कमर कस कर मैदान में आ जुटी हैं। तमिलनाडु एक समृद्ध व प्रगतिशील राज्य है और यहां के मतदाता अन्य चार राज्यों की अपेक्षा अधिक शिक्षित व बुद्धजीवी माने जाते हैं। यहां सामान्यतः शांतिपूर्ण चुनाव होते रहे हैं। तमिलनाडु की राजनीति परम्परागत रूप से क्षेत्रीय दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। मुख्यतः यहां द्रमुक व अन्नाद्रमुक के बीच मुख्य मुकाबला होता रहा है। इस बार अभिनेता से राजनेता बने विजय ने चुनाव को त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। राज्य की राजनीति में विजय के तेजी से उभार व उनके नई पार्टी के साथ मैदान में उतरने से यहां का चुनाव अधिक दिलचस्प हो गया है। अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) राज्य की सभी 234 सीटों पर चुनाव चुनाव मैदान में उतरी है। दूसरी ओर, गहन पुनरीक्षण की अंतिम सूची आने के बाद भी यहां का राजनीतिक परिदृश्य काफी बदला हुआ नजर आने की संभावना है। एसआईआर में तमिलनाडु में सबसे अधिक नाम कटे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में राज्य में कुल 6.6 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया था। पुनरीक्षण में 74 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम कटने के बाद अब 5.7 करोड़ मतदाता इस चुनाव में अपने मत का उपयोग कर सकेंगे। मतदाताओं की संख्या के इस बदलाव का प्रभाव राज्य की विधानसभा सीटों के समीकरण पर भी देखने को मिल सकता है। राजनीतिक दलों को समीकरण बदलाव की इन संभावनाओं के दृष्टिगत अपनी रणनीति तय करनी होगी। वर्तमान में राज्य में एमके स्टालिन के नेतृत्व में 8 पार्टियों के द्रमुक गठबंधन की सरकार सत्ता में है। परंपरागत रूप से उसका मुकाबला अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टी अन्नाद्रमुक से ही है, लेकिन अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के मैदान में आने से मुकाबला रोचक बन गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में द्रमुक गठबंधन को कुल 159 सीटें मिली थीं और अन्नाद्रमुक गठबंधन को 75 सीटों के साथ विपक्ष में बैठना पड़ा था। इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है। अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम को तोड़कर द्रमुक में शामिल करने के बाद एम के स्टालिन का उत्साह बढ़ा हुआ नजर आ रहा है और वे सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त हैं। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि 1971 के बाद से द्रमुक की लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी नहीं हुई है। मुकाबले में अन्नाद्रमुक अपेक्षाकृत कमजोर दिख रही है। पार्टी प्रमुख जयललिता के निधन के बाद पार्टी में बिखराव व असंतोष की लहर पार्टी के चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकती है। पार्टी के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम के द्रमुक में जाने के बाद जयललिता की सहयोगी रहीं शशिकला के अलग पार्टी बना लेने से अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता ई.पलानीस्वामी के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ गई हैं। इस चुनाव में अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में भाजपा प्रमुख पार्टी है, जो विगत लंबे अरसे से दक्षिण में पैठ बनाने की जद्दोजहद कर रही है, लेकिन उसका अपेक्षित जनाधार बढ़ता दिख नहीं रहा है। 2001 में भाजपा ने करुणानिधि के नेतृत्व में द्रमुक के साथ राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ा था और 4 सीटें जीते थीं। विगत 2021 के चुनाव में भी भाजपा 4 सीटों पर ही सीमित रही। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसका अप्रत्यक्ष लाभ जरूर अन्नाद्रमुक गठबंधन को मिल सकता है। ऐसे में विजय की पार्टी के प्रदर्शन पर राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान केंद्रित हो गया है। आरंभिक ओपिनियन पोल के नतीजों को मानें तो टीवीके का प्रभाव राज्य के दक्षिणी भाग में अधिक देखने को मिल रहा है। दूसरी ओर युवाओं में भी विजय खासा प्रभाव डालने में सफल होते दिख रहे हैं। चुनावी विश्लेषकों के एक वर्ग के अनुसार विजय की पार्टी सत्ता विरोधी मतों का विभाजन कर अन्नाद्रमुक को नुकसान पहुंचाएगी। वहीं, एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि विजय के ईसाई समुदाय का होने से स्टालिन की परेशानियां बढ़ेंगी। बहरहाल चुनाव के नतीजे कुछ भी रहें, सरकार में विजय की पार्टी का हस्तक्षेप व प्रभाव बढ़ना तय है।

इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है।

द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में भाजपा की सेंध पर संशय

चुनौती
रवि शंकर
स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राज्य में चुनावी हलचल तेज हो गई है। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों के लिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में बीजेपी 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में बीजेपी का कद बढ़ा है, लेकिन क्या द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में सेंध लगा पाएगी 'भगवा' ब्रिगेड? सबसे बड़ा सवाल यही है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। लगभग छह करोड़ वोटर नए प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। 21 राजनीतिक पार्टियों ने करीब 2,200 उम्मीदवार उतारे हैं। कई तरह के समीकरण, नया जनादेश और नए चेहरे पांच मई से अगले पांच साल के लिए विधायक बनेंगे। पिछले 70 साल से राज्य में बारी-बारी से डीएमके या एआईएडीएमके की सरकार बनती रही है। अबकि पहली बार डीएमके 234 में से 164 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एआईएडीएमके ने 167 उम्मीदवार उतारे हैं। क्या यह सहयोगियों को ज्यादा सीट देने का संकेत है, या फिर उनके प्रभाव में कमजोरी दिखाता है? दोनों द्रविड़ पार्टियों के गठबंधन में एक-एक राष्ट्रीय पार्टी शामिल है। दोनों ने अपनी नजर में 'कमजोर' सीटें सहयोगियों को दी हैं-डीएमके ने कांग्रेस को 28 सीटें दी हैं, जबकि एआईएडीएमके ने बीजेपी को 27 सीटें दी हैं। इससे भी त्रिशंकु विधानसभा की संभावना का संकेत मिलता है। बहरहाल, राज्य में बीजेपी के लिए चुनौती अलग तरह है। यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क है। हालांकि पार्टी धीरे-धीरे अपने आधार को बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई के नेतृत्व में पार्टी ने आक्रामक रणनीति अपनाई है। उनकी 'एन मन, एन मक्कल' यात्रा ने बीजेपी को गांव-गांव तक पहुंचाया। 2024 लोकसभा चुनाव में सीट नहीं जीत पाने के बावजूद

यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क माना जा रहा है।

बीजेपी का वोट शेयर 11.2 फीसदी तक पहुंच गया, जो पहले 2.6 फीसदी था। अब 2026 में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन कर बीजेपी खुद को एक मजबूत विकल्प के तौर पर स्थापित करना चाहती है। 2021 के चुनाव में बीजेपी ने केवल 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था और चार पर जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार पार्टी 27 सीटों पर अपना पूरा दम दिखाने को तैयार है। यहां बीजेपी का प्रदर्शन दक्षिण भारतीय राज्यों में उसकी नई तस्वीर पेश कर सकती है। पिछले दो चुनावों के आंकड़े देखें तो बीजेपी नेतृत्व वाली एनडीए और डीएमके नेतृत्व सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस के बीच पांच से छह फीसदी वोटों का अंतर रहा। अब एनडीए नए-नए जाति समूहों और संगठनों को पाले में लाकर वोटों के इस अंतर को खत्म करने में जुटा है। राज्य की राजनीति में वन्नियार, थेवर, दलित और ओबीसी समुदायों का बड़ा प्रभाव है। बीजेपी इन समुदायों के बीच पैठ बनाने के लिए सामाजिक अभियानों, स्थानीय नेताओं को आगे लाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने पर जोर दे रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में एआइएडीएमके से गठबंधन टूट जाने पर अकेले लड़ने वाली बीजेपी 18.28 फीसदी वोट हासिल करने में सफल रही। बीजेपी को 79 लाख से ज्यादा वोट मिले। इससे पूर्व 2021 के विधानसभा चुनाव में कुल 234 सीटों में से सत्ताधारी डीएमके गठबंधन को 159 सीटें तो भाजपा-एआइएडीएमके को 75 सीटें मिलीं थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अगर बीजेपी और एआईएडीएमके का वोट शेयर मिला दें तो 41.33 फीसदी वोट होता है, जबकि सत्ताधारी डीएमके नेतृत्व इंडिया गठबंधन सिर्फ पांच फीसदी अधिक 46.97 फीसदी वोट हासिल कर सभी 39 लोकसभा सीटें जीतने में सफल रहा था। रणनीतिकारों का मानना है कि अगर 2024 का लोकसभा चुनाव दोनों दलों ने मिलकर लड़ा होता तो 12 सीटों पर संभावनाएं बन सकती थीं। एआईएडीएमके को 23 फीसदी और बीजेपी को 18 फीसदी वोट मिले थे। कुल मिलाकर, तमिलनाडु इस बार ऐसे चुनावी रण में उतर चुका है, जहां कई ताकतें, टूटते समीकरण और नए नैरेटिव एक साथ टकरा रहे हैं। यह चुनाव न सिर्फ राज्य की राजनीति का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि क्या पारंपरिक द्रविड़ राजनीति का दबदबा बरकरार रहेगा या कोई नई ताकत उभरकर सामने आएगी।

तृणमूल संग सीधी स्पर्धा में भाजपा का पलड़ा भारी

दृष्टिकोण
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आजकल बड़ा मुद्दा यही है कि क्या ममता का दुर्ग दरक रहा है? राज्य की राजनीतिक स्थिति वर्तमान में एक ऐसे मोड़ पर है, जहां सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बौखलाहट केवल राजनीति से प्रेरित बयानबाजी नहीं, बल्कि गहरे जमीनी बदलावों का संकेत दे रही है। 2011 में परिवर्तन का नारा देकर वामपंथ के अभेद्य किले को ढहाने वाली ममता आज स्वयं वैसी ही घेराबंदी का सामना कर रही हैं, जैसी उन्होंने कभी बुद्धदेव भट्टाचार्य के विरुद्ध की थी।

यदि 2016 से लेकर 2021 तक के चुनावी आंकड़ों का विश्लेषण करें तो तृणमूल के प्रति मूल बंगालियों में अविश्वास उत्पन्न हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से बंगाल के चुनावी परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है। जहां पहले स्पर्द्धा वामपंथ और तृणमूल के बीच थी, वहां अब वामपंथ का स्थान भाजपा ने ले लिया है। आंकड़ों को देखें तो 2016 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 44.91 प्रतिशत मतों के साथ 211 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा मात्र 10.16 प्रतिशत वोट और 3 सीटों पर सिमट गई थी। उस समय वाम मोर्चा और कांग्रेस के गठबंधन को लगभग 32 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनाव तक आते-आते स्थिति पूरी तरह बदल गई। तृणमूल ने 47.94 प्रतिशत मतों के साथ 215 सीटें हासिल कीं, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत 10 से बढ़कर सीधे 38.13 प्रतिशत पर पहुंच गया और उसकी सीटों की संख्या 3 से बढ़कर 77 हो गई। आश्चर्य ये रहा कि वाम मोर्चा और कांग्रेस का गठबंधन मात्र 10 प्रतिशत मतों और 1 सीट पर सिमट कर रह गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भाजपा अब राज्य में कोई अस्थायी लहर नहीं बल्कि एक स्थायी और शक्तिशाली विपक्ष बन चुकी है। बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। राज्य की लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है। हालांकि, निर्वाचन आयोग द्वारा किए जा रहे कड़े मतदाता पुनरीक्षण ने तृणमूल की रणनीतियों को प्रभावित किया

बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है।

है। निर्वाचन सूचियों से फर्जी और दोहरी प्रविष्टियों का हटना ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों जैसे उत्तर और दक्षिण 24 परगना, मालदा और मुर्शिदाबाद में यदि अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम सूचियों से हटते हैं, तो इसका सीधा असर तृणमूल के सुरक्षित वोट बैंक पर पड़ेगा। हाल के वर्षों में भारतीय सेक्युलर फ्रंट के उभार और मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ते असंतोष ने यह संकेत दिया है कि यह वोट बैंक अब विभाजित हो सकता है। यदि मुस्लिम मतों में 5 से 7 प्रतिशत की भी गिरावट आती है, तो दर्जनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को सीधा लाभ मिल सकता है। 2021 के चुनावों में ऐसी लगभग 50 सीटें थीं, जहां जीत का अंतर बेहद कम था। वहां मतदाता सूची की शुद्धता भाजपा के पक्ष में फलीभूत हो सकती है। ममता की बौखलाहट के पीछे अनेक कारण हैं। मुख्यमंत्री की हालिया आक्रामक बयानबाजी उनके राजनीतिक आधार के खिसकने की घबराहट को दर्शाती है। शिक्षक भर्ती घोटाला, राशन घोटाला और संदेश खाली जैसी घटनाओं ने सरकार की छवि को गहरा धक्का पहुंचाया है। साथ ही, आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने ममता के सबसे मजबूत वोट बैंक यानी महिला मतदाताओं के बीच एक अविश्वास पैदा किया है। प्रशासनिक पकड़ का ढीला होना और स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर का प्रबल होना तृणमूल के लिए खतरे की घंटी है। आगामी चुनाव में बहुसंख्यक हिंदुओं तथा मूल बंगालियों की पहली पसंद भाजपा ही होगी, इसमें संदेह नहीं है, किंतु सत्तारूढ़ होने की स्थिति में भाजपा को इस सीमावर्ती प्रांत में एक सशक्त, दृढ़निश्चयी तथा कठोर निर्णय लेने वाला नेता बैठाना होगा। बंगाल में भाजपा के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, लेकिन इसके लिए पार्टी को एक सशक्त और निर्णायक नेतृत्व की आवश्यकता है। आगामी दिनों में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भाजपा सत्तारूढ़ गठबंधन एआईएनआरसी के साथ शासन में भागीदार है। शेष तीन राज्यों क्रमशः पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में विपक्ष की सरकारें हैं। बंगाल तो भाजपा के लिए अनुकूल प्रतीत होता है, किंतु तमिलनाडु और केरल में स्थितियां अभी भी प्रतिकूल ही हैं।

‘धुरंधरः द रिवेंज’ की बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत

मुंबई। डायरेक्टर आदित्य धर की जासूसी थ्रिलर ‘धुरंधरः द रिवेंज’ बॉक्स ऑफिस पर एक अजेय योद्धा की तरह आगे बढ़ रही है। रिलीज के तीसरे

शुक्रवार (16वें दिन) को फिल्म ने न केवल अपनी पकड़ मजबूत रखी, बल्कि दुनिया भर में 1500 करोड़ का जादुई आंकड़ा पार कर एक नया इतिहास रच दिया है। इस फ़िल्म ने पहले ही ‘केजीएफः चेप्टर 2’ (859.70 करोड़), ‘आरआरआर (782.20 करोड़), और ‘कल्की 2898 एडी’ (646 करोड़) के भारत में हुए कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को 13,317 शो में फ़िल्म की कमाई में 17.8% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कमाई 18.30 करोड़ से बढ़कर 21.55 करोड़ हो गई। ‘धुरंधरः द रिवेंज’ अभी आमिर खान की ‘दंगल’ (2070 करोड़), प्रभास की ‘बाहुबलीः द कंक्लूजन’ (1,810.60 करोड़), और ‘पुष्पा 2ः द रिवेंज’ (1,742.10 करोड़) से पीछे चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, धुरंधर ः द रिवेंज का भारत में कुल ग्रॉस कलेक्शन 1,148.58 करोड़ और अब तक का कुल नेट कलेक्शन 959.37 करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशों में, फिल्म ने 16वें दिन 5.00 करोड़ कमाए, जिससे इसका कुल विदेशी ग्रॉस कलेक्शन अब तक 375.00 करोड़ हो गया है। इससे दुनिया भर का कुल ग्रॉस कलेक्शन बढ़कर 1,523.58 करोड़ हो गया है। फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज़ हुई थी। फिल्म में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर माधवन, सारा अर्जुन, उदयबीर संधू, गौरव गेरा, मानव गोहिल, राकेश बेदी, बिनय ओबेरॉय और राज जुत्शी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।

पहली फिल्म से मिला हिट करियर

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिन्होंने 80 के दशक से लेकर अब तक हिंदी सिनेमा की तरफ रुख किया है। श्रीदेवी, जयाप्रदा, हेमा मालिनी और रेखा समेत कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिनके करियर की नींव दक्षिण भारत में रखी गई लेकिन सफलता उन्हें हिंदी सिनेमा से मिली।

एजेंसी ⏩ मुंबई

आज के दौर की ऐसी ही अभिनेत्री हैं रश्मिका मंदाना, जिन्होंने दक्षिण भारत में हिट फिल्म देने के बाद पैन इंडिया सफलता पाने में देर नहीं लगाई। 5 अप्रैल को जन्मी रश्मिका तेलुगू और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में जाना-माना नाम बन चुकी हैं। उन्होंने फिल्म किरिक पार्टी से 2016 में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहली ही फिल्म से रश्मिका बहुत बड़ी स्टार बन गई थीं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अभिनेता रक्षित शेट्टी के साथ काम किया। 4 करोड़ में बनी फिल्म ने 50 करोड़ की मोटी कमाई की और यह फिल्म रश्मिका के करियर की पहली हिट भी बनी। इस फिल्म में न सिर्फ रश्मिका को अच्छा करियर दिया बल्कि उन्हें रक्षित शेट्टी के रूप में अच्छा पार्टनर भी मिला। दोनों की जोड़ी को कन्नड़ सिनेमा में बहुत पसंद किया जाने लगा और फैंस भी दोनों की जोड़ी को असल जोड़ी के रूप में देखने लगे। आलम ये था कि सेट पर रश्मिका और रक्षित के बीच नजदीकियां बढ़ चुकी थीं। दोनों ने फिल्म के सुपरहिट होने के बाद साल 2017 में सगाई की लेकिन दोनों का रिश्ता एक साल बाद ही टूट गया। अलग होने की वजह दोनों में वैचारिक मतभेद था लेकिन यह बात रक्षित के फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आई। और उन्होंने अभिनेत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया और कन्नड़ सिनेमा से बैन करने की धमकी भी दी। रश्मिका पर रक्षित को करियर की सीढ़ी बनाने का आरोप लगा।

हॉलीवुड मसाला

एना की स्केरी मूवी में वापसी

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड की मशहूर हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी ‘स्केरी मूवी’ इन दिनों सुर्खियों में है। दरअसल, इसका छठा पार्ट बनने जा रहा है। खास बात यह है कि इस फिल्म में एना फेरिस अपने लोकप्रिय किरदार सिंडी कैंपबेल के रूप में वापसी कर रही हैं, जिसे लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। एना फेरिस ने कहा, जब मार्लोन वायंस ने मुझे फोन कर बताया कि वे ‘स्केरी मूवी’ की टीम को फिर से साथ ला रहे हैं, तो इस बात पर एक पल के लिए मुझे यकीन ही नहीं हुआ। यह मेरे लिए खुशी की बात थी।

‘ऑन डिफरेंट ग्राउंड्स’ से ग्लोबल मंच पर कदम रखेंगे विनीत

मुंबई। छोटे पर्दे के मशहूर अभिनेता विनीत रैना अंतर्राष्ट्रीय फिल्म ‘ऑन डिफरेंट ग्राउंड्स’ के जरिए ग्लोबल मंच पर कदम रखने जा रहे हैं। यह फिल्म जून महीने में थिएटर्स में रिलीज होने वाली है। अभिनेता का मानना है कि भारतीय कलाकारों को अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों में एक बार जरूर काम करना चाहिए। विनीत ने अपनी आगामी फिल्म ‘ऑन डिफरेंट ग्राउंड्स’ में शामिल होने की पूरी प्रक्रिया बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोड्यूसर और राइटर निखिल निधि ने मुझे इस फिल्म का कॉन्सेप्ट सुनाया, तो मैं तुरंत तैयार हो गया। मना करने का कोई कारण ही नहीं था। यह मेरी कला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का शानदार मौका था।

डिवोर्स के बाद हंसिका की नए फेज में एंट्री

मुंबई। साउथ एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने डिवोर्स का ऐलान किया था। वहीं, पति सोहेल खातोरिया से तलाक के बाद अब हंसिका अपनी जिंदगी के नए फेज में एंटर कर चुकी हैं। दरअसल, हंसिका ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की,जिनमें वह जापान की खूबसूरत वादियों में छुट्टियां मनाती नजर आ रही हैं। इंटरनेट पर हंसिका के इस ट्रीप की तस्वीरें खूब वायरल हो रही है। इन फोटो में हंसिका काफी रिलैक्स और खुश नजर आ रही हैं. इसके अलावा, वो अपनी मां और भाई के साथ मस्ती करती हुई नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर फैंस भी हंसिका के इस अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। हंसिका के इंस्टाग्राम अकाउंट को ध्यान से देखने पर फैंस ने गौर किया कि एक्ट्रेस ने पति सोहेल कथूरिया के साथ की सभी तस्वीरों और वीडियो को डिलीट कर दिया है। यहां तक कि शादी की तस्वीरें भी नजर नहीं आ रही हैं।

राजकुमार की ‘टोस्टर’ का ट्रेलर आउट

मुंबई । अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा और राजकुमार राव की आगामी फिल्म ‘टोस्टर’ का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह फिल्म एक ऐसे आदमी के बचत करने के पक्के इरादे की कहानी है, जो चाहे कुछ भी हो जाए, बचत करना नहीं

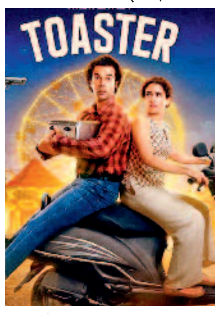

छोड़ता है। ट्रेलर में राजकुमार राव रमाकांत नामक प्यारे और सीधे-सादे कंजूस के रोल में दिख रहे हैं। रमाकांत को लगता है कि हर बचाया हुआ रुपया उसकी बड़ी जीत है। वह रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजों से भी ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश करता है और जिस चीज पर एक बार पैसे खर्च कर देता है, उसे आसानी से जाने नहीं देता। रमाकांत बचत करने के मामले में एक बिल्कुल ही नए स्तर पर पहुंच जाता है। कहानी में मोड़ तब आता है, जब रमाकांत और उसकी पत्नी एक शादी में किसी को टोस्टर गिफ्ट करते हैं। बाद में उसे पता चलता है कि उस कपल का तलाक हो गया और टोस्टर दान कर दिया गया।

GOVERNMENT OUTSOURCING JOB MELA
DEO | MTS | Field/Block Coordinator
Salary ₹21–35K | 500+ Vacancies
Qual.: 10th/12th/Any Grad.
Last Date: 15/04/2026
Free Recruitment | No Application Fee
www.ioems.in | 7789903120
नोट: मार्च में जारी भर्ती अधिसूचना के अंतर्गत चयनित उम्मीदवार अपने अपॉइंटमेंट लेटर को वेबसाइट से डाउनलोड करें तथा 10 अप्रैल 2026 तक अपने निर्धारित विभाग में कार्यभार ग्रहण करें।

तेज रफ्तार जीवनशैली में हेल्थ को न करें इग्नोर

विशेषः विश्व स्वास्थ्य दिवस, 7 अप्रैल

आज के दौर में हम सभी की जीवनशैली बहुत व्यस्त और तेज रफ्तार हो गई है। ऐसे में हम अकसर अपनी हेल्थ को इग्नोर करने लगते हैं। इससे हम हेल्दी लाइफ नहीं जी पाते हैं। अपनी हेल्थ के प्रति सभी को अवेयर करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष वर्ल्ड हेल्थ-डे मनाया जाता है। इस दिन की क्या महत्ता है, इसकी शुरुआत कैसे हुई और इसे कैसे मना सकते हैं? आपको जानना चाहिए।

कवर स्टोरी / रेखा देशराज

हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व स्वास्थ्य दिवस महज एक औपचारिक दिन भर नहीं है बल्कि यह दुनिया को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक वैश्विक अभियान है। साल 2026 की नजर से देखें तो यह दिन पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल, आज तेज रफ्तार दुनिया ऐसी-ऐसी स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रही है, जिन्हें अब के पहले कभी नहीं जाना या देखा गया था। एक तरफ बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां, दूसरी तरफ हर दिन विकराल होता जलवायु परिवर्तन, इन दोनों के मेल से लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी हो रही है। इसलिए साल 2026 हाल के दूसरे स्वास्थ्य दिवसों के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

बढ़ता मानसिक-सामाजिक असंतुलनः वर्तमान में स्वास्थ्य का लक्ष्य सिर्फ देखे जाने वाली बाह्य शारीरिक बीमारियों से बचना ही नहीं है बल्कि मानसिक और सामाजिक संतुलन भी बढ़ाना है। आज अपना देश डायबिटीज और हाइपरटेंशन की वैश्विक राजधानी बनता जा रहा है और अमेरिका के बाद अब दूसरा नंबर मोटापे का शिकार भी भारत हो चुका है। ये बीमारियां आज से दो दशक पहले हमारे हेल्थ एजेंडे में कहीं नहीं थीं, पर आज सारा स्वास्थ्य फोकस, ये लाइफस्टाइल बीमारियां ही खींच रही हैं। बड़ी बात यह है कि अपने देश में जहां पहले बड़े-बूढ़े तक मानसिक स्वास्थ्य के बहुत कम शिकार होते थे, वहीं अब बड़े पैमाने पर युवा भी मानसिक रोगी हो रहे हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन के कारण हीट स्ट्रोक, एलर्जी और संक्रामक रोगों की जो भयावहता आई है, उसमें भी भारत सबसे अगली कतार के पीड़ित देशों में है। ऐसे में हमें यह विशेष दिन याद दिलाता है कि स्वास्थ्य केवल डॉक्टरों या अस्पतालों का विषय भर नहीं है बल्कि इसका रिश्ता समाज के हर व्यक्ति, समाज की सभी संस्थाओं और सरकार से भी है। इसलिए अब स्वास्थ्य को अतिरिक्त फोकस के साथ देखे जाने की जरूरत है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुरुआतः विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 7 अप्रैल 1948 को इस विशेष दिन की शुरुआत हुई थी, क्योंकि इसी दिन इस वैश्विक संगठन की भी स्थापना हुई थी। इसी कारण साल 1950 से हर साल पूरी दुनिया में यह दिन मनाया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न देशों के बीच स्वास्थ्य संबंधी सहयोग बढ़ाना तथा नई स्वास्थ्य चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस सबके अलावा मौजूदा वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को भी इस दिन के साथ जोड़कर देखा जाता है, जिससे उनसे लड़ने की बेहतर रणनीति तैयार की जा सके। जहां तक अपने देश में स्वास्थ्य दिवस के महत्व की बात है, तो हमारे यहां दुनिया के अन्य देशों से इसका महत्व इसलिए ज्यादा है, क्योंकि हमारे यहां अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं ही चुनौती बनी हुई हैं। आज भी अपने देश में डॉक्टर और रोगी अनुपात बेहद असंतुलित है। रोगियों की बहुत बड़ी तादाद में डॉक्टरों की बेहद कमी है। भारत में एक तो जनसंख्या के अनुपात को देखते हुए डॉक्टरों की संख्या बहुत कम है और जो हैं, उनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा डॉक्टर शहरों में केंद्रित हैं। छोटे शहरों और कस्बों में ही बड़े शहरों के मुकाबले डॉक्टर बहुत कम हैं। इसलिए डॉक्टर-रोगी अनुपात को संतुलित करने के लिए लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए और जीवनशैली संबंधी बीमारियों को बताने के लिए इस दिन लोगों को विशेष तौर पर शिक्षित, प्रशिक्षित किए जाने के अलावा उन्हें इसके लिए मोटिवेट भी किया जाता है।

इस साल हेल्थ-डे की थीमः विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक साल 2026 के लिए हेल्थ-डे की थीम है- टूगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस यानी, स्वास्थ्य के लिए हम साथ हैं और विज्ञान का समर्थन करें। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के लिए यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की आधिकारिक थीम है। इसका निहितार्थ यही है कि हम न केवल अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी सभी प्रयास करें, अपने घर-परिवार के अन्य सदस्यों, विशेष तौर पर बुजुर्गों और बच्चों की हेल्थ का भी पूरा ध्यान रखें। कोई समस्या होने पर डॉक्टर से कंसल्टेशन में देरी न करें। फिजिकल एक्टिविटीज को अपने रूटीन का जरूरी हिस्सा बनाएं। अगर हम या हमारी फैमिली का कोई सदस्य स्ट्रेस या डिप्रेस्ड फील कर रहा है तो उसे मेडिकल कंसल्टेशन में देरी न करें। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अच्छी जीवनशैली से बीमार होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। और अगर बीमार हो भी जाएं तो समय रहते हेल्थ प्रॉब्लम को पहचानने से उसका ट्रीटमेंट संभव है।

ऐसे सेलिब्रेट करते हैं यह दिनः वर्ल्ड हेल्थ-डे को लेकर महत्वपूर्ण बात यह है कि हर साल आने वाले विश्व स्वास्थ्य दिवस का जश्न कैसे मनाएं, जिससे दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोग स्वास्थ्य संबंधी सजगता के दायरे में आएं। आमतौर पर इस दिन को तीन तरह से मनाया जाता है, सरकारी संस्थानों के जरिए, विभिन्न संस्थाओं के जरिए और आम लोगों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर। इस दिन आमतौर पर सभी स्कूल, कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थानों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए सेमिनार, रैलियां और हेल्थ कैंप आदि के आयोजन किए जाते हैं। इस दिन तमाम अस्पताल और निजी क्लीनिक मरीजों को फ्री चेकअप की सुविधाएं देते हैं। कई बार इसके लिए कैंप्स लगाए जाते हैं। आमतौर पर मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच शिविरों में लोगों की ब्लड प्रेशर, बीएमआई और शुगर संबंधी समस्याओं की जांच होती है। वर्ल्ड हेल्थ-डे को सोशल मीडिया में हैश टैग के साथ सेलिब्रेट किया जाता है, जहां लोग आपस में हेल्थ टिप्स, अनुभव और जागरूकता संदेश साझा करते हैं। इस दिन विभिन्न प्रकार की फिटनेस गतिविधियां भी संपन्न होती हैं। योग, मैराथन, साइकिलिंग जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कई देशों में इस दिन नई स्वास्थ्य योजनाओं या सुधारों की घोषणा होती है और पिछली योजनाओं, नीतियों का इस दिन आकलन भी किया जाता है। *

स्वस्थ जीवन के सात सरल सूत्र

इस हेल्थ-डे पर यहां बताए जा रहे सात सरल सूत्रों को अगर अपनाने का संकल्प कर लें तो आपका तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेगा।

- प्रतिदिन सात से आठ घंटे की नींद को प्राथमिकता दें।
- प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योगाभ्यास या एक्सरसाइज करें।
- अपने स्क्रीन टाइम को सीमित करें, क्योंकि इससे डिजिटल थकान बढ़ती है। इस समय दुनिया की यह सबसे बड़ी समस्या है और इसका असर आंखों और दिमाग दोनों पर पड़ता है।
- संतुलित आहार का सेवन करें। जंक फूड का कम से कम सेवन करें। अपने आहार में सभी जरूरी पोषक तत्वों को शामिल करें।
- अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भी पूरा ध्यान दें। इसके लिए मेडिटेशन करें। लोगों के साथ अलग-अलग विषयों पर बातें करें। हंसी-मजाक करें और अपनी रुचि के साथ काम करें।
- बीमारी का इंतजार न करके हर छह महीने बाद अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच कराएं। इससे पता चलता है कि हम किस स्थिति में हैं।
- अपने आस-पास की स्वच्छ हवा, पानी और वातावरण के प्रति जिम्मेदार बनें। इसके लिए जरूरी प्रयास भी करें।

पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम ये दो आदतें आज सिर्फ हमारे स्वास्थ्य से ही नाता नहीं रखतीं बल्कि करियर को ऊंचाई देने वाले सबसे प्रभावी लाइफस्टाइल टूल भी बन गए हैं। ये क्यों इतने इंपॉर्टेंट बन गए हैं, इसके पीछे कौन से साइंटिफिक कारण हैं, बता रहे हैं डिटेल में।

हैप्पी-सक्सेसफुल लाइफ के टूल्स अच्छी नींद-रेग्युलर एक्सरसाइज

लाइफस्टाइल
नरेंद्र कुमार

अपने करियर को ऊंचाई देने वाले, लाइफ को हैप्पी बनाने के लिए प्रभावी टूल के रूप में जहां अभी तक हमारी न्यू टेक स्किल को जरूरी माना जाता था, वहीं आज इसमें हमारी सेहत भी महत्वपूर्ण हो गई है और अच्छी सेहत बिना पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम के संभव नहीं है। इसीलिए आज हैप्पी लाइफ के साथ करियर में सफलता के लिए भी व्यायाम और पर्याप्त नींद को लाइफस्टाइल टूल की तरह देखा जा रहा है। अगर ये दोनों चीजें सही हैं, तभी हम बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं और यही आज कॅरियर में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत आधार है।

यही कारण है कि आज नियमित व्यायाम तो केवल स्वास्थ्य साधन के रूप में नहीं देखा जा रहा बल्कि करियर ग्रोथ के प्रभावी टूल की तरह भी देखा जा रहा है और इसके वैज्ञानिक आधार हैं। न्यूरोसाइंस, साइकोलॉजी और हेल्थ रिसर्च लगातार यह साबित कर रहे हैं कि अच्छी नींद और फिट शरीर आज हमारे लिए पूंजी के सरीखे हैं और करियर के आईने में ये तेज रफ्तार ग्रोथ का आधार निर्मित करते हैं।

नींद-दिमाग को रिसेट करती हैः नींद को अकसर आराम का विषय माना जाता है, लेकिन यह आराम से ज्यादा सक्रियता प्रदान करने के लिए तरोताजगी प्रदान करता है। जब हम सोते हैं तो हमारा दिमाग दिनभर की जानकारियों को व्यवस्थित करता है, अनावश्यक सूचना को हटाता है और महत्वपूर्ण यादों को मजबूत करता है। इसके हमें करियर ग्रोथ के रूप में कई लाभ होते हैं। सबसे पहले तो हमारी निर्णय लेने की क्षमता न सिर्फ बढ़ती है बल्कि प्रभावी होती है। दुनिया के अनेक प्रबंधन सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो सीईओ रात में पर्याप्त नींद लेते हैं, उनके निर्णय अधिक स्पष्ट, ज्यादा संतुलित और ताजगी भरे होते हैं। वास्तव में थका हुआ दिमाग का मतलब होता है, हमारी नींद डिस्टर्ब है और जब नींद डिस्टर्ब होने से हमारा दिमाग थका होता है, तो हमारे निर्णय गलत साबित होते हैं।

सीखने की रफ्तार बढ़ती हैः पर्याप्त नींद लेने और नियमित व्यायाम करने से हमें सिर्फ निर्णय लेने में ही सहूलियत नहीं होती बल्कि नई तकनीक सीखने में भी हमारी गति, सामान्यतः तेज होती है। नींद की कमी से सीखने की क्षमता में 30 से 40 फीसदी तक का असर पड़ता है। जिन्हें नियमित रूप से अच्छी नींद आती है, उनका किसी भी विषय पर फोकस बेहतर होता है। आज के डिस्ट्रेक्शन भरे माहौल में भी वह अपना ध्यान जरूरी कामों और बातों पर केंद्रित कर पाते हैं। साथ ही उनका भावनात्मक संतुलन भी बना रहता है, क्योंकि नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, तनाव और गुस्सा बढ़ता है, जो घर में ही नहीं कार्यस्थल पर भी हमें प्रभावित करता है। हमारे निजी और प्रोफेशनल रिश्तों को भी स्पष्टता देते हैं, जो कि करियर के लिए बहुत जरूरी होता है, क्योंकि इससे आत्मविश्वास भी बढ़ता है और हमारी रचनात्मकता भी निखर करके आती है।

हाई परफॉर्मेंस का सीक्रेटः कॉरपोरेट जगत में हम हाई परफॉर्मेंस सिर्फ अपनी स्किल और जानकारियों के आधार पर ही नहीं संभव कर पाते। इसके लिए शांत दिमाग और स्वस्थ शरीर भी बहुत जरूरी है और इन दोनों चीजों के लिए पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम आधार का काम करते हैं। जब नींद और व्यायाम के नतीजे को एक साथ देखा जाता है, तो यह हाई परफॉर्मेंस सिस्टम के सीक्रेट का सबसे मजबूत आधार होते हैं। अच्छी नींद और नियमित व्यायाम जब हमारी लाइफस्टाइल का हिस्सा होते हैं, तो हम हाई परफॉर्मेंस मोड पर होते हैं। जब कोई व्यक्ति 7 से 8 घंटे की नियमित और अच्छी नींद लेता है तथा हर दिन 30 मिनट का व्यायाम करता है, तो वह बहुत तेजी से सीखता है, बेहतर निर्णय लेता है, लंबे समय तक किसी भी समस्या या विषय पर अपना ध्यान फोकस करके रख सकता है और इन सबका नतीजा बेहतर कार्यक्षमता, हैप्पी फीलिंग, ज्यादा उत्पादन और ज्यादा से ज्यादा करियर रिवार्ड होता है। इसलिए कॉरपोरेट जगत की नए दस मूल्यवान सीक्रेट्स में नियमित व्यायाम और अच्छी नींद जरूरी हिस्सा बन गए हैं। डिजिटल थकान जो आज हमारी मेंटल फटीग का सबसे बड़ा कारण है, उस डिजिटल थकान से बचने का सौ फीसदी तरीका यही है कि हम नियमित रूप से हर दिन व्यायाम करें और हर रात अच्छी नींद सोएं। इसके लिए जो भी संभव उपाय हैं, उन्हें अपनाने में कोताही न बरतें। *

अपनाएं ये कारगर तरीके

सवाल है अच्छी नींद और नियमित व्यायाम का अनुशासन कैसे हासिल करें? पर्याप्त नींद के लिए जरूरी है कि हम हर रोज एक तय समय पर ही सोने की आदत डालें और एक निश्चित समय पर ही उठें। सोने से कम से कम एक-डेढ़ घंटे पहले मोबाइल स्क्रीन से खुद को पूरी तरह से दूर कर लें। रात का खाना सूरज डूबने के एक घंटे के पहले ही खा लें।

नियमित व्यायाम के लिए हर दिन नियम से 30 मिनट पैदल चलें, 10 मिनट दौड़ें और कम से कम दो योगासन रोज करें। अगर यह रोज संभव नहीं है तो सप्ताह में कम से कम पांच दिन जरूर करें, जिसमें हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी शामिल हो और इस सबके लिए सुबह का समय ही सर्वश्रेष्ठ है। जरूरी नहीं है कि शुरुआत में ही आपको ये बदलाव दिख जाएंगे। पर यह सच है कि छह महीने तक अगर आपने यह रूटीन कड़ाई से पालन कर लिया तो जिंदगी भर के लिए यह हैबिट बन जाएगी।

कविता
देवांशु

युद्ध

युद्ध में
अगर तुम जीत गए
तो कहलाओगे शक्तिशाली
अपनी देश की सीमा रेखा को
और आगे बढ़ाओगे
दुनिया तुमको सलाम करेगी।
युद्ध में
अगर तुम हार गए
तो दुनिया की नजर में
कमजोर कहलाओगे
भूख, बीमारी और गरीबी से
बरसों-बरस लड़ते रहोगे।
युद्ध सिर्फ क्रूरता, अमानवीयता
मानसिक नपुंसकता को दर्शाता है
मनुष्य बनो–
मनुष्य बनने के लिए
अपने हिंसक विचारों से युद्ध करो
अगर जीत गए
सचमुच मनुष्य कहलाओगे।

लाइफ में लिफाफे का होना लाजिमी

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

कवि सम्मेलन से लौटा हूं। पारिश्रमिक का मोटा लिफाफा जेब से मुंह निकालकर बाहर झांक रहा है। बच्चे बड़े हो चुके हैं। वे सब भी लिफाफों की इंपॉर्टेंस समझने लगे हैं। हालांकि इनमें से कोई भी आठ साल से ज्यादा उम्र का नहीं है, तथापि मोबाइल और टीवी चैनलों की असमय अनुकंपा से सब वयस्क हैं। पहले के बच्चे अठारह साल में एडल्ट हुआ करते थे। आज आठ साल में हो लेते हैं।

पत्नी को भी पता है, घर का खर्च पति से नहीं, लिफाफे से चलता है। वह जानती है कि पति से महत्त्वपूर्ण पत्रम्-पुष्पम् है। यों भी एक उम्र के बाद पति की औकात भी पत्ती-फूल अर्थात घास-फूस जितनी ही रह जाती है। मेरा स्थान भी लिफाफा ले चुका है। मैं कवि सम्मेलनों में रात-रात भर जागकर खुद भी लिफाफा बन चुका हूं। आज मंचों की कविता जितनी कमजोर हुई है, लिफाफे उसी अनुपात में मोटे हुए हैं। काव्य-रुचियां विकृत हुई हैं। चुटकुले सुनाकर हजारों रुपयों का पारिश्रमिक उगाहने वाले मंचीय कवियों के साथ तालमेल रखना सार्थक कवियों की मजबूरी बन चुका है।

मंचीय कविता ही क्यों, हमारी सकल जीवनशैली ही लिफाफामय हो गई है। काम नहीं बन पा रहा हो, लिफाफा पकड़ा दो। बाबू अफसरों को, अफसर आला अफसरों और आला अफसर मंत्रियों को लिफाफे पहुंचा रहे हैं। सत्ता के ठेकेदारों के हाथों से फिसलता हुआ एक मोटा-सा लिफाफा मेज-दर-मेज सरकता हुआ अंततः मंत्री की आलीशान कोठी में प्रवेश कर जाता है।

इस लाइफ में यह लिफाफा नहीं, तो कुछ भी नहीं। किसी के यहां से उनके बच्चे के नाम का इनविटेशन आया है। बर्थ डे है। उपहार की जगह लिफाफा दे दो। जैसी पार्टी हो, वैसा लिफाफा होगा। शादी है। निमंत्रण पत्र मिला है। गिफ्ट क्या देना? सभी लोग देंगे ही। लिफाफा दे दो। ऐसा सादा वाला नहीं। वह वाला, जिस पर एक रुपए का चमचमाता हुआ सिक्का चिपका होता है। हालांकि आज एक रुपए की कोई वैल्यू नहीं, पर शगुन के लिए एक रुपया जरूरी है। एक सौ एक या पांच सौ एक देकर अपना भी शगुन हो लेता है। विद फैमिली दावत खाने को मिलती है। लिफाफा दिया है, तो वसूल भी तो करना है। आज के दौर में शादी-ब्याह, रिश्ते-नाते सब लिफाफों में सिमटकर रह गए हैं।

पिछले साल शादी के सीजन में पचासों बारातों में गया। विवाह एक नहीं देखा। इधर जयमाल की रस्म अदायगी हुई, उधर अपन दावत पर टूट पड़े। खाया, लिफाफा पकड़ाया और अपने घर भागे। आज शादियों में बाराती तो पांच सौ जाते हैं, पर फेरों के टाइम बमुश्किल बारह-चौदह लोग होते हैं। उनमें से भी अनिवार्य रूप से दो तो वे ही हुआ करते हैं, जिनको उस रोज दूल्हा-दुल्हन कहा जाता है। अब विवाह के समय लड़का-लड़की के पिता लोग सात फेरे नहीं, लिफाफे गिनते हुए मिलते हैं। *

मासूम मन की लघुकथाएं

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

हम सब जिस समय में जी रहे हैं, वो बहुरूपी जटिलताओं से भरा हुआ है। ऐसे जटिल समय की छवियां किस तरह हमारे नौनिहालों के मासूम मन को प्रभावित करती हैं, इसका अनुमान लगाना सरल नहीं है। लेकिन हाल में मृदुल त्यागी के संपादन में छपकर आई संकलित लघुकथाओं की पुस्तक 'मासूम मन' को इस दिशा में किया गया गंभीर प्रयास कहा जा सकता है। लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल द्वारा तैयार की गई इस पुस्तक में वरिष्ठ, मध्य और नई पीढ़ी के कुल 94 रचनाकारों की लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं हमें ऐसी पगडंडियां मुहैय्या कराती हैं, जिनके जरिए हम वर्तमान दौर के बच्चों के मनोजगत में प्रवेश कर सकते हैं। इन लघुकथाओं से गुजरते हुए बच्चों के भीतर उठने वाले सवाल, उनके मन में व्याप्त चिंताएं, उनके भय, उनकी आकांक्षाएं और उनकी कोमल संवेदनाओं से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो पुस्तक की अधिकांश लघुकथाएं अच्छी हैं लेकिन कुछ लघुकथाएं ऐसी हैं, जो हमें झकझोरती हैं और आत्मविवेचन के लिए बाध्य भी करती हैं। मिसाल के तौर पर हमारे भीतर के पाखंड को 'छुटकी का प्रश्न' उजागर करती है तो सामाजिक विसंगतियों से संघर्ष का मासूम सा हौसला 'काश' में देखा जा सकता है। उपेक्षा के मनोविज्ञान को 'मैं कहां हूं' प्रकट करती है। नन्हे बच्चे से एक गिलहरी के रिश्ते की मार्मिक कथा को 'रिश्ता' में व्यक्त किया गया है तो 'सीधी रेखा' में एक बच्चे के कोमल मन पर लगे आघात को प्रभावी तरीके से प्रकट किया गया है। *

पुस्तकः मासूम मन (लघुकथा संकलन), **प्रधान संपादकः** कांता रॉय, **संपादकः** मृदुल त्यागी, **मूल्यः** 325 रुपए
प्रकाशकः अपना प्रकाशन, भोपाल

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

असली चेहरा

एक दिन वैभव ने जैसे ही टीवी ऑन किया, उसमें खबर चल रही थी कि एक वृद्ध मकान मालकिन की हत्या उसके किराएदार ने कर दी। कारण था कि वो उनसे पिछले छह महीने का बकाया किराया मांग रही थी। 'स्वाति इधर आओ जल्दी... ये खबर देखी!' वैभव ने पत्नी को आवाज लगाई। स्वाति दौड़कर वहां आई। समाचार देख-सुन कर वह फूट-फूटकर रो पड़ी, 'मां...मेरी मां..ये सब कैसे हो गया?' वह बिलखने लगी। 'किस मां के लिए रो रही हो तुम... वो मां, जिन्होंने हमें अपनाया नहीं। तुम्हें भागकर मुझसे शादी करनी पड़ी।' वैभव तेज आवाज में बोला। 'तो क्या हुआ, कोई विधवा मां कभी नहीं चाहेगी कि उसकी इकलौती बेटी अपने समाज से अलग जाकर शादी करे। उसकी सोच गलत नहीं थी। पर मेरी मां को इस तरह से मार दिया गया...।' वह फिर जमीन पर बैठकर रोने लगी। 'चुप हो जाओ... और जल्दी चलो मां के घर।' वैभव ने उसे उठाते हुए कहा। 'क्या कह रहे हो तुम...। जब मैं कहती थी कि मां से मिलकर आते हैं, तब तुम कहते थे कि मैं मरते दम तक उस घर में कदम नहीं रखूंगा और अब अचानक...।' स्वाति ने हैरानी से पूछा। 'पगली...अब मैं इसलिए कह रहा हूं कि मां के जाने के बाद उस करोड़ों के मकान की तुम इकलौती वारिस हो। अगर देर कर दी तो...' वैभव ने ललचाई जुबान में कहा। 'वाह वैभव वाह...। बहुत दूर की सोचते हो तुम...। तुम्हें इस समय कहना चाहिए था कि मां के हत्यारों को सजा दिलवाकर छोड़ेंगे...।' स्वाति ने आंसू पोंछते हुए बोली। 'सजा तो उसे अब भी मिलेगी...कम या ज्यादा, लेकिन मकान हाथ से निकल गया तो...। सजा हमें मिलेगी...। जिंदगी भर इस किराए के मकान में रहने की...।' वैभव निष्ठुर भाव से बोला। स्वाति आज वैभव का असली चेहरा देख रही थी, वो चेहरा जो कभी उसकी मां दिखाने की कोशिश करती तो वह उसे देखना पसंद नहीं करती थी। *

‘सत्ता परिवर्तन हो गया...’ ईरान ने तस्वीर पोस्ट कर अमेरिका की उड़ाई खिल्ली

एजेंसी ▶▶| तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच बीते एक महीने के ज्यादा समय से जंग चल रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप काफी समय से कह रहे हैं कि ईरान की मौजूदा सरकार को हटाना है, इसे ‘रिजीम चेंज’ कहते हैं। लेकिन जंग के बीच कुछ ऐसा हुआ, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा।

अमेरिका के अपने घर में ही बड़े-बड़े अफसरों की कुर्सी चली गई है। और ईरान ने इसी को पकड़ लिया और पूरी दुनिया के सामने ट्रंप का मजाक उड़ा दिया। गुरुवार को अमेरिकी थल सेना के सबसे बड़े अफसर जनरल रैंडी जॉर्ज को अचानक हटा दिया गया। उनका कार्यकाल अभी एक साल से ज्यादा बाकी था। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने उन्हें फौरन रिटायर करा दिया। हटाने की कोई वजह नहीं बताई गई।

अमेरिका के अपने घर में ही बड़े-बड़े अफसरों की चली गई है कुर्सी

ट्रंप से अलग रुख रखने के कारण किया गया बदलाव

ईरान ने क्या किया?

जैसे ही यह खबरें बाहर आईं, ईरान ने मौका नहीं छोड़ा। साउथ अफ्रीका में ईरानी दूतावास ने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें अमेरिकी सैन्य नेताओं की बैठक दिख रही थी। कुछ चेहरों पर निशान लगाए गए। नीचे लिखा था कि ‘रिजीम चेंज सफलतापूर्वक हो गया।’ साथ में ट्रंप का नारा मागा लिखा था और एक हंसने वाला इमोजी। यानी ईरान का सीधा तंज था कि ट्रंप दूसरों की सरकार बदलने की बात करते हैं, लेकिन असली उलटफेर तो उनके अपने घर यानी वॉशिंगटन में हो रहा है।

इन पर गिरी गाज

यह कोई पहली बार नहीं था। इससे पहले वायुसेना प्रमुख जनरल सीक्यू ब्राउन को हटाया जा चुका था। नौसेना प्रमुख और वायुसेना के उप प्रमुख भी जा चुके हैं। यानी अमेरिका की तीनों बड़ी सेनाओं के शीर्ष अफसर बदले जा रहे हैं। कई जानकार कह रहे हैं कि जनरल जॉर्ज इसलिए हटाए गए, क्योंकि वो ईरान में जमीनी लड़ाई के खिलाफ थे। लेकिन उन्होंने खुद कभी कुछ नहीं कहा। इसी बीच एक और बड़ी खबर आई। अमेरिका की सबसे बड़ी कानूनी अधिकारी यानी अटॉर्नी जनरल पैम बोंडी को भी हटा दिया गया। उन पर एक बड़े मामले के कागजात सही तरीके से न संभालने का आरोप था।

जमीन पर क्या हो रहा है?

अमेरिका की सबसे तेज और खास फौज 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के हजारों सैनिक मिडिल ईस्ट पहुंच रहे हैं। माना जा रहा है कि ईरान में जमीनी घुसपैठ हो सकती है। नौसेना और वायुसेना पहले से ही हमले कर रही हैं।

असली बात क्या है?

एक तरफ ट्रंप ईरान को बदलने की बात कर रहे हैं, दूसरी तरफ अपनी ही सेना के सबसे बड़े अफसर हटाते जा रहे हैं। अमेरिका के अंदर सवाल उठ रहे हैं। और ईरान इसी कमजोरी को दुनिया के सामने पेश कर रहा है।

खबर संक्षेप

रूस का यूक्रेन पर हमले में 5 की मौत

कीव। रूस द्वारा शुक्रवार रात यूक्रेन पर किए गए ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रूस द्वारा ये हमले ऐसे समय किए गए हैं। जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की तुर्किये के अपने समकक्ष रजब तैयब एर्दोआन के साथ वार्ता के लिए इस्तांबुल की यात्रा पर हैं। जेलेंस्की का ईस्टर्न क्रिश्चियन के आध्यात्मिक नेता हैं। इक्यूमेनिकल पैट्रिआर्क बार्थोलोम्यू से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। यूक्रेन की वायु सेना ने एक ऑनलाइन बयान में कहा कि रूस ने शुक्रवार की रात को 286 ड्रोन हमले किये, जिनमें से 260 को मार गिराया गया।

पेट्रोल की कीमतों को लेकर पाकिस्तान में आक्रोश

इस्लामाबाद। ईंधन की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि के कारण भारी जनाक्रोश पैदा होने के एक दिन बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पेट्रोल की कीमत में 80 पाकिस्तानी रुपए की कटौती की घोषणा की है। शरीफ ने संबोधन में कहा कि सरकार ने पेट्रोल पर लगाए अतिरिक्त शुल्क में 80 रुपए प्रति लीटर की कमी की है। फैसला किया है, जिससे उपभोक्ताओं को पेट्रोल 378 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर की दर से उपलब्ध होगा।

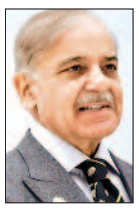

सहपाठी की हत्या हिरासत में नाबालिग

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस के एक स्कूल में कथित तौर पर परेशान किए जाने के दौरान एक सहपाठी के सिर पर धातु की पानी की बोतल से वार किए जाने के बाद उसकी मौत के सिलसिले में एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। लॉस एंजिलिस पुलिस अधिकारी चार्ल्स मिलर ने बताया कि नाबालिग को बृहस्पतिवार को हत्या के संदेह में हिरासत में लिया गया है। नाबालिग को 25 फरवरी को 12 वर्षीय खिमबर्ली ज़ावलेटा चुक्विपा की मौत के सिलसिले हिरासत में लिया गया। अधिकारी ने बताया कि यह खुलासा नहीं किया गया है कि नाबालिग लड़का है या लड़की और न ही उसकी उम्र बताई गयी है।

केंद्रीय पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मामले पर साफ किया सरकार का रुख

तेल लेकर भारत आ रहे जहाज ने भुगतान समस्या के चलते नहीं पकड़ी चीन की राह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका से जारी युद्ध के बीच ईरान से करीब 6 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर भारत आ रहे ‘पिंग शुन’ नामक जहाज द्वारा अचानक बीच समुद्र में अपना मार्ग बदलकर चीन की ओर मुड़ने के पीछे की वजह नई दिल्ली की भुगतान की समस्या नहीं है। इस संबंध में मीडिया में आई तमाम खबरें पूर्णतः गलत और भ्रामक हैं।

भारत वर्तमान में दुनिया के कुल 40 से अधिक देशों से कच्चे-तेल और गैस का आयात कर रहा है। तेल कंपनियों को जरूरत के मुताबिक अपना सप्लायर चुनने का पूरा अधिकार होता है। यह जानकारी केंद्रीय पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को ‘एक्स’ पर एक पोस्ट के जरिए दी है। जिसमें यह भी बताया है कि तेल के व्यापार में जहाजों द्वारा मार्ग बदलना एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। कई बार समुद्र में कारोबार और संचालन जैसे कारणों की वजह से भी ऐसा किया जाता है।

मीडिया में मामले को लेकर आई तमाम खबरों को बताया पूरी तरह से गलत और भ्रामक

यूं मीडिया की सुर्खियों में छाया ‘पिंग शुन’

दरअसल भारत ने अमेरिका के प्रतिबंधों की वजह से वर्ष 2019 से ईरान से तेल की खरीद पर पाबंदी लगा रखी है। ऐसे में अगर पिंग शुन जहाज ईरानी तेल लेकर भारत आता, तो यह बीते 7 वर्षों में भारत पहुंचने वाली ईरान के तेल की पहली खेप होती। यही कारण है कि यह मामला मीडिया में इतना चर्चित हुआ है। पिंग शुन जहाज पिछले महीने 4 मार्च को ईरान के खर्ग द्वीप से 6 लाख बैरल तेल लोड कराकर भारत के गुजरात स्थित वाडिनार के लिए चला था। इसे 4 अप्रैल को वाडिनार पहुंचा था। लेकिन अचानक बीच समुद्र में जहाज ने अपना रास्ता बदलकर चीन को अगले गंतव्य के रूप में चुन लिया।

एलपीजी का उत्पादन में हुई बढ़ोतरी

इन सबके बीच केंद्र ने एलपीजी के मामले में भी मीडिया में चलाई जा रही प्रसार सामग्री को तथ्यों से परे बताते हुए खारिज किया है। साथ ही कहा है कि ईरान से 44 हजार मीट्रिक टन एलपीजी की खेप लेकर बीते 2 अप्रैल को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचे सी-बर्ड नामक जहाज से गैस को उचित प्रक्रिया के तहत उतारा जा रहा है। वहीं, देश के अंदर तेल कंपनियों ने भी एलपीजी के उत्पादन में वृद्धि की है। जो अब फिलहाल लगभग 40% पर पहुंच गई है। किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर के पास एलपीजी की कमी होने से भी सरकार ने साफ इंकार किया है। लोगों से भी अपील की गई है कि वो इस संबंध में किसी भी सुनी सुनाई बात पर विश्वास न करें। केवल आधिकारिक माध्यमों से दी जा रही जानकारी पर ही भरोसा करें। भारत के पास 2 महीने के लिए पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त मात्रा में स्टॉक मौजूद है।

अमेरिका की मासिक छूट का नतीजा

मालूम हो कि भारत द्वारा ईरान से की गई तेल की यह खरीद बीते वक्त में अमेरिका द्वारा ईरानी तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों में दी गई 30 दिनों की छूट के आधार पर की जा रही थी। 2019 से पहले भारत ईरान से तेल की खरीद करने वाला तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश था। जबकि अमेरिका की पाबंदियों के बाद उसे सऊदी अरब, इराक और रूस से तेल खरीद करनी पड़ रही है। ऊर्जा उत्पादों की कुछ खेप अमेरिका से भी स्वदेश पहुंची है।

नासिक में 121 अश्लील वीडियो शिकायतकर्ता ही निकला आरोपी

एजेंसी ▶▶| नासिक

महाराष्ट्र के नासिक में सातपुर इलाके से सामने आए एक एक्सटॉर्शन केस ने बड़ा मोड़ ले लिया है। 2 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराने वाला 63 वर्षीय व्यक्ति रवींद्र एरंडे अब खुद सेक्स स्कैंडल का मुख्य आरोपी बन गया है।

पुलिस जांच में 121 अश्लील वीडियो मिलने से पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। शुरुआत में एरंडे ने चार लोगों पर निजी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांगने का आरोप लगाया था, जिसके आधार पर पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार भी किया। लेकिन जांच के दौरान जब्त मोबाइल, पेन ड्राइव और मेमोरी कार्ड की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

‘खरात’ जैसा एक और घिनौना कांड!

यह कहा पुलिस ने

डीसीपी किशोर काले के अनुसार, जांच में कई महिलाओं के साथ संबंध और गुप्त वीडियो रिकॉर्डिंग के संकेत मिले हैं, जिससे बड़े सेक्स रैकेट की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने संभावित पीड़ितों से आगे आकर शिकायत करने की अपील की है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 69 और 77, आईटी एक्ट की धारा 67(ए) और एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट ने दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

ऐसे पलटा मामला

पुलिस के अनुसार, बरामद वीडियो में एरंडे अलग-अलग महिलाओं के साथ दिखाई दे रहा है। इसके बाद मामला पूरी तरह पलट गया और उसे आरोपी बना दिया गया। इसी बीच एक महिला ने शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि एरंडे ने उसके बेटे को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसे नासिक और इगतपुरी के होटलों में ले जाकर बार-बार यौन शोषण किया।

हवालात में फांसी, दो पुलिसकर्मी निलंबित

कटिहार (बिहार)। बिहार के कटिहार जिले में लूट के मामले में गिरफ्तार एक व्यक्ति ने कथित तौर पर पुलिस हवालात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिसके बाद थाना प्रभारी और जांच अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। राकेश कुमार यादव (24) को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। यादव ने शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को हवालात के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

हाईकोर्ट ने कहा- किसी भी अधिकारी को कानून की सीमाओं के भीतर ही कार्य करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डीबी ने कहा है कि वैधानिक शक्तियों का प्रयोग करने वाले किसी भी प्राधिकारी को कानून की सीमाओं के भीतर ही सख्ती से कार्य करना चाहिए। किसी भी वयस्क व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को, कानून द्वारा स्थापित उचित प्रक्रिया के अनुसार ही, सीमित कर सकता है; अन्यथा नहीं। इसके साथ कोर्ट ने याचिका को निराकृत कर दिया है। यह आदेश हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के आदेश पर व्यस्क, मानसिक रूप से स्वस्थ युवती को नारी निकेतन में रखे जाने के खिलाफ पेश याचिका पर कहा।

धमतरी जिला निवासी महिला ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग रायपुर से एक युवती के खिलाफ शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया कि युवती का उसके पति के साथ अवैध संबंध है। आयोग ने दोनों पक्षों को बुलाया एवं चर्चा उपरांत 12 मार्च 2026 को युवती को नारी निकेतन रायपुर में रखने का आदेश दिया। आयोग के निर्देश पर युवती को ऑब्जर्वेशन होम रायपुर भेजा गया। इस मामले में युवती की मां ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पेश की।

महिला आयोग के निर्देश पर युवती को नारी निकेतन में भेजने के खिलाफ याचिका

सामाजिक व्यवस्था के तहत की थी कार्रवाई

डीबी ने महिला आयोग सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। आयोग की ओर से कहा गया कि युवती को अथॉरिटी ने सुरक्षा पक्का करने और उठाई गई शिकायत को दूर करने के लिए कार्रवाई की। यह कहा गया है कि कार्रवाई अच्छी नीयत से और सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि कार्रवाई के दौरान, पार्टियों के बीच स्थिति का आंकलन किया गया और उसी के अनुसार ज़रूरी कदम उठाए गए। शासन की ओर से कहा गया कि युवती को नारी निकेतन केंद्र से पहले ही रिहा कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने याचिका निराकृत कर दी।

बालिग महिला हिरासत में रखने का अधिकार नहीं

याचिका में कहा गया कि नियमों के तहत किसी बालिग महिला को नारी निकेतन में हिरासत में रखने का कोई अधिकार नहीं है। याचिका में युवती को अवैध हिरासत से मुक्त कराने एवं क्षतिपूर्ति दिलाए जाने की मांग की गई थी। यह भी कोर्ट को बताया गया कि उसकी बेटी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया है और किसी भी सक्षम न्यायालय ने कोई हिरासत आदेश पारित नहीं किया है, उसे कानून के किसी भी अधिकार के बिना ऑब्ज़र्वेशन होम में रखा गया। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डीबी में हुई।

केदारनाथ धाम में बिछी बर्फ की चादर...

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में एक बार फिर शनिवार को तेज तूफान और ओलावृष्टि की चेतावनी है। वहीं केदारनाथ धाम में बर्फबारी का सिलसिला जारी है। जहां एक ओर 22 अप्रैल को होने वाले कपाट उद्घाटन की तैयारियां जोरों पर थीं, वहीं दूसरी ओर लगातार हो रही भारी बर्फबारी ने मजदूरों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। जिन रास्तों और मंदिर परिसर से हाल ही में बर्फ हटाई गई थी, वे स्थान एक बार फिर कई फीट बर्फ की तह में दब गए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने देहरादून समेत टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ हिस्सों में बिजली चमकने और ओलावृष्टि के अलावा 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

जर्मनी में पुरुषों के देश छोड़ने पर रोक

17-45 साल के लोग देश के बाहर नहीं जा सकेंगे

एजेंसी ▶▶| बर्लिन

जर्मनी में 17 से 45 साल के पुरुषों की विदेश यात्रा को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। सरकार ने नई व्यवस्था लागू की है, जिसके तहत इस आयु वर्ग के पुरुषों को तीन महीने से ज्यादा समय के लिए देश छोड़ने से पहले अनुमति लेनी होगी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब जर्मनी अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब अगर कोई पुरुष तीन महीने से ज्यादा समय के लिए पढ़ाई, नौकरी या किसी अन्य कारण से विदेश जाना चाहता है, तो उसे जर्मन सेना यानी बुंडेसवेहर से मंजूरी लेनी होगी। यह नियम 1 जनवरी 2026 से लागू किया गया है। पहले यह नियम सिर्फ आपात स्थिति या युद्ध जैसे हालात में लागू होता था, लेकिन अब इसे सामान्य समय में भी लागू कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत 17 से 45 साल के पुरुषों को

एआई इमेज

लंबी अवधि के लिए विदेश जाने से पहले सैन्य प्राधिकरण से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यह अनुमति बुंडेसवेहर के करियर सेंटर से मिलेगी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि जरूरत पड़ने पर सेना के लिए योग्य लोगों की जानकारी और उपलब्धता बनी रहे। जर्मनी सरकार इस कदम को सैन्य मजबूती से जोड़कर देख रही है। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में सेना की संख्या बढ़ाई जाए। फिलहाल जर्मनी की सेना में करीब 1.84 लाख सैनिक हैं, जिसे बढ़ाकर 2035 तक 2.55 से 2.70 लाख तक करने की योजना है।

युवाओं को सेना से जोड़ने की तैयारी

नई नीति के तहत 2008 या उसके बाद जन्मे युवाओं को सेना में रुचि से जुड़ा एक फॉर्म भरना होगा। यह पुरुषों के लिए अनिवार्य है, जबकि महिलाएं स्वेच्छा से इसमें भाग ले सकती हैं। सरकार का उद्देश्य युवाओं को भविष्य की सैन्य जरूरतों के लिए तैयार रखना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यूरोप में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच जर्मनी अपनी सुरक्षा नीति को मजबूत कर रहा है। कुछ विश्लेषकों ने यह भी कहा है कि जर्मनी नाटो में एक अहम भूमिका निभाता है, इसलिए उसे अपनी रक्षा क्षमता बढ़ाने की जरूरत है।

नागरिक स्वतंत्रता पर सवाल

इस नियम को लेकर कुछ लोगों ने चिंता भी जताई है कि इससे नागरिकों की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। पहले ऐसा नियम सिर्फ युद्ध या संकट के समय लागू होता था, लेकिन अब सामान्य हालात में भी इसे लागू करना एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इससे जर्मनी की नीति में बदलाव का संकेत मिलता है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, पाकुड़।
email :- eercdpakur-jhr@nic.in, Phone & Fax No. 06435-220592

ई0–प्रोक्यूरमेन्ट सूचना

निविदा सूचना सं0– RCD /PAKUR/166/2026-27 दिनांक : 02-04-2026

1.	कार्य का नाम	पथ प्रमंडल, पाकुड अन्तर्गत कजलादाहा–पाकुड़िया पथ के कि0मी0 5.110 से 16.450 कि0मी0 (कुल लंबाई–11.340 कि0मी0) में राईडिंग क्वालिटी में सुधार (Improvement of Riding Quality) / मजबूतीकरण कार्य। (योजना मद) वित्तीय वर्ष 2026–27
2.	प्राक्कलित राशि (रू0)	रू0 7,44,54,712/–(रू0 सात करोड़ चौवालीस लाख चौवन हजार सात सौ बारह)
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	03 (तीन) माह
4.	ई०–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	27.04.2026 के पूर्वाह्न 12.00 बजे तक
5.	ई०–निविदा का बेबसाईट पर प्रकशन की तिथि एवं समय	06.04.2026 के पूर्वाह्न 10.30 बजे से
6.	ई०–निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, पाकुड़।
7.	ई–प्रोक्यूरमेन्ट अधिकारी का सम्पर्क नं0	06435–220592
8.	ई–प्रोक्यूरमेन्ट सेल का सम्पर्क सहायता नम्बर	0651–2401010

विशेष जानकारी http://jharkhandtenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
पथ प्रमण्डल, पाकुड़।

PR 376617 (Road) 26-27 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, पाकुड़
email :- eercdpakur-jhr@nic.in, Phone & Fax No. 06435-220592

अल्पकालिन ई0–प्रोक्यूरमेन्ट सूचना

निविदा सूचना सं0– RCD /PAKUR/168/2026-27 दिनांक : 02-04-2026

1.	कार्य का नाम	पथ प्रमंडल, पाकुड अन्तर्गत रानीपुर चौक से गोपालपुर डांगापाड़ा भाया पुचाईबेड़ा पैनम रोड कुल लंबाई (0.00 से 21.80 कि0मी0) में राईडिंग क्वालिटी में सुधार (Improvement of Riding Quality) कार्य। (योजना मद) वित्तीय वर्ष 2026–27
2.	प्राक्कलित राशि (रू0)	रू0 11,44,21,090/–(रू0 ग्यारह करोड़ चौवालीस लाख इक्कीस हजार नब्बे)
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 (छः) माह
4.	ई०–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	27.04.2026 के पूर्वाह्न 12.00 बजे तक
5.	ई०–निविदा का बेबसाईट पर प्रकाशन की तिथि एवं समय	06.04.2026 के पूर्वाह्न 10.30 बजे से
6.	ई०–निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, पाकुड़।
7.	ई–प्रोक्यूरमेन्ट अधिकारी का सम्पर्क नं0	06435–220592
8.	ई–प्रोक्यूरमेन्ट सेल का सम्पर्क सहायता नम्बर	0651–2401010

विशेष जानकारी http://jharkhandtenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
पथ प्रमण्डल, पाकुड़

PR 376615 Road(26-27)#D

शेयर बाजार में हाहाकार

कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि इन मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है।

तरकश

संजय के. दीक्षित

एमडी टू मिनिस्टर

तरकश के पिछले स्तंभ में बिजली कंपनी के एक एमडी के नवाबी ठसन का किस्सा बयां किया था...कैसे वे मंत्रियों की तरह अपने काफिले की पायलटिंग कराते हैं। अब पता चला है कि एमडी अगला विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। उन्हें किसी ने कह दिया है कि अगर चुनाव जीत गए तो मंत्री पक्का बनोगे...जब ऐसे-वैसे लोग मंत्री बन सकते हैं तो तुम तो पढ़े-लिखे...बड़े इंजीनियर से एमडी पद पर पहुंचे हो। इसके बाद से एमडी के लटके-झटके अभी से मंत्रियों जैसे हो गए हैं। चुनाव लड़ने के लिए उनके मैडम भी खूब निभा रही हैं। जिस इलाके में चुनाव लड़ने की तैयारी है वहां धड़ाधड़ समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों में गरीबों के बिजली बिल का बकाया बिल मैडम भुगतान कर देती हैं। पीछे बैठे जेई, एई जेब से मैडम को पैसे निकाल कर देते हैं, और मैडम उसे जमा करा देती हैं। फिर होता है...जय-जयकार। व्हाट एन आईडिया। अफसर रहते नेताओं जैसा जय-जयकार।

अफसर को एक्सटेंशन!

पीसीसीएफ और हेड ऑफ फॉरेस्ट श्रीनिवास राव का रिटायरमेंट का समय नजदीक आ गया है। अगले महीने 31 मई को उनकी सेवानिवृत्ति है। मगर इसी के साथ उन्हें एक्सटेंशन मिलने की अटकलें भी तेज हो गई है। जाहिर है, श्रीनिवास राव भूपेश बघेल सरकार में सात सीनियर अफसरों को सुपरसीड कर हेड ऑफ फॉरेस्ट बने थे। जब वे फॉरेस्ट के हेड बने थे, तब आश्चर्यजनक तौर से वे पीसीसीएफ भी प्रमोट नहीं हुए थे। और दिसंबर 2023 में विष्णुदेव साय की सरकार आने के बाद भी ढाई साल से पिच पर बने हुए हैं, तो उनमें कुछ तो बात होगी। वैसे उनके एक्सटेंशन की अटकलों के पीछे मजबूत पॉलिटिकल बैकिंग बताई जा रही है। श्रीनिवास राव के निकटतम परिजन आंध्रप्रदेश में ऐसे कद्दावर नेता हैं, जिनके खेमे में दो दर्जन विधायक हैं। उसी गुट के सपोर्ट पर चंद्राबाबू नायडू की सरकार चल रही है और चंद्राबाबू के सपोर्ट पर केंद्र सरकार। तो फिर उनके एक्सटेंशन की खबरों को एकदम से खारिज नहीं किया जा सकता।

माटी पुत्र

श्रीनिवास राव के बाद सीनियरिटी में पहले नंबर पर अरुण पाण्डेय हैं। 94 बैच के आईएफएस अरुण हेड ऑफ फॉरेस्ट के प्रबल दावेदार हैं। मगर श्रीनिवास राव को एक्सटेंशन मिला तो फिर अरुण पाण्डेय को हेड ऑफ फॉरेस्ट बनने की संभावनाएं क्षीण हो जाएंगी। अलबत्ता, श्रीनिवास को अगर एक्सटेंशन न मिला तो फिर हॉफ के लिए मुख्य मुकाबला दो अंबिकापुरिया में होगा। अरुण पाण्डेय और ओपी यादव दोनों अंबिकापुर के रहने वाले हैं। याने दोनों में से कोई भी बने, कोई माटी पुत्र ही हेड ऑफ फॉरेस्ट होगा। बशर्ते एक्सटेंशन की चकरी न चले।

नो ट्रांसफर

छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक ट्रांसफर पर कुछ दिनों के लिए ब्रेक लग गया है। अब मई के फर्स्ट वीक तक जाकर ही कुछ हो पाएगा। बता दें, सूबे में कलेक्टर, एसपी, डीएफओ, जिला पंचायत सीईओ समेत डिप्टी कलेक्टरों के ट्रांसफर काफी दिनों से अवेटेड है। मगर सरकार ने फैसला किया है कि फिलहाल कोई चेंज नहीं किया जाए। जो होगा अब मई फर्स्ट वीक तक...या हो सकता है 15 मई तक चला जाए। इसकी एक बड़ी वजह पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। इसमें छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में अफसरों की ड्यूटी लगी है। वेस्ट बंगाल में अप्रैल के अंत में वोटिंग है। सीएम सचिवालय के सूत्रों का कहना है, अफसरों के इलेक्शन से लौटने के बाद ही ट्रांसफर होंगे। याने मई ट्रांसफर का महीना रहेगा। जाहिर है, कई जिलों के कलेक्टर, एसपी, डीएफओ बोरिया-बिस्तर बांध कर प्रतीक्षा कर रहे हैं। मगर उन्हें अभी महीना-डेढ़ महीना और इंतजार करना पड़ेगा।

कमिश्नर रिटायर

रायपुर के डिविजनल कमिश्नर महादेव कावड़े अगले महीने सेवानिवृत्त हो जाएंगे। 31 मई उनका लास्ट डेट रहेगा। इसलिए, रायपुर में नया कमिश्नर भी अपाइंट करना होगा। मई में होने वाली प्रशासनिक सर्जरी में नए रायपुर कमिश्नर भी शामिल होंगे। वैसे, सरकार ने प्रमोटी आईएएस को कमिश्नर बनाने का स्टैंडर्ड सेट कर दिया है। लिहाजा, अत्यधिक संभावना है कोई प्रमोटी आईएएस रायपुर का नया कमिश्नर बनेगा। भले ही वह मंत्रालय के सचिव स्तर का कोई अधिकारी क्यों न हो।

सिंगल ऑफिसर और हनी ट्रेप

बिलासपुर में आईजी लेवल के दो अफसरों को ट्रेप किया गया। ये दोनों सिंगल थे और जाहिर तौर से सिंगल वाले को फंसना-फंसाना ज्यादा आसान होता है। इसलिए, बिलासपुर के नए आईजी ज्वाइनिंग के साथ ही परिवार लेकर बिलासपुर चले गए। ऐसा करना भी चाहिए। बिलासपुर के कप्तान को भी सतर्क रहना चाहिए। बदमाशों, अपराधियों को वे लगातार जेल भेज रहे हैं। वैसे, हनी ट्रेप के शिकार ज्यादा सिंगल अफसर ही होते हैं। सिंगल वाले पर डोरे डालना आसान होता है। बिलासपुर संभाग के एक पूर्व कलेक्टर सिंगल रहने के चलते बाल-बाल बचे। हालांकि, बदनामी तो पूरी हो गई। बस्तर संभाग के एक कलेक्टर भी कब हनी ट्रेप के शिकार होकर मीडिया की सनसनी बन जाएं, कुछ कहा नहीं जा सकता। बहरहाल मंत्रालय में भी कम नहीं हैं। कई अफसर परिस्थितिवश सिंगल हैं। वहां कई सप्लाई कंपनियों और मेट्रो सिटीज के एनजीओ की कुड़ियां शिकार की तलाश में घूमती रहती हैं। कुल मिलाकर पावर और पैसा जहां है, वहां मधुमक्खियां मंडराएंगी ही। ऐसे अफसरों की पत्नियों को विशेष अलर्ट रहने की जरूरत है। वरना, बाद में पछताने के अलावा कोई चारा नहीं बचता।

नाइंसाफी?

सरगुजा से नक्सलियों का सफाया करने वाले आईपीएस अधिकारी एसआरपी कल्लूरी ऐसे घनचक्कर में फंस गए हैं कि सीनियर होने के बाद उन्हें डीजी बनने में लंबा वेट करना होगा। दरअसल, परिस्थितियां कुछ ऐसी बनी कि 94 बैच में सीनियर होने के बाद भी जीपी सिंह और एसआरपी कल्लूरी डीजी प्रमोशन से चूक गए। जीपी तो लड़-भिड़कर अपना प्रमोशन करा लिए मगर अत्यधिक तेज-तर्रार आईपीएस माने जाने वाले कल्लूरी पता नहीं क्यों ठंडे पड़ गए। और अब आगे उनके लिए कोई स्कोप भी नजर नहीं आता। डीजी के चार ही पद है। दो कैडर, दो एक्स कैडर। इन चार पदों पर इस समय अरुण देव गौतम, पवनदेव, जीपी सिंह और हिमांशु गुप्ता बैठे हैं। गौतम का अगले साल रिटायरमेंट है मगर कहीं पूर्णकालिक डीजीपी बन गए तो फिर उनका कार्यकाल दो साल का हो जाएगा। याने फिर 2028 में रिटायर होंगे। उसके बाद ही कल्लूरी का रास्ता साफ हो पाएगा। तिरूपति वाले बालाजी की कहीं विशेष चकरी चल गई तो फिर बात अलग है....सरकार चाहे तो उन्हें केंद्र से बात कर स्पेशल डीजी बना सकती है।

चंदे से शादी

अभी तक गांवों में अनाथ या गरीबों की बेटियों की शादी लोग जरूर चंदा देकर करा देते थे। मगर प्रभावशाली लोग ऐसा करने लगे तो ये ठीक नहीं। इससे सूबे में एक नई परिपाटी शुरू हो जाएगी। कुछ दिनों पहले एक मंत्री के साथ साये की तरह रहने वाले की शादी हुई, उसमें भी अधिकारियों, सप्लायरों से बड़ा चंदा हुआ। और इस समय फिर ऐसी ही वसूली हो रही है। रायपुर में अफसरों से कहा जा रहा...भले ही परचेजिंग तेज कर दो, मगर इतना चाहिए तो चाहिए। अब इसमें से उपर कितना पहुंचेगा और कितना चेले-चपाटी भाई साहब के नाम पर अंदर कर लेंगे, ये भी बहुत बड़ा है। सार यह है कि बड़े लोगों को इन सबको लेकर सजग रहना चाहिए।

बिना एसपी के डीआईजी

छत्तीसगढ़ में राज्य पुलिस सेवा का बड़ा बुरा हाल है। डिप्टी कलेक्टरों में 2013 बैच तक आईएएस अवार्ड हो गया मगर डीएसपी में अभी 2002 बैच में ही मामला अटका हुआ है। नाइंसाफी भी ऐसी कि जो आईपीएस बने, उन्हें एसपी बनने का मौका नहीं मिला। श्वेता राजमणि बिना एसपी बने ही डीआईजी प्रमोट हो गई। हालांकि, सरकार चाहे तो डीआईजी को भी एसपी बना सकती है मगर सिस्टम में समरथ को न दोष गोसाई जैसी स्थिति है। उमेश चौधरी भी आईपीएस बनकर पीएचक्यू में टाइम काट रहे हैं। उधर, मनोज खिलाड़ी कुछ सीनियर आईपीएस अफसरों के जोर लगाने पर जीपीएम जैसे जिले के एसपी बन पाए। जबकि, उनके बाहर से अतिक्रमण करके आए बैचमेट दो-दो, तीन-तीन जिले की कप्तानी कर चुके हैं। कुल मिलाकर रापुसे पर 'दुबर पर दो आसाढ़' वाली स्थिति है...एक तो आईपीएस अवार्ड में पीछे और उपर से आईपीएस हो गए तो बिना किसी एप्रोच के जिला नहीं मिल पाएगा।

डिप्टी कलेक्टरों के बुरे दिन

डीएसपी की जैसा हाल अब डिप्टी कलेक्टरों का भी होना है। 2013 बैच के 30 में से तीन आईएएस बने हैं। अभी 27 बचे हैं। 2014 बैच में भी 30 डिप्टी कलेक्टर हैं और 2015 बैच में उससे दुगुना। याने 60। हालांकि, आईएएस का कैडर रिवीजन में पद बढ़ गया है फिर भी अब आईएएस अवार्ड होने के लिए काफी पापड़ बेलने पड़ेंगे। हो सकता है कई को एडिशनल कलेक्टर से ही रिटायर होना पड़ जाए। इस समय राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की संख्या बढ़कर 448 पहुंच गई है। इतने छोटे राज्य में कभी इतना ज्यादा अफसर होते नहीं। मगर डिप्टी कलेक्टरों को जनपद सीईओ बनाने के लिए एक बार पद बढ़ाया गया तो फिर बढ़ता चला गया। इसका खामियाजा अब अफसरों को उठाना पड़ेगा।

'उड़ता छत्तीसगढ़'

दुर्ग पुलिस द्वारा हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद करने से हड़कंप मच गया है। हाइड्रोपोनिक गांजा बैंकॉक और हांगकांग से समुद्र में उगाया जाता है। यह इतनी कीमती है कि बाजार रेट इसका एक करोड़ रुपए किलो है। इसके बाद भी छत्तीसगढ़ में इसकी सप्लाई हो रही है तो समझा जाता है कि छत्तीसगढ़ में किस लेवल पर गांजे का इस्तेमाल किया जा रहा है। लोकल गांजा लोवर क्लास के लोग इस्तेमाल करते ही हैं, लोगों को नशे की लत ऐसी लगती जा रही कि बड़े-बड़े लोग सिगरेट में भरकर गांजा पी रहे हैं। दुर्भाग्यजनक यह है कि छत्तीसगढ़ के कुछ युवा नौकरशाहों के नाम भी गांजे का सेवन करने में आ रहा है। वाकई, यह चिंताजनक है। आखिर नई पीढ़ी कहां जा रही है?

अंत में दो सवाल आपसे

1. किस तेज-तर्रार पुलिस अधीक्षक को हटाने के लिए नेताओं और माफियाओं ने नवरात्रि में बकरे की बलि दी है?
2. पूर्णकालिक डीजीपी का फैसला दो-एक दिन में होना है, अरुणदेव गौतम और हिमांशु गुप्ता में से किसके सिर सजेगा पुलिस प्रमुख का ताज?

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी स्किल बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisement booking : Raipur- 6263818152 79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- शंकरनगर ऑफिस में साफ सफाई, इंडस कीपिंग एवम अन्य कार्य हेतु ऑफिस गर्ल की आवश्यकता है। बायोडाटा सहित संपर्क करें:- 9993011757, 8878228031. (RO-407)

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन के ऑफिस हेतु शीघ्र आवश्यकता है। 1 सेल्सएक्जीक्यूटिव 1 बैंक ऑफिस असिस्टेंट की संपर्क- 91114-06666. (RO-4098)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर इंदौर देवास रीवा शहडोल में रह कर काम कर सके सैलरी 12000 + कमीशन + बोनस के साथ महीना 25000/ कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट संपर्क - 6268044316, 9201024747. (RO-351)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्स मैनेजर

आवश्यकता है
बजाज ऑटो लिमिटेड की नं.1 डीलरशीप में
सेल्स मैनेजर स्नातक व अनुभवी को प्राथमिकता
वर्कशॉप मैनेजर स्नातक व अनुभवी को प्राथमिकता
सेल्स एक्जीक्यूटिव स्नातक व अनुभवी को प्राथमिकता
मैकेनिक इलेक्ट्रिक वाहन और मोटरसाइकिल
वेतन बेस्ट इन इंडस्ट्री फोटो व बायोडाटा के साथ संपर्क करें :
वंदना ऑटो
विवेकानंद आश्रम, जी. ई. रोड, रायपुर
Vandanaauto@rediffmail.com
मिलें : सुबह 11 से 2 बजे

दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड दुकान में हेल्पर लड़को की आवश्यकता संपर्क: दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास रायपुर 98271-14645, 91311-39179. (RO-511)

आवश्यकता है- किराना दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़को की आवश्यकता है। पढ़ाई में बाधा नहीं। आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- भगत किराना, गोल बाजार, रायपुर, मो. 7828644611. (RO-070)

आवश्यकता है- प्लास्टिक के थोक दुकान में कार्य करने हेतु लड़को एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क समय 12 से 6 प्रकाश मार्केटिंग डॉक्टर मटरेजा गली नयापारा रायपुर 9826113735. (आरो-198)

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य करने हेतु युवको की आवश्यकता है। संपर्क - मनन इंटरप्राइजेज, विधानसभा रोड, मोवा, थाने के सामने, रायपुर। मोबाइल : 9827109679. (RO-003)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- रायपुर छ.ग. में टेलीकॉलर एवं ऑफिस कार्य हेतु 08 लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन - 12000-25000 तक। योग्यता- स्नातक एवं कंप्यूटर की जानकारी होना अनिवार्य है। संपर्क करें- +91 8305308100. (RO-845)

सुपरवाइजर/ड्राइवर

आवश्यकता है- रायपुर के प्रतिष्ठित कम्पनी को सिविल सुपरवाइजर, ड्राइवर एवम हेल्पर की आवश्यकता है।आवास भोजन सुविधा उपलब्ध, इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें- रिंग रोड न.3, पिरदा चौक, रायपुर 9827116606, 9753672550. (RO-407)

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- रायपुर एवम भिलाई सहित केंद्र सरकार के प्रतिष्ठित संस्थान हेतु सुरक्षा गार्डो की आवश्यकता है। न्यूनतम योग्यता 10 वी पास उचाई 5'6 फिट उम्र 23-44 साल के बीच वेतन लगभग 20000/- मासिक सम्पर्क सी. डी.ओ. सिक्योरिटी मो. 7974912977 (आरो-247)

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- ट्राली कारखाना में काम करने वाले वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है। पूरे साल काम की गारंटी, परिवार सहित रहने पर खोली/सब्जी लगाने हेतु 40 डिसमील जमीन फ्री में उपलब्ध कमरा, बिजली, पानी मुफ्त सुविधा सम्पर्क करें- अमित कौशिक 9827892413. (RO-40464)

दुकान कार्य/ड्राइवर

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल एंड हार्डवेयर की दुकान में कार्य करने लड़के /लड़कियों एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार गुरुनानक इलेक्ट्रिकल एंड हार्डवेयर गुरुद्वारा रोड श्याम नगर तेलीबांधा रायपुर 9893332145. (आरो-195)

ड्राइवर

आवश्यकता है- इंडो चेन्स रायपुर प्रा.लि. भनपुरी में सिक्योरिटी ऑफिसर हेतु भूतपूर्व सैनिकों / सी आर पी एफ / बी एस एफ जवानों की आवश्यकता है। रहने की सुविधा उपलब्ध। खाने व बाइक का इंतजाम स्वयं करना होगा। सैलरी 30000 से 35000 प्रतिमाह। न्यूनतम आयु 40 वर्ष। ड्यूटी टाइम - 12 घंटे प्रतिदिन, महीने में कोई छुट्टी नहीं दी जाएगी। संपर्क समय दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक - 96447-20222. (RO-28)

शिक्षाकर्मी

आवश्यकता है- गोढ़ीवाला प्राथमिक पाठशाला देवपुरी में हिन्दी माध्यम शिक्षिका की आवश्यकता है। योग्यता- डी. एड., इच्छुक स्वयं के हस्तलिखित आवेदन करें:- 9424208333, 9340873708. (RO-874)

कंप्यूटर कर्मी

आवश्यकता है- रायपुर/नया रायपुर में ग्राहक सेवा सहयोगी भर्ती।योग्यता: किसी भी विषय में ग्रेजुएट, हिंदी-अंग्रेजी में अच्छी पकड़, 20 WPM टाइपिंग। शिफ्ट: 6 AM-2 PM, 2 PM-10 PM, 10PM-6AM। इंटरव्यू: 4–8 अप्रैल, 10AM–5PM, सिविल लाइन पुलिस थाना, रायपुर। संपर्क: 9212138468. (RO-4097)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- मोवा थाना से 200 मीटर ग्रीडलेबिहार कैंपस 3 तल ग्राउण्ड, पार्किंग, प्रथम, द्वितीय कुल 2300Sqft नवनिर्मित गृह प्रवेश हेतु तैयार मकान खरीददार ही संपर्क करें - 9981575565, 9926111099. (RO-6621)

हरिभूमि

मकान बेचना है- 3700 स्क्वायर फीट में 2700 स्क्वायर फीट आरसीसी कंस्ट्रक्शन 20 फीट हाइट बेयरहाउस बैंक के लिए उपयोगी लेट बाथ समेत मकान बेचना है। बंजारी मंदिर के पीछे मेंन रोड मोबाइल नंबर 93312-81710. (RO-4095)

वाहन

सेंट्रो कार बेचना है- मॉडल 2010/ 2011 रेट 1,30000/- (एक लाख तीस हजार) संपर्क करें- सुनील बर्मन रिंग रोड नंबर1 रायपुरा चौक P.L यदु 7477222455 9754685471 महामाईपरा 8823780696 रायपुर (RO-6622)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- हिंदू (महार)- 34/5''6, गोरा, स्मार्ट, ग्रेज्युएट, लड़का मासिक आय - 35,000 + 55,000 नोकरी + बिजनेस हेतु- गोरी -खुबसूरत लड़की चाहिए संपर्क करें 9890502587 (6624)

आवश्यक सूचना

CLASSIFIED RATE CARD हरिभूमि

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाये।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330

जैकेट के शेष

छुट्टी के दिन ....

छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव को मामले में विस्तृत हलफनामा दाखिल करने कहा है। इसमें अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी गई है। ध्यान रहे कि आरटीई के तहत मामले की सुनवाई पहले से चल रही है। इस याचिका पर 8 अप्रैल को सुनवाई होनी थी। हरिभूमि की खबर के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने शनिवार को ही सुन लिया। हाईकोर्ट ने पूछा है कि जब सत्र शुरू हो चुका है तो गरीब बच्चों का दाखिला कब होगा, क्या प्रशासन की लापरवाही से हजारों बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा।

पूरी एडमिशन प्रक्रिया में अगस्त बीत जाएगा : इधर एडमिशन प्रक्रिया पर नजर डालें तो आरटीई के तहत छात्र पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च रखी गई थी। अब प्राप्त आवेदनों को नोडल अधिकारी द्वारा जांच के बाद स्वीकृत किया जाएगा। काउसंलिंग प्रक्रिया में 13 से 17 अप्रैल तक लॉटरी एवं आवंटन होगा। जिसके बाद छात्रों को 1 से 30 मई तक प्रवेश लेने होंगे। द्वितीय चरण की प्रक्रिया 8 जून से शुरू हो जाएगी। जिसमें नए स्कूलों का रजिस्ट्रेशन होगा। उसके बाद 1 से 11 जुलाई तक छात्र पंजीयन होंगे। फिर 27 से 31 जुलाई तक लॉटरी एवं आवंटन होगा। जिसके बाद छात्रों को स्कूल में दाखिला 3 से 17 अगस्त तक लेना होगी।

16 हजार से अधिक आवेदनों की जांच तक नहीं : गौरतलब है कि प्रदेश में नया शिक्षा सत्र 1 अप्रैल से शुरू हो गया, लेकिन आरटीई के तहत पहली कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया धीमी है। 38,438 आवेदनों में से अब तक केवल 23,766 (62%) की ही जांच पूरी हुई है, जबकि 16 हजार से अधिक आवेदन लंबित हैं। कई जिलों में 10% से भी कम जांच हो पाई है। डीपीआई ने पंजीयन और नोडल वेरीफिकेशन के लिए 16 फरवरी से 31 मार्च तक समय तय किया था, लेकिन डेडलाइन के बाद भी प्रक्रिया अधूरी है। माना जा रहा है कि नोडल प्राचार्यों स्तर पर धीमी जांच इसकी मुख्य वजह है, जिससे आगे की प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। अधिकांश जिलों में लंबित आवेदनों का नोडल वेरीफिकेशन ही समय पर नहीं हो पा रहा है। इसके साथ ही कुछ जिलों में अधिक तो कुछ जिलों में सीटों के मुकाबले कम आवेदन आए हैं। इधर नोडल वेरीफिकेशन के बाद 13-17 अप्रैल के बीच लॉटरी से स्कूल आवंटन होना है लेकिन जांच और तैयारियां अधूरी रहीं तो एडमिशन शेड्यूल बढ़ सकता है।

क्या है मामला....

को मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत के प्रभार से हटाते हुए उन्हें कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, गौरेला में पदस्थ करने का आदेश जारी किया गया। उक्त आदेश से क्षुब्ध होकर श्रीमती शुभा द्वारा हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं ऋषभदेव साहू के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कलेक्टर के आदेश को चुनौती दी गई।

शासन की अनुमति ....

(सीईओ) जनपद पंचायत, गौरेला के पद पर पदस्थ करने का आदेश जारी किया गया।

होर्मुज से पार ....

और कुछ खास बात कही। उन्होंने कहा कि भारत और खासकर गुजरात का ईरान के दिल में एक खास जगह है। यह बात उन्होंने 4000 साल पुराने रिश्ते की याद दिलाते हुए कही। गुजरात में लोथल नाम की एक पुरानी बंदरगाह थी जो सिंधु घाटी सभ्यता के समय ईरान के समुद्री किनारे से जुड़ी थी।

अशरफी नए शहर ....

है, अब वक्फ बोर्ड उनके खिलाफ एफआईआर कराने की तैयारी में है। विधिक सलाह लेने के बाद एफआईआर कराई जाएगी। काजी अभी फरार है।

शहर काजी आरिफ अली फारुकी पर शोषण के आरोप के बाद उसको पद से हटा दिया गया है। वक्फ बोर्ड ने उसका दफ्तर भी सील कर दिया है। अब नए काजी को लेकर शहर के मौलानाओं ने एक मत से फैसला किया है कि बैरनबाजार मस्जिद के इमाम मो. इमरान अशरफी नए शहर काजी होंगे। श्री इमरान ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया, वे 37 साल से बैरनबाजार मस्जिद में इमाम का काम कर रहे हैं। उन्होंने जहां उर्दू में एमए किया है, वहीं वे यूनानी डॉक्टर भी हैं। उन्होंने कहा जिस भरोसे के साथ मुझे शहर काजी बनाया जा रहा है, उस भरोसे पर में खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। **नए काजी का सम्मान** : मो. इमरान अशरफी को नया शहर काजी बनाए जाने के प्रस्ताव के बाद शनिवार की शाम को बैरनबाजार मस्जिद में नमाज के बाद उनका स्वागत और सम्मान किया गया। उनको समाज के लोगों ने नई जिम्मेदारी के लिए मुबारकवाद देते हुए आशा जताई उनकी अगुवाई में समाज में अच्छे काम होंगे।

पुराने काजी के ....

तरफ से एफआईआर कराएगा ताकि काजी को उप्र से पुलिस लेकर यहां आए और सारे मामले में उससे पूछताछ करे। ऐसी शर्मनाक हरकत करने वाले को कताई बख्शा नहीं जाएगा। उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

सीडीएस जनरल चौहान ....

ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए ईरान-अमेरिका युद्ध की आड़ में भारत के खिलाफ कोई षड्यंत्र रचने की स्थिति में नई दिल्ली द्वारा करारा जवाब दिए जाने का ऐलान किया है। वहीं, दूसरी घटना में शनिवार को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने उत्तरी-कश्मीर में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) सहित सेना की 15वीं कोर के रणनीतिक इलाकों का दौरा कर वहां बने हुए सुरक्षा हालात का विस्तृत रूप से जायजा लिया है। जिसकी जानकारी एक बयान के जरिए रक्षा मंत्रालय ने दी है। यहां बता दें कि चिनार कोर मुख्य रूप से पाकिस्तान के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली सेना की उत्तरी कमांड (15वीं कोर) का एक महत्वपूर्ण अंग है।

चुनाव आयोग जैसी ....

इससे लोकतंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहती है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस नागरत्ना ने कहा, चुनाव केवल समय-समय पर होने वाली घटनाएं नहीं हैं। वे एक ऐसा तंत्र हैं, जिसके माध्यम से राजनीतिक सत्ता का गठन होता है। हमारे संवैधानिक लोकतंत्र ने यह भली-भांति सिद्ध किया है कि समय पर चुनाव होने के कारण सरकार में परिवर्तन सुचारू रूप से होते हैं। इस प्रक्रिया पर नियंत्रण का अर्थ, वास्तव में, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की शर्तों पर ही नियंत्रण है। जस्टिस बीवी नागरत्ना पटना के चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में अधिकारों से परे संविधानवाद : संरचना क्यों मायने रखती है, के विषय पर डॉ राजेंद्र प्रसाद स्मारक व्याख्यान दे रही थीं।

पेज एक के शेष

उड़ नहीं पा रही क्षेत्रीय उड़ान ....

अलायंस एयर लाइंस कंपनी ने रायपुर के साथ जगदलपुर और अंबिकापुर को नए शहरों से हवाई कनेक्टिविटी दी। योजना के तहत यात्रियों को फिक्स फेयर में उड़ान सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके बावजूद इन फ्लाइटों में यात्रियों की पुअर स्थिति है। 31 मार्च से तीन शहर रायपुर-जगदलपुर हैदराबाद को जोड़ने वाली 72 सीटर फ्लाइट को पर्याप्त यात्री नहीं मिल पाए थे। दो बार संचालित हुई इस फ्लाइट में तीन शहरों के बीच सर्वाधिक 22 यात्रियों ने सफर किया था। सप्ताह में तीसरे दिन यानी शनिवार को पूर्व घोषित शेड्यूल के मुताबिक इसका संचालन नहीं किया गया। इसी तरह अंबिकापुर से कोलकाता को जोड़ने वाली फ्लाइट 2 अप्रैल गुरुवार से शुरू हुई। इस फ्लाइट में भी पहले दिन केवल तीन और दूसरे दिन यानी आज शनिवार को 9 यात्री मिले। जानकार सूत्रों का कहना है कि इन शहरों की तरह रायपुर-रीवा को जोड़ने वाली उड़ान का हाल भी कुछ अच्छा नहीं है। इस फ्लाइट में भी यात्रियों की सर्वाधिक संख्या 20 से ऊपर नहीं गई है।

गावों की गलियां, पगडंडी-मुख्य ...

व पशुओं को उठाना पड़ चुका है जिसमें सैकड़ों सुरक्षाकर्मी व आम नागरिकों की मौत हो चुकी है। बस्तर रेंज में माओवादी संगठन द्वारा लगाए गए आईईडी वर्तमान में भी सुरक्षा बलों, आम नागरिकों तथा क्षेत्र के पशुओं के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। 35 वर्षों में 1289 विस्फोट, 527 शहीद, 161 नागरिकों की मौत: 1991 से 31 मार्च 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में कुल 1289 आईईडी विस्फोट की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन विस्फोटों का उद्देश्य सुरक्षा बलों की गतिविधियों को बाधित करना, आम जनता में भय का वातावरण बनाना तथा क्षेत्र के विकास कार्यों को रोकना रहा है। इन आईईडी विस्फोटों के कारण सुरक्षा बलों को भारी क्षति उठानी पड़ी है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में 527 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए तथा 930 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। इसके अलावा आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से 161 नागरिकों की मृत्यु हुई और 254 नागरिक घायल हुए हैं। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि माओवादी हिंसा का गंभीर दुष्प्रभाव आम नागरिकों और सुरक्षा बलों दोनों पर पड़ा है। आईईडी का प्रयोग अक्सर सड़कों, पगडंडियों, खेतों और जंगलों में किया जाता है, जिससे न केवल सुरक्षाबलों बल्कि ग्रामीणों की दैनिक गतिविधियां भी गंभीर रूप से प्रभावित होती हैं।

जंगल में महुआ बीनने गई ...

चिनिया, सहित 5-6 अन्य गावों के आसपास विचरण कर रहा है। वन विभाग द्वारा हाथियों के मौजूदगी को देखते हुए लोगों को जंगल में नहीं जाने की समझाइश दी गई थी लेकिन सूचना के बाद भी शनिवार की सुबह एक बच्ची जंगल में महुआ बीनने चली गई थी, बताया जा रहा है कि जंगल में महुआ बीनते समय 14 वर्षीया बच्ची का सामना हाथियों के दल से हो गया। दल में शामिल हाथियों ने बच्ची को उठाकर पटक दिया जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं एक अन्य व्यक्ति ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। मृतका की पहचान ग्राम बरदरिया निवासी 14 वर्षीया पिंकी कुमारी आ. बंबईया के रूप में की गई है। मृतका पिंकी कुमारी घूमने के लिए अपने रिश्तेदार के घर ग्राम चिनिया आई हुई थी। अंदाजा लगाया जा रहा है कि बच्ची को हाथी के मौजूदगी की जानकारी नहीं थी और वह जंगल में महुआ बीनने के लिए चली गई। भाग कर जान बचाने वाले व्यक्ति ने ग्रामीणों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे इसके साथ ही वन विभाग की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। वन विभाग में बच्ची की लाश को बरामद करने के साथ ही उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पीएम उपरांत बच्ची की लाश को परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है इसके साथ ही वन विभाग की ओर से मृतका के परिजन को 25 हजार की सहायता राशि प्रदान की गई है।

झारखंड में ले चुका है दो की जान : बताया जा रहा है कि रामचंद्रपुर क्षेत्र में बालिका को मौत के घाट उतारने वाला हाथियों का दल काफी आक्रामक है। इसी दल ने झारखण्ड में भी दो लोगों की जान ली है और अब यह दल पिछले तीन चार दिनों से क्षेत्र में भ्रमण कर रहा है। हाथियों के मौजूदगी और अब एक की मौत के बाद लोगों में दहशत का माहौल है। वन विभाग का दावा है कि उनकी टीम लगातार हाथियों के दल पर नजर रख रही है और ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर भेजने के साथ ही जंगल में नहीं जाने की सलाह दी गई है। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जंगल क्षेत्रों में हाथियों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए सुरक्षा के ठोस इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

महुआ बीनने जा रहे लोग : इन दिनों जंगल में बड़ी संख्या में ग्रामीण महुआ बिनने के लिए जा रहे है। ग्रामीण सुबह से जंगल में महुआ एकत्रित करने में व्यस्त हो जाते है ऐसे में हाथियों की मौजूदगी से गामीणों के आमदनी का एक प्रमुख जरिया प्रभावित हो रहा है। हालांकि वन विभाग द्वारा कहा गया है कि जिन क्षेत्रों में हाथियों की मौजूदगी है वहां लोग महुआ बीनने नहीं जाए।

राघव बोले-क्योंकि मैं घायल हूं...

घायल हूं इसलिए घातक हूं। चड्ढा की यह प्रतिक्रिया आप द्वारा उन पर किए गए तीखे हमले के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ संसद में आवाज उठाने से कतराने का आरोप लगाया गया था। राज्यसभा में 'आप' के उपनेता पद से हटाए जाने के एक दिन बाद चड्ढा ने शुक्रवार को कहा था कि मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना। चड्ढा ने इस आरोप को 'सरासर झूठ' बताया कि उन्होंने विपक्षी दलों के साथ बहिर्गमन नहीं किया। उन्होंने अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी ऐसा उदाहरण पेश करें जहां उन्होंने (बहिर्गमन में) भाग नहीं लिया हो। मुख्य निर्वाचन आयुक्त से संबंधित प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने के एक अन्य आरोप का खंडन करते हुए, चड्ढा ने कहा कि किसी भी पार्टी नेता ने औपचारिक या अनौपचारिक रूप से उनसे इस पर हस्ताक्षर करने के लिए नहीं कहा था। चड्ढा ने कहा कि उनकी पार्टी के कई अन्य सांसदों ने भी इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। उन्होंने कहा कि वह जवाब नहीं देना चाहते, लेकिन अगर झूठ को लगातार दोहराया जाए तो वो भी सच लगने लगता है। चड्ढा ने कहा, मुझ पर पहला आरोप यह लगाया गया कि मैंने विपक्ष के साथ बहिर्गमन नहीं किया। यह सरासर झूठ है, और मैं आपको (आम आदमी पार्टी) चुनौती देता हूं कि आप मुझे एक भी उदाहरण, एक भी घटना बताइए, जहां विपक्ष ने बहिर्गमन किया हो और मैंने उनका समर्थन न किया हो। संसद में हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। मुझे फुटेज दिखाइए, सब स्पष्ट हो जाएगा।

अमेरिका के सबसे खतरनाक फाइटर जेट्स को आसमान से कैसे मार गिराया?

एजेंसी ⏭ तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच जंग के 4 अप्रैल को 36 दिन हो चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार ये दावा कर चुके हैं कि ईरान के पास अब न एयरफोर्स बची है और न नेवी, लेकिन वॉर जोन में अमेरिका को हो रहे एक के बाद एक नुकसान कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। ईरान ने शुक्रवार को अमेरिका के एफ-15 फाइटर जेट और ए-10 अटैक एयरक्राफ्ट को मार गिराया। हालांकि, यूएस ने एक पायलट को बचा लिया, जबकि दूसरा अभी भी लापता है।

फाइटर जेट को ईरान ने किया तबाह

वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, एफ-15ई जेट के ढेर होने के बाद पायलट को रेस्क्यू करने के लिए भेजे गए ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर को भी ईरान ने निशाना बनाया। ऐसे में अब दुनियाभर में इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि आखिर ईरान के पास ऐसा कौन सा सीक्रेट वेपन है, जिससे उसने यूएस के फाइटर जेट को तबाह कर दिया। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के तहत संचालित खातम अल-अनबिया मुख्यालय ने बताया कि जंग के 35वें दिन ईरान ने नए एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल किया था।

ईरान ने खोल दिया राज

एडवांस फाइटर जेट को कैसे निशाना बनाया?

आईआरजीसी प्रवक्ता इब्राहिम जुल्फकारी ने कहा, '3 अप्रैल का दिन ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम के लिए गौरव का दिन था। इस दिन हमने दुश्मन के फाइटर जेट, हेलीकॉप्टर पर सटीक हमला किया और उसमें से कई को मार गिराया। यह अमेरिका और उसके साथी के लिए बेइज्जती का ब्लैक फ्राइडे है।' उन्होंने बताया कि आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के नए एयर डिफेंस सिस्टम ने अमेरिकी फाइटर जेट एफ-35के अलावा तीन ड्रोन और दो रडार सिस्टम से बचने वाली क्रूज मिसाइलों को तबाह किया।

अमेरिका का दूसरा प्लेन ए-10 वॉर्थोग फाइटर एयरक्राफ्ट ईरानी हमले का शिकार हुआ, जिसके बाद पायलट ने उसे कुवैत के हवाई क्षेत्र में लाकर खुद को इजेक्ट कर दिया। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि एफ-15E के सर्च और रेस्क्यू की कोशिशों में शामिल दो अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर ईरानी फायरिंग की चपेट में आ गए लेकिन सुरक्षित वापस आ गए।

अमेरिकी पायलट को जिंदा पकड़ने वाले को इनाम

एनबीसी न्यूज ने ईरान के सरकारी चैनल के हवाले से बताया कि ईरानी टेलीविजन रिपोर्टर ने कहा कि जो कोई भी अमेरिकी पायलट को जिंदा पकड़ेगा, उसे एक कीमती इनाम मिलेगा। एक ईरानी गवर्नर ने यह भी वादा किया कि जो कोई भी दुश्मन की सेना को पकड़ेगा या मारेगा, उसकी सराहना की जाएगी। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि वह दक्षिण-पश्चिमी ईरान में उस जगह के पास तलाशी ले रहा है, जहां प्लेन गिरा था। आईआरजीसी प्रवक्ता इब्राहिम जुल्फकारी ने कहा, ईरान अपने युवा साइंटिस्ट की ओर से बनाए गए एडवांस्ड एयर डिफेंस सिस्टम पर निर्भर है। हम लगातार जंग के मैदान में इसे आजमा रहे हैं। हम जल्द ही अपने हवाई क्षेत्र पर पूरी तरह नियंत्रण पा लेंगे और पूरी दुनिया के सामने दुश्मन को कमजोर करेंगे। ईरान के पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद बाकर गालीबाफ ने कहा कि अमेरिका और इजरायल की लड़ाई को शासन बदलने से घटाकर उनके पायलटों की तलाश कर दिया गया है।

2016 में राष्ट्रीय धरोहर घोषित राज कपूर की ऐतिहासिक हवेली का हिस्सा ढहा

एजेंसी ⏭ पेशावर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता राज कपूर की हवेली का एक हिस्सा पेशावर में कथित तौर पर हाल ही में हुई भारी बारिश और उसके बाद शुक्रवार रात आए भूकंप के कारण ढह गया। अधिकारियों एवं स्थानीय निवासियों ने इसकी जानकारी दी।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित सदी पुरानी कपूर हवेली को पाकिस्तान सरकार ने वर्ष 2016 में राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था। खैबर पख्तूनख्वा हेरिटेज काउंसिल के सचिव शकील वहीदुल्लाह ने बताया कि भूकंप के झटकों के बाद हवेली की दीवार का एक हिस्सा ढह गया, जिससे शेष ढांचे की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पेशावर शहर के प्रसिद्ध किस्सा ख्वानी बाजार के मध्य स्थित है यह

पाकिस्तान के प्रमुख स्मारकों में से एक

वहीदुल्लाह ने पुरातत्व विभाग और प्रांतीय सरकार से ऐतिहासिक इमारत के संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की और चेतावनी दी कि लापरवाही जारी रही तो क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को अपूरणीय क्षति हो सकती है। कपूर हवेली पेशावर शहर के प्रसिद्ध किस्सा ख्वानी बाजार के मध्य स्थित है।

इन्होंने किया था निर्माण

इस मकान का निर्माण उनके पिता दीवान बशेश्वरनाथ कपूर ने 1918 से 1922 के बीच कराया था। अभिनेता राज कपूर और त्रिलोक कपूर का जन्म भी इसी हवेली में हुआ था। अपने समय में यह हवेली उत्कृष्ट वास्तुकला का उदाहरण मानी जाती थी, जिसमें लगभग 40 कमरे थे। भवन के अग्रभाग को जटिल पुष्प आकृतियों और झरोखों से सजाया गया था। हालांकि अब यह इमारत बेहद जर्जर अवस्था में है, फिर भी वर्षों से परित्यक्त रहने के बावजूद इसकी सुंदरता अब भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इसी हवेली में राज कपूर के दो छोटे भाई-बहनों का भी जन्म हुआ था, जिनका 1931 में निधन हो गया था। राज कपूर के भाई शम्मी कपूर और शशि कपूर का जन्म भारत में हुआ था। इस इमारत में कपूर परिवार की शुरुआती पीढ़ियों का जीवन बीता, लेकिन विभाजन के बाद परिवार ने 1947 में इस इमारत को छोड़ दिया।

मिडिल ईस्ट जंग के बीच यूएई ने वापस मांगा कर्ज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आर्थिक बदहाली और भारी कर्ज के बोझ तले दबे पाकिस्तान के लिए मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक तरफ मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध ने वैश्विक अस्थिरता बढ़ा दी है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के सबसे करीबी माने जाने वाले मित्र देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपने 3.5 अरब डॉलर के कर्ज तुरंत चुकाने के लिए बोला है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र में पैदा हुए तनावपूर्ण हालातों के बीच यूएई ने अपनी आर्थिक स्थिति को सुरक्षित करने के लिए पाकिस्तान को दिए गए कर्ज को वापस मांगा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार के एक वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री ने पुष्टि की है कि इस्लामाबाद इस पूरे कर्ज को इसी महीने यानी अप्रैल 2026 के अंत तक चुका देगा।

कंगाल पाकिस्तान की बढ़ी मुसीबत! ; 29 साल से नहीं चुकाया था

इस महीने चुकाएगा कर्ज

11 अप्रैल को 450 मिलियन डॉलर वापस किए जाएंगे। यह कर्ज 1996-97 में लिया गया था, जिसे 29 साल बाद चुकाया जा रहा है। इसके बाद 17 अप्रैल को 2 बिलियन डॉलर और 23 अप्रैल 1 बिलियन डॉलर का कर्ज लौटाया जाएगा। इसके अलावा, पाकिस्तान को 8 अप्रैल को 1.3 अरब डॉलर का यूरोबॉन्ड भी चुकाना है। यानी कुल मिलाकर पाकिस्तान को इस महीने लगभग 4.8 अरब डॉलर की भारी-भरकम राशि बाहर भेजनी होगी।

IN THE HON'BLE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR
CAVEAT APPLICATION W.P.(S) NO.   /2026

CAVEATOR Proposed Respondent :- Mission Director, National Health Mission, Chhattisgarh, Through Dr.Ramchandra Thakur, son of Late Shri Lakhan Lal Thakur, aged about 62 years, Chief Medical and Health Officer, North Bastar, Kanker, District kanker, (C.G.).

VERSUS

NON-CAVEATOR Proposed Petitioner :- Public at Large

CAVEAT APPLICATION UNDER SECTION 148-A OF CIVIL PROCEDURE CODE

The caveator /proposed respondent above named respectfully beg to submit as under :-

1. That, the caveator/proposed respondent issued an advertisement for the various contractual post of ANM, Nursing and Lab Technician and other post at District North Bastar, Kanker through Chief Medical and Health Officer, North Bastar, Kanker vide advertisement dated **27.11.2025**, amended advertisement dated 2.12.2025. That in pursuance of the above the written test and skill test is going to be conducted from 11.04.2025. The copy of the advertisement, copy of amended advertisement is filed herewith as Annexure C/1 and copy of notice regarding Skill Test and Written Test dated **30.03.2026**, **1.04.2026** and **2.04.2026** is filed herewith as Annexure C/2.
2. That, the caveator/proposed respondent apprehends that the non caveator/proposed petitioner may file a writ petition challenging the above advertisement dated **27.11.2025**, **2.12.2025** and the notice regarding Skill Test and Written Test.
3. That, the caveator/ proposed respondent has published the above Caveat Notice in the Daily News Paper of Chhattisgarh and a copy of Paper Cutting is marked as Annexure C/2.
4. That, accordingly the caveator/proposed respondent prays that before filing any petition against the advertisement dated **27.11.2025, 2.12.2025** issued by Chief Medical and Health Officer, North Bastar, Kanker, a copy of writ petition may kindly be supply to the proposed caveator and opportunity of hearing may kindly be provided, in the interest of justice.
5. That, the address for notice to the caveator is being given here below for service of advance copy to his counsel.
C.Jayant K.Rao, Advocate
High Court Bar, High Court of Chhattisgarh, Bilaspur
Mobile No. 9827911464

PRAYER

It is, therefore, most humbly prayed that no order what so ever, whether interim or stay be passed without affording an opportunity of being heard to the caveator, in the interest of justice.

Bilaspur:
Dated: **04/04/2026.**

(C.Jayant K.Rao)
Counsel for the Caveator

कार्यालय प्राचार्य एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय दुर्गूकोंदल जिला- उ. ब. कांकेर (छ.ग.)
School code 17438 Affiliation No:- 3320459 Email ID- emrs.durgukondal@gmail.com
स्थापना एवं संचालन वर्ष 2020-21 UDISE CODE- 22142112112 Phone no- 9479183117

क्रमांक 457/EMRS / प्राचार्य / वर्ष 2026-27 दुर्गूकोंदल, दिनांक 04/04/2026

शिक्षण सत्र 2026-27 हेतु
एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय दुर्गूकोंदल में विभिन्न पदों के लिए
चल साक्षात्कार (वाक-इन-इन्टरव्यू)

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय दुर्गूकोंदल में शिक्षण सत्र 2026-27 हेतु शासन द्वारा निर्धारित मानदेय पर वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अस्थायी रूप से विभिन्न पदों के लिए निर्धारित योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों से चल साक्षात्कार (वाक-इन-इन्टरव्यू) के माध्यम से पूर्ति किया जाना है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय दुर्गूकोंदल में रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्रमांक	पद/विषय	संख्या	चल साक्षात्कार (वॉक-इन-इन्टरव्यू) तिथि/ समय एवं स्थान
1.	P.G.T. (ENGLISH)	01	तिथि- 15/04/2026 समय - प्रातः 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक स्थान- EMRS दुर्गूकोंदल (भंडारडिगी)
2.	P.G.T. (CHEMISTRY)	01	
3.	P.G.T. (HISTORY)	01	
4.	P.G.T. (GEOGRAPHY)	01	
5.	P.G.T. (MATHS)	01	तिथि - 16/04/2026 समय - प्रातः 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक स्थान- EMRS दुर्गूकोंदल (भंडारडिगी)
6.	P.G.T. (COMMERCE)	01	
7.	P.G.T. (COMPUTER SCIENCE)	01	
8.	P.G.T. (ECONOMICS)	01	
9.	T.G.T (SOCIAL SCIENCE)	01	तिथि - 17/04/2026 समय - प्रातः 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक स्थान - EMRS दुर्गूकोंदल (भंडारडिगी)
10.	T.G.T (MATHS)	01	
11.	T.G.T (ENGLISH)	01	
12.	Staff Nurse (Female)	01	
13.	COUNSELLOR	01	

टीप - (1) विषय से संबंधित मास्टर डिग्री (2) नियम एवं शर्तों की समस्त जानकारी विद्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

प्राचार्य
सं.ए.आ.आ. वि. दुर्गूकोंदल
जिला- उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

खाई में गिरी पर्यटकों की गाड़ी, चार की मौत

■ बड़ा हादसा, 18 की बची जान

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में नेशनल हाईवे-305 पर शनिवार शाम एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। घीयागी से करीब दो किलोमीटर पीछे सोझा की ओर भ्रागे जान नामक स्थान पर पर्यटकों से भरी एक ट्रैवलर अनियंत्रित होकर गहरी खाई (नाले) में जा गिरी। ताजा जानकारी के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में अब तक चार सैलानियों की मौत हो चुकी है, जबकि दो लोग लापता बताए जा रहे हैं। वहीं 15 पर्यटकों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। सभी घायलों को उपचार के लिए बंजार अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि ट्रैवलर में कुल 22 पर्यटक सवार थे और वाहन जलोड़ी दर्रा से जीभी की ओर जा रहा था। इसी दौरान अचानक वाहन चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और गाड़ी खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। एसडीएम बंजार पंकज शर्मा ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशनमें स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन का सहयोग किया। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। ताजा जानकारी के अनुसार, कुल 22 लोग सवार थे (20 वयस्क और 02 बच्चे)। इनमें से 18 लोगों को बचा लिया गया है और इलाज के लिए सीएच बंजार भेज दिया गया है। दुर्भाग्यवश, मौके पर ही 04 लोगों की मौत की खबर है, जिनमें 02 पुरुष और 02 महिलाएं शामिल हैं।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

शब्द पहेली - 6186

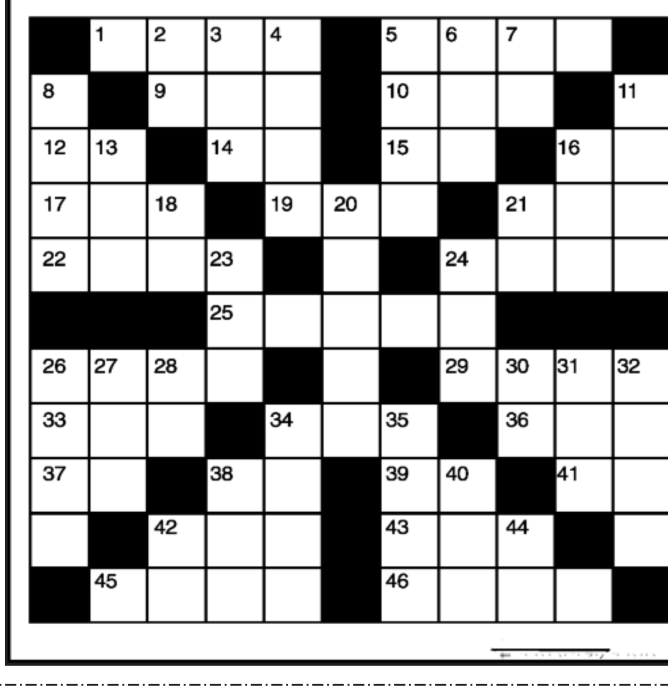

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 6185 का हल

सूडोकु नवताल- 6196

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल- 6195 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

शादी से मना करने पर युवती पर चाकू से हमला

महासमुंद। शादी से मना करने पर नगर के कुम्हारपारा में रहने वाली युवती पर एक युवक ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामले को लेकर युवती की मां पिंकी साहू ने रिपोर्ट लिखाई है कि 2 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे उसे सूचना मिली कि उसकी लड़की को छिपियापारा के रहने वाले अंकित लोहार ने किसी बात को लेकर चाकू मारकर चोट पहुंचाया, जिसे जिला अस्पताल खरोरा में इलाज के लिए ले जाया गया है।

बारिश के बाद रफ्तार पकड़ेगा रेल प्रोजेक्ट, बस्तर को मिलेगी नई पटरी

रावघाट- जगदलपुर रेललाइन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी, निर्माण जल्द होगा शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

लंबे समय से प्रतीक्षित रावघाट-जगदलपुर रेललाइन परियोजना अब जमीन पर उतरने के करीब पहुंच गई है। निर्माण कार्य के लिए निविदाएं जारी कर दी गई हैं और प्रक्रिया अंतिम चरण में है। मानसून के बाद इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम तेज़ी से शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। रेललाइन निर्माण से बस्तर अंचल की कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव आएगा। यह परियोजना लगभग 140 किलोमीटर लंबी है, जिससे न केवल जगदलपुर बल्कि आसपास के दूरस्थ क्षेत्रों को भी सीधा रेल संपर्क मिलेगा। इससे व्यापार, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार,परियोजना में अब तक आई देरी का मुख्य कारण वन स्वीकृति,भूमि अधिग्रहण और तकनीकी प्रक्रियाएं रहीं। हालांकि अब इन बाधाओं को काफी हद तक दूर कर लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण एजेंसियों को कार्य आवंटित कर दिया जाएगा और बरसात खत्म होते ही मशीनें मैदान में उतर जाएंगी। इस रेललाइन के पूर्ण होने से बस्तर क्षेत्र देश के अन्य हिस्सों से बेहतर तरीके से जुड़ सकेगा।

ऐसे बदलेगी बस्तर की तस्वीर

रावघाट-जगदलपुर रेललाइन परियोजना केवल एक परिवहन सुविधा नहीं बल्कि बस्तर के समग्र विकास की आधारशिला साबित हो सकती है,क्योंकि इससे खनिज संसाधनों के परिवहन में आसानी आएगी, स्थानीय उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंच मिलेगी,पर्यटन स्थलों तक पहुंच सरल होगी,युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे,शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच बेहतर होगी और लंबे समय से अलग-थलग पड़े क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में यह रेललाइन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे पूरे अंचल की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में व्यापक सुधार देखने को मिल सकता है।

सांई एप के जरिये चल रहा था ऑनलाइन सट्टे का कारोबार

आईपीएल मैच में लगवा रहे थे दांव, तीन मामले में 8 पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

इन दिनों चल रहे आईपीएल क्रिकेट में सट्टा खेलने-खिलाने की सूचना पर पुलिस टीम ने कृषि फार्म में दबिश दी, जहां हाईटेक व्यवस्था के साथ ऑनलाइन सट्टा का अवैध कारोबार चल रहा था। वहीं अन्य स्थानों पर भी पुलिस ने सट्टा खिलाने के मामले में आरोपियों को पकड़कर कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर की निगरानी में सायबर सेल, थाना घुमका, थाना बसंतपुर एवं थाना लालबाग की विभिन्न टीमों द्वारा आईपीएल क्रिकेट सट्टे पर बड़ी कार्रवाई करते एक साथ विभिन्न टीम चिन्हांकित सटोरियों को पकड़ने के लिए पहुंची।

पुलिस के अनुसार घुमका थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खैरझिटी स्थित कृषि फार्म में हाईटेक व्यवस्था के साथ ऑनलाइन सट्टा का अवैध कारोबार चल रहा था।"सांई ऐप" के जरिये हर बॉल और ओवर पर दांव लगवाया जाता था। आरोपी मोबाइल, लैपटॉप एवं सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे। कोड भाषा में सट्टा लेखन कर हिसाब-किताब रखा जा रहा था। एएसपी कीर्तन राठौर ने पत्रकार वार्ता में बताया कि उक्त स्थल से लैपटॉप मय चार्जर, 9 नग मोबाइल फोन, 1 नग सट्टा लेख कॉपी, 1 नग होंडा सिटी कार, 1 नग प्रोंस कार, नगदी रकम 900 रुपए, सट्टा-पट्टी में दर्ज राशि 7,68,000 रुपए बरामद किया है। कुल जब्ती मूल्य 20,23,950 रुपए है। पुलिस के मुताबिक कार्रवाई में संगठित अपराध का एंगल जोड़ा गया।आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6, 7, 8 भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं धारा 111 (संगठित अपराध) आईटी एक्ट की धारा 66(डी) के तहत अपराध पंजीबद्ध आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

खास बातें

- खैरझिटी स्थित फार्म हाउस में बैठकर व्यापार
- फोन, लैपटॉप सहित कार की गई मामले में जब्त

दूसरे राज्य बने ठिकाना

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर से बड़ी संख्या में क्रिकेट सट्टा पर दांव लगवाने वाले सटोरिए दूसरे राज्यों में पनाह लिए हुए है। बताया गया कि इन लोगों पर भी नजर रखने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। बताया गया कि आने वाले दिनों में क्रिकेट को लेकर कार्रवाई जारी रहेगी। बैंक के लेनदेन पर भी पुलिस अपनी नजर इस मामले को लेकर बनाए हुए है।

थानेवार सूची तैयार

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एसपी अंकिता शर्मा के निर्देश पर जिले के सभी थानेवार क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवाने वाले लोगों की सूची तैयार कर ली गई है। बताया गया कि सभी थानेदारों को निर्देश दिए गए है कि अपने थाना क्षेत्र के सूची में शामिल लोगों पर नजर बनाए रखें। वहीं थाने का जो भी आरक्षक इन लोगों से संपर्क में पाया गया और कार्रवाई नहीं हुई उनपर भी एक्शन लिया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार लगभग 30 लोगों के नाम सूची में दर्ज है। जिनपर पुलिस टीम नजर बनाए हुए है।

सिहावा पहाड़ पर अज्ञात शव मिलने से सनसनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नगरी

क्षेत्र के सिहावा पहाड़ में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक अज्ञात व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में मिलने की खबर सामने आई। प्राकृतिक शांति और सन्नाटे के लिए पहचाने जाने वाले इस क्षेत्र में अचानक हलचल बढ़ गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचने लगे।

जानकारी के अनुसार, कुछ ग्रामीण पहाड़ के एक सुनसान इलाके से गुजर रहे थे, तभी उनकी नजर एक शव पर पड़ी। शव की स्थिति संदिग्ध और भयावह बताई जा रही है, जिससे ग्रामीणों में डर का माहौल बन गया। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना सिहावा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने घटनास्थल को घेरकर साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं दुर्घटना, आत्महत्या और हत्या को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और अन्य थानों से गुमशुदगी की जानकारी भी मंगाई जा रही है। मृत्यु के कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और जल्द ही खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

मेटाडोर से टकराई कार एक युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नगरी

भारतमाला सड़क पर शुक्रवार की रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दुगली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पालगांव निवासी कुछ लोग एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने कांकेर गए थे। कार्यक्रम से लौटते समय उनकी ईको कार तेज रफ्तार में सामने चल रही मेटाडोर वाहन से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ईको कार के परखच्चे उड़ गए और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में पालगांव निवासी युवक फलेंद्र मंडावी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में सवार चालक समेत 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही दुगली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस द्वारा पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। साथ ही हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और असावधानी को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से भारतमाला सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और हादसों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

HMS घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें
94060-21769

2 करोड़ से अधिक का गांजा जब्त महाराष्ट्र-ओडिशा के 7 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले में पुलिस और एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स ने नशे के सौदागरों के खिलाफ दो अलग-अलग बड़ी कार्रवाई की है। इन कार्रवाई में पुलिस ने कुल 2 करोड़ 17 लाख रुपए से अधिक का माल बरामद किया है, जिसमें भारी मात्रा में गांजा और तस्करी में इस्तेमाल लग्जरी गाड़ियां शामिल है। पहली घटना थाना सिंघोड़ा क्षेत्र की है, जहां पुलिस को सूचना मिली थी कि ओडिशा से महाराष्ट्र की ओर दो लग्जरी गाड़ियों में गांजे की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। पुलिस ने एनएच 53 रोड पर रेहटीखोल के पास नाकाबंदी की और एक फॉर्च्यूनर एमएच 12 डब्लु सी 0090 व एक स्कॉर्पियो एमएच 12 वाई एच 0090 को रोका। तलाशी लेने पर गाड़ियों की सीटों के नीचे छिपाई गई बोरियों से 281.900 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जब्त गांजे की कीमत 1 करोड़ 40 लाख 95 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने मौके से महाराष्ट्र निवासी 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में तस्करों ने बताया कि वे यह गांजा ओडिशा के फुलवानी जिले से पुणे (महाराष्ट्र) खपाने के लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने गांजा, दोनों गाड़ियां और 4 मोबाइल फोन समेत कुल 2 करोड़ 6 लाख 45 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की है।

महासमुंद रेलवे स्टेशन के पास से दो गिरफ्तारः दूसरी कार्यवाही महासमुंद शहर में हुई, जहां पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नयापारा रेलवे स्टेशन के पास एक झोपड़ी में दबिश दी। यहां ओडिशा के गंजाम जिले से आए दो युवक बैग में गांजा भरकर ग्राहक की तलाश कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 22 किलो गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत 11 लाख रुपए है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम सत्यबान नायक और बिकास बेहरा हैं।

खेत की रखवाली करने गई बुजुर्ग महिला की लाश मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मगरलोड

मगरलोड ब्लॉक मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर ग्राम झाझरकेरा की नहर नाली में बुजुर्ग महिला की लाश संदिग्ध अवस्था में खून से लथपथ मिली जिससे आसपास के गांव में सनसनी फैल गई।

मिली जानकारी के अनुसार 3 अप्रैल शुक्रवार की शाम को झाझरकेरा निवासी जमुना बाई साहू पति बलराम साहू उम्र लगभग 55 वर्ष कानेकोकोरी खार में लगाई गई गेहूं की फसल की रखवाली करने गई थी। रात तक घर वापस नहीं आई। 4 अप्रैल शनिवार की सुबह उसकी लाश उनके खेत से पास से गुजरी नहर नाली में खून से लथपथ लाश मिली थी। गांव में यह चर्चा है कि किसी जंगली जानवर ने महिला को अपना शिकार बनाया होगा। क्योंकि खेत से ज्यादा दूर जंगल नहीं है। घटना की जानकारी वन विभाग को दी ई।

सूचना मिलते ही मोहंदी रेंजर पंचराम साहू, डिप्टी रेंजर डोमार साहू, वनरक्षक गौतम निषाद, चौकीदार पहुंचे। घटना की बारीकी जांच की गई कि मृतिका के शरीर में किसी जंगली जानवर का निशान है कि नहीं। घटना को संदिग्ध देखते हुए पुलिस थाने को सूचना दी गई। मौके पर थाना प्रभारी प्रमोद अमलतास, हवलदार जैतराम जोगी, आरक्षक किशन सोनकर पहुंचे। शव को अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया गया। पुलिस व वन विभाग की टीम महिला की मौत कैसे हुई होगी, इसकी हर एंगल पर जांच कर रही है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल
(महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं • 24x7 डिलीवरी • शिशु रोग • दूरबीन द्वारा ऑपरेशन • सोनोग्राफी • बांझपन का इलाज • खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • कैमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑंकोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

पाइल्स
क्षारकर्मा (लेप विधि) विशेषज्ञ
(ना कोई सुई, ना भर्ती 2 घंटे के बाद डिस्चार्ज)
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
13000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

वैरिकोज वेन्स & VASCULAR clinic
वैरिकोज वेन्स & वैस्कुलर क्लिनिक
डॉ. प्रशांत पोटे MD DNB FVIR Interventional Radiologist
• वैरिकोज वेन्स • पैर का अल्सर • डीवीटी • फाइब्रॉइड • थायरॉइड/गॉइटर
पता- 309, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर, मोबाईल : 7400628099

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

सनराइजर्स के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों की परीक्षा

एलएसजी का अभियान नहीं रहा अच्छा

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को आईपीएल में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। सनराइजर्स की टीम ने अपने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराया था, जिससे वह अपने घरेलू मैदान पर सत्र के पहले मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे कि एलएसजी के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। सनराइजर्स को यहां की परिस्थितियां पसंद हैं और इसलिए वह मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

एलएसजी की टीम पिछले कुछ वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रही है। इस बार भी उसका अभियान अच्छा नहीं रहा है। जस्टिन लैंगर की कोचिंग वाली टीम में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम, कप्तान ऋषभ पंत और विस्फोटक निकोलस पूरन जैसे दमदार बल्लेबाज शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम आईपीएल के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान इकाना में 141 रन पर आउट हो गई, जिससे टीम की कई गंभीर समस्याएं उजागर हुईं। टीम के लिए बल्लेबाजी क्रम में रणनीतिक फेरबदल भी काम नहीं आया।

सनराइजर्स ने की लय हासिल

जहां तक सनराइजर्स की बात है तो उसने अपने पहले मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली हार के बाद लय हासिल कर ली है। केकेआर के खिलाफ उसकी बल्लेबाजी इकाई ने शानदार प्रदर्शन किया। ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की फॉर्म में वापसी उसके लिए अच्छे संकेत हैं। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कप्तानी कर रहे ईशान किशन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि हेनरिक क्लासेन का अनुभव उसके मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करता है।

दूसरी जीत की तलाश में आरसीबी, सीएसके के लिए बॉलिंग चुनौती

आज शाम 7.30 बजे से दोनों टीमों में मुकाबला

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने के बाद पर्याप्त आराम पाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार दूसरी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। सीएसके के लिए संजू सैमसन की फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का कमजोर होना चिंता का विषय है।

आरसीबी की टीम 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी तरह से आराम कर चुकी है और वह तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। मानसिक और शारीरिक ताजगी के अलावा आरसीबी अब अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहीं बेहतर टीम नजर आ रही है।

सीएसके के गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत

जहां तक सीएसके का सवाल है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने पहले दो मैचों में 30.5 ओवर में सिर्फ सात विकेट लेकर 338 रन लुटा दिए। उसके स्पिनर नूर अहमद और राहुल चाहर शुक्रवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ बुरी तरह फ्लॉप रहे। चेपॉक में ओस का नामोनिशान नहीं होने के बावजूद दोनों ने मिलकर आठ ओवरों में 84 रन लुटाए। तेज गेंदबाज मैट हेनरी, खलील अहमद और अंशुल कंबोज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

आरसीबी ने किया गेंदबाजी में सुधार

आरसीबी ने अपनी गेंदबाजी में बहुत ज्यादा सुधार किया है। कभी उसकी गेंदबाजी को कमजोर माना जाता था लेकिन उसने कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शामिल करके इसे पूरी तरह से बदल दिया है। आरसीबी को जोश हेज़लवुड की अनुपस्थिति से काफी नुकसान होने की उम्मीद थी, लेकिन जैकब डफी ने सहजता से उनकी जगह ली और तीन विकेट लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया।आरसीबी की टीम इस मैच के लिए अभिनंदन सिंह की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव को टीम में शामिल करने पर भी विचार कर सकती है।

खबर संक्षेप

प्रणवी और अवनी ने कट में बनाई जगह

लास वेगास। भारत की शीर्ष खिलाड़ी अदिति अशोक ने अरामको गोल्फ चैंपियनशिप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा जबकि प्रणवी उर्स और अवनी प्रशांत ने भी कट में जगह बनाई। हीरो महिला इंडियन ओपन सहित पांच बार की एलईटी विजेता अदिति ने दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर लीडरबोर्ड में शीर्ष 15 में जगह बनाई। पहले दौर में उन्होंने 73 का स्कोर बनाया था। कट हासिल करने वाली अन्य दो भारतीय खिलाड़ी प्रणवी (76-75) और अवनी (75-76) हैं। यह दोनों सात ओवर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 59वें स्थान पर हैं।

इंटरनेशनल सीरीज : कोचर शीर्ष पांच में बरकरार

चीबा। भारतीय गोल्फर करणदीप कोचर ने इंटरनेशनल सीरीज जापान के तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला,

जिससे वह खिसककर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए। पहले दो दिन कोचर ने बोगी मुक्त 67 और 65 के कार्ड खेले थे। तीसरे दिन हवा भरे दिन में वह पांच बोगी कर बैठे और तीन बर्डी ही लगा सके। अब वह आठ अंडर के स्कोर से संयुक्त चौथे स्थान पर हैं जबकि दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए थे।

युवा भारतीय बल्लेबाज विशेष प्रतिभा के धनी: पोंटिंग

चेन्नई। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम में शामिल भारतीय खिलाड़ियों को विशेष प्रतिभा का धनी करार देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य इन खिलाड़ियों को लेकर टीम को नए सिरे से तैयार करना था। पोंटिंग ने कहा, ' हमारे युवा भारतीय खिलाड़ी विशेषकर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विशेष प्रतिभा के धनी हैं। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के कुछ खिलाड़ियों को लेकर टीम तैयार करने के लिए नीलामी (2024) से पहले हमारी स्पष्ट रणनीति थी कि हम इस पूरी टीम को नए सिरे से तैयार करेंगे, एक फ्रेंचाइजी के रूप में बदलाव लाएंगे और अलग पहचान बनाएंगे।'

पंजाब के कप्तान अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना

चेन्नई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पिछली बार के उपविजेता पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आईपीएल के अनुसार, 'पंजाब किंग्स का न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत इस सत्र का यह दूसरा अपराध था, इसलिए अय्यर पर 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।' इसमें कहा गया है, 'इंपैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल खिलाड़ियों पर छह लाख रुपए या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से, जो भी कम हो,का जुर्माना लगाया गया।'

आईपीएल : रोमांचक मुकाबले में आरआर ने गुजरात टाइटंस को 6 रन से हराया

गुजरात के जबड़े से जीत छीन ले गए रॉयल्स देशपांडे का तूफानी स्पेल बना गेमचेंजर

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

तुषार देशपांडे के सटीक आखिरी ओवर की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के बेहद रोमांचक मुकाबले में शनिवार को गुजरात टाइटंस को 6 रन से हरा दिया। रॉयल्स की यह लगातार दूसरी जीत और गुजरात की लगातार दूसरी हार थी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉयल्स ने ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल के अर्धशतकों के दम पर छह विकेट पर 210 रन बनाए थे लेकिन साइ सुदर्शन की 73 रन की पारी के बावजूद गुजरात की टीम 8 विकेट पर 204 रन ही बना सकी। एक समय 7 विकेट 161 रन पर गिर गए थे लेकिन कैगिसो रबाडा (नाबाद 23) और कार्यवाहक कप्तान राशिद खान (24) टीम को जीत के करीब ले गए और आखिरी ओवर में दस रन की ही जरूरत थी। ऐसे में रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने नांद्रे बर्गर की बजाय तुषार देशपांडे को गेंद सौंपकर सभी को चौंका दिया। गेंदबाज ने हालांकि अपने कप्तान के भरोसे पर खरे उतरते हुए पहली वाइड गेंद के अलावा सभी सटीक गेंदें डाली। इस ओवर में 4 रन ही बन सके और छक्का लगाने के प्रयास में राशिद सीमारेखा के पास जोफ्रा आर्चर को कैच दे बैठे।

गिल नहीं उतरे मैदान में

मांसपेशी में ऐंठन के कारण इस मैच से बाहर शुभमन गिल की जगह खेलने वाले कुमार कुशाग्र ने 14 गेंद में 18 रन बनाए। उन्होंने सुदर्शन (44 गेंद में 73 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़े। सुदर्शन ने अपनी पारी में 3 छक्के और 9 चौके लगाए। गुजरात का स्कोर सुदर्शन के आउट होने से पहले एक विकेट पर 107 रन था लेकिन अचानक पांच विकेट पर 133 रन और सात विकेट पर 161 रन हो गया। राशिद और रबाडा ने हालांकि वापसी की कोशिश की लेकिन आखिरी ओवर में बाजी पलट गई।

अशोक शर्मा ने फेंकी सीजन की सबसे तेज गेंद

आईपीएल 2026 के 9वें मैच में गुजरात टाइटंस के गेंदबाज अशोक शर्मा ने सबसे तेज गेंद फेंकते हुए एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्होंने एनरिक नॉर्खिया को पीछे छोड़ते हुए 154.2 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी। यह इस सीजन की सबसे तेज गेंद है। इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए नॉर्खिया ने 150.9 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। आईपीएल में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड शॉन टेट के नाम है। उन्होंने 157.71 की रफ्तार से गेंद 2011 में फेंकी थी। 15 साल से उनका यह रिकॉर्ड अभी तक टूटा नहीं है। वहीं भारतीयों की बात करें तो उमरान मलिक के नाम 157.00 की रफ्तार से गेंद फेंकने का रिकॉर्ड 2022 में दर्ज हुआ था।

जुरेल और जायसवाल ने खेली शानदार पारी

इससे पहले जुरेल के 42 गेंद में 75 रन और जायसवाल के अर्धशतक की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने 6 विकेट पर 210 रन बनाए। जायसवाल ने 36 गेंद में 55 रन बनाए जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 18 गेंद में 31 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 6.2 ओवर में 70 रन बना डाले। जुरेल ने तीसरे नंबर पर उम्दा बल्लेबाजी करते हुए 150 से ऊपर की स्ट्राइक रेट के बावजूद बेहतरीन शॉट्स खेले। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाए।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
जायसवाल बो रबाडा	55	36	6	3
सूर्यवंशी का फिलिप्स बो राशिद	31	18	5	1
जुरेल का बटलर बो सिराज	75	42	5	5
पराग का कुशाग्र बो प्रसिद्ध	8	4	0	1
हेटमायेर का सिराज बो शर्मा	18	8	1	2
फरेरा का फिलिप्स बो रबाडा	1	3	0	0
जडेजा नाबाद	7	7	1	0
आर्चर नाबाद	1	2	0	0

अतिरिक्त : 14 रन, योग : 20 ओवर में 210/6 रन
विकेट पतन : 1-70 , 2-126 , 3-135 , 4-165 , 5-166 , 6-205
गेंदबाजी : सिराज 4-0-48-1, रबाडा 4-0-42-2, शर्मा 4-0-37-1, प्रसिद्ध 4-0-43-1, राशिद 4-0-39-1

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का देशपांडे बो बिश्नोई	73	44	9	3
कुशाग्र का हेटमायेर बो पराग	18	14	3	0
जोस बटलर का संदीप बो बर्गर	26	14	5	0
फिलिप्स का आर्चर बो बिश्नोई	3	4	0	0
सुंदर का जडेजा बो बिश्नोई	4	2	1	0
तेवतिया का जुरेल बो बिश्नोई	12	6	1	1
शाहरुख खान रन आउट	11	4	1	1
राशिद का आर्चर बो देशपांडे	24	18	3	0
कैगिसो रबाडा नाबाद	23	16	1	2
अशोक शर्मा नाबाद	0	1	0	0

अतिरिक्त : 10 रन, योग : 20 ओवर में 204/8 रन
गेंदबाजी: आर्चर 4-0-38-0, बर्गर 3-0-29-1, शर्मा 3-0-34-0, देशपांडे 3-0-24-1, जडेजा 2-0-25-0, पराग 1-0-11-1, बिश्नोई 4-0-41-4

दिल्ली की लगातार दूसरी जीत, रिजवी के तूफान के आगे मुंबई इंडियंस पस्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल के मौजूदा सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मुंबई इंडियंस को अपने घर में पटखनी दे दी है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 162 रनों का सम्मानजनक स्कोर बनाया था, जिसे दिल्ली ने 18.2 ओवरों में ही 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। दिल्ली की जीत के सबसे बड़े नायक समीर रिजवी रहे। रिजवी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से मुंबई के गेंदबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। रिजवी ने मात्र 51 गेंदों में 90 रन बनाए, जिसमें 7 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके शामिल थे। उन्होंने डेविड मिलर के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 78 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। यह रिजवी का इस आईपीएल सीजन का तीसरा और लगातार दूसरा अर्धशतक है, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म और सकारात्मक खेल शैली को दर्शाता है।

रोहित ने हासिल की बड़ी उपलब्धि : आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पहले दो पोजीशन पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने आईपीएल में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 50 से अधिक छक्के लगाए हैं। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 61 और कोलकाता के खिलाफ 54 छक्के लगाए हैं। वहीं उसके बाद रोहित शर्मा का नाम है, उन्होंने दिल्ली के खिलाफ 51 छक्के लगाए हैं। इसके बाद लिस्ट में एमएस धोनी का नाम है, उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका से जीती वनडे सीरीज, मैडी ने लगाया शतक

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

मैडी ग्रीन के करियर के तीसरे शतक और तेज गेंदबाज रोजमैरी मायर के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 66 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 2-1 से जीती। ग्रीन ने 128 गेंद पर नाबाद 141 रन बनाए, जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। अपनी पारी में 15 चौके लगाने वाली ग्रीन ने ब्रूक हालीडे (124 गेंद पर 98 रन, 13 चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए रिकॉर्ड 211 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को शुरुआती झटकों से उबारा। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने तीन रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन ग्रीन और हालीडे की पारियों की मदद से वह सात विकेट पर 306 रन का मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रहा।

दक्षिण अफ्रीकी टीम 240 रन पर आउट

इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 46.1 ओवर में 240 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से कप्तान लॉरा वूलफार्ट (68 गेंदों पर 69 रन) और अनेरी ड्रैकसन (52 गेंदों पर 47 रन) ही कुछ योगदान दे पाई। न्यूजीलैंड की तरफ से मायर ने 50 रन देकर पांच विकेट लिए, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एमिलिया केर ने 37 रन देकर दो विकेट हासिल किए। दक्षिण अफ्रीका ने पहला मैच दो विकेट से जीता था जबकि न्यूजीलैंड ने दूसरा वनडे दो विकेट से जीतकर वापसी की थी। न्यूजीलैंड ने इससे पहले इन दोनों टीम के बीच पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 4-1 से जीती थी।

पीएसजी ने टूलूज को हराया लीग 1 में की बढ़त मजबूत

एजेंसी ▶▶| पेरिस

ओस्मान डेम्बेले ने पहले हाफ में दो गोल किए, जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने टूलूज़ को 3-1 से हराकर फ्रांस की लीग 1 फुटबॉल प्रतियोगिता में अपनी बढ़त मजबूत कर ली। यह मैच तय कार्यक्रम से पहले इसलिए खेला गया ताकि पीएसजी को अगले बुधवार को पार्क डेस प्रिंसेस में लिवरपूल के खिलाफ होने वाले चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल से पहले रिकवरी का अधिक समय मिल सके। पीएसजी ने अपने

पिछले तीन मैचों में 12 गोल किए थे। डेम्बेले ने 23वें मिनट में पहला गोल किया। हालांकि इसके चार मिनट बाद रासमुस निकोलाइसेन ने रिबाउंड पर हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हाफ टाइम से 12 मिनट पहले डेम्बेले ने पीएसजी को फिर से बढ़त दिला दी। पीएसजी के लिए स्थानापन्न खिलाड़ी गोंकालो रामोस ने स्टॉपेज टाइम में तीसरा गोल किया। इस जीत से पीएसजी के 27 मैच में 63 अंक हो गए हैं जबकि दूसरे नंबर पर काबिज लेंस के 27 मैच में 59 अंक हैं।

अगस्टिन ने शेल्टन पर की जोरदार जीत हासिल

एजेंसी ▶▶| ह्यूस्टन

अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन टिरांटे ने ह्यूस्टन में यूएस पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में टॉप सीड बेन शेल्टन को हरा दिया। थियागो ने पहले सेट में हारने के बाद शेल्टन पर जीत दर्ज की। टिरांटे ने पहला सेट 7-6 (5) से हारने के बाद जोरदार वापसी की और मैच पर नियंत्रण स्थापित किया और अगले दो सेट 6-3, 6-4 से जीत लिए। अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने सर्व में परफेक्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने शांत और अच्छे प्रदर्शन के साथ अपने सभी 16 सर्विस गेम अपने नाम किए। शेल्टन के लिए हार मुश्किल दौर की तरह है। फरवरी में डलास ओपन में

टेलर फ्रिट्ज के खिलाफ टाइटल जीतने के बाद से वह राउंड ऑफ 16 से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। ह्यूस्टन में हुए दूसरे मैचों में, अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा ने तीसरी सीड लर्नर टिएन को 7-5, 6-4 से हराया, जबकि टॉमी पॉल ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-4, 6-2 से हराकर आगे बढ़े।

भारत ने सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया

18 साल की पायल ने शीतल को हराकर किया उलटफेर

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा चुकी युवा तीरंदाज पायल नाग ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में बड़ा उलटफेर करते हुए हमवतन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक जीता और भारत के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की, जिसमें देश ने कुल सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया।

18 साल की उभरती हुई तीरंदाज पायल ने कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में 139-136 से जीत हासिल की। भारत के लिए अभियान यादगार रहा, जिसमें देश ने पांच रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 16 पदक जीते।

बैंकॉक पैरा तीरंदाजी में शीर्ष पर भारत

पायल की शीतल पर दूसरी जीत

पायल की यह एक साल से थोड़े ज्यादा समय में शीतल पर दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने जनवरी 2025 में जयपुर में हुए पैरा राष्ट्रीय खेलों में भी शीतल को हराया था। दुबई 2025 एशियाई युवा पैरा खेलों में पदार्पण करने के बाद पायल अपने दूसरे ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने दबाव के बावजूद जबरदस्त संयम दिखाते हुए अपने से ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी को मात दी। पायल ने एक परफेक्ट '10' के साथ शुरुआत की और पहला दौर 27-25 से अपने नाम किया। इसके बाद शीतल ने वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। दूसरे दौर के बाद स्कोर 54-54 से बराबर था। तीसरे दौर में पायल ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा करते हुए दो बार '9' और एक बार '10' का निशाना लगाते हुए 82-80 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने आखिरी दौर में दो बार '10' का सटीक निशाना लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रवासी मजदूर की बेटी हैं पायल

शीतल के बचपन के कोच कुलदीप वेदवान से प्रशिक्षण लेने वाली पायल की अब तक की यात्रा किसी चमत्कार से कम नहीं रही है। ओडिशा के बोलांगीर जिले के एक प्रवासी मजदूर की बेटी पायल ने 2015 में ईंट-भट्ठे पर बिजली के एक नंगे तार के संपर्क में आने के बाद अपने दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा दिए थे। उन्होंने 2023-24 के दौरान कटरा स्थित माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड खेल परिसर में शीतल के साथ ही ट्रेनिंग की थी। इसके बाद शीतल सोनीपत चली गई थीं। बिना हाथों वाली शीतल भारत की सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली पैरा तीरंदाज बन गई हैं।

छ.ग. राज्य बाल कल्याण परिषद् एवं परिषद् द्वारा संचालित
वाणी-वाचन, श्रवण एवं बहु प्रशिक्षण पुनर्वास केन्द्र
(शिक्षा का मंदिर स्कूल माधव राव सप्रे शाला परिसर, बूढ़ापारा रायपुर)

S. No.	Post	Candidate Male	Candidate Female	Essential Qualification
01	Supretendent	01	01	MSW/M.A. Sociology, M.A. Psychology&maximum 2 to 5 Years Experience & PGDCA
02	Accountant cum Data Entry Operator/ Office Work	01 01	01 01	B.com & PGDCA Tally Minimum 2 year Experience B.com & DCA/ PGDCA
03	Recepnist	01	01	Graduation & DCA/PGDCA
04	Speech Therapist	01	01	DHLS/Paramedical Speech Therapy/Speech Language & Hearing Course Approved by RCI
05	Special Educator	04	04	B.EdSpl ID/LD D.EdSpl Ed. IDD/MR course Approved by RCI
06	Staff Nurse	01	01	ANM & GNM Minimum Experience 2 years
07	Care Taker & Aya	02	02	8th Class Pass
08	Guard	02		8th Class Pass
09	Audio Logist	01 Male/Female		BSLP
10	Case Worker	01 Male/Female		MSW, Sociology
11	Physiotherapist	01 Male/Female		BPT

शर्ते- अ.आयु तथा शर्ते परिषद् के नियमानुसार पदों कि संख्या बढ़ाई या घटाई जा सकती है।
ब.आवेदन सादे पेपर में तैयार कर स्वयं या स्पीड पोस्ट के माध्यम से दिनांक 18 अप्रैल 2026, संध्या 04 बजे तक निम्न पते पर जमा कर सकते हैं।
स.उम्मीदवार अपना मोबाइल नंबर एवं ईमेल पता आवेदन पर अवश्य लिखे।
द. वेतन योग्यतानुसार।
न. बंद लिफाफे के ऊपर पोस्ट का विवरण लिखना आवश्यक है।
टीप:- साक्षात्कार तिथि 25 अप्रैल 2026
पता:- माधव राव सप्रे शाला परिसर, बिजली ऑफिस के पास, बूढ़ापारा रायपुर (छ.ग.)
कार्यालय दूरभाष नं. 9174888001, 9174888005, 91748-88015, 0771-2235211
ईमेल-cgsccwel@gmail.com
महासचिव
"छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद्"

कठिन समस्याएं अब न होंगी
क्यूंकि सच्ची सहेली में हैं 67 खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।
24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in
67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स
Helps in:
कठिन दर्द
चिड़चिड़ापन
थकान
कमज़ोरी
कमर कटना
इम्यूनिटी
सच्ची सहेली

अंतरिक्ष से ऐसी दिखती है हमारी पृथ्वी, नासा के आर्टेमिस-II मिशन ने भेजी तस्वीरें

नासा। पृथ्वी जहां हम-आप रह रहे हैं, वह कितनी खूबसूरत है, इस तस्वीर को देखकर आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं। नासा के आर्टेमिस-II मिशन ने यह तस्वीर साझा की है। गुरुवार को लॉन्च हुई आर्टेमिस-2 मिशन अब चांद की ओर बढ़ रहा है। शुक्रवार को वह पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकला. अगले 4 दिन अंतरिक्ष में सफर करने के बाद आर्टेमिस-2 मिशन चांद पर पहुंचेगा। अर्थ आर्बिट से बाहर निकलने के बाद शुक्रवार को आर्टेमिस-2 मिशन ने अंतरिक्ष से पृथ्वी की दो-तीन तस्वीरें भेजी. पृथ्वी की इन तस्वीरों को नासा के ऑफिसियल एक्स अकाउंट से साझा किया गया है।

गुरुवार को लॉन्च हुई आर्टेमिस-2 मिशन अब चांद की ओर बढ़ रहा है

नीले-भूरे रंगों से जगमगा रही पृथ्वी

नासा ने अंतरिक्ष से ली गई पूरी पृथ्वी की तस्वीर को साझा करते हुए लिखा- हम अपने ग्रह को पूरी तरह से देख पा रहे हैं, जो नीले और भूरे रंगों की शानदार रोशनी से जगमगा रहा है। यहां तक कि एक हरी ऑरोरा (ध्रुवीय ज्योति) भी इसके वातावरण को रोशन कर रही है। यह हम ही हैं, हम सब मिलकर जो अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चांद की ओर बढ़ते हुए देख रहे हैं। एक दूसरी तस्वीर साझा करते हुए नासा ने लिखा- हमारे अपने ग्रह की कुछ शानदार, हाई-रिज़ॉल्यूशन वाली नई तस्वीरें हमारे पास हैं। हम सभी ओरियन कैप्सूल की खिड़की से अपने आर्टेमिस-II अंतरिक्ष यात्रियों को देख रहे हैं, जो अपनी चाँद की यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं। नासा की ओर से साझा की गई इन दोनों तस्वीरों में पृथ्वी नीले-भूरे रंगे की रोशनी से रंगी नजर आ रही है। खुले नजरों से हम पृथ्वी पर नदी, मैदान, पहाड़, जंगल, समुंद्र देखते हैं, लेकिन अंतरिक्ष से हमारा घर नीले-भूरे रंग के नायाब फुटबॉल का नजर आता है।

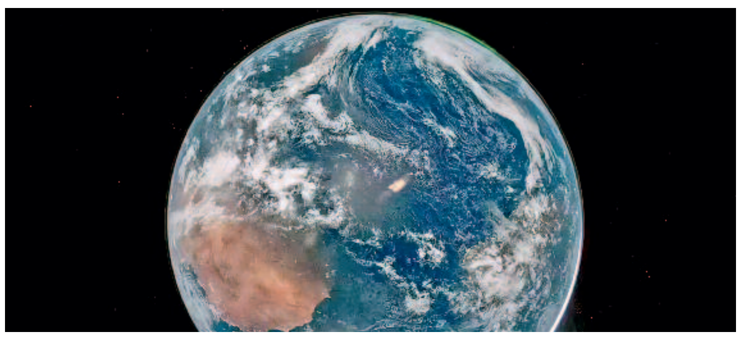

आर्टेमिस-2 नासा का एक 'U-टर्न' मिशन

मालूम हो कि आर्टेमिस-2 एक 'U-टर्न' मिशन है। मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री चांद के पीछे से चक्कर लगाकर सीधे धरती की ओर वापस लौटेंगे। इस दौरान वे करीब 4 लाख किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। अब ओरियन कैप्सूल अपनी करीब 3.84 लाख किलोमीटर लंबी यात्रा पर निकल चुका है।

चंद्रमा के साथ-साथ मंगल के लिए भी खास है यह मिशन

नासा ने कैनेडी स्पेस सेंटर 'आर्टेमिस-II मिशन' को लॉन्च किया है। अमेरिकी समय के अनुसार, शाम 6 बजकर 24 मिनट (भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह 3:54 बजे) से यह मिशन शुरू हुआ. इस मून मिशन में चार अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की परिक्रमा के लिए भेजा गया है। आर्टेमिस II भविष्य में चंद्रमा पर उतरने के साथ-साथ मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने जैसे अगले बड़े कदम का रास्ता साफ करेगा।

रोचक खबरें

वैज्ञानिकों के हाथ लगा चंद्रमा का 'केमिकल कोड'

आर्टेमिस-II मिशन के बीच, वैज्ञानिकों ने अपोलो 17 मिशन द्वारा लाए गए चंद्रमा के पत्थरों में 'इल्मेनाइट' खनिज का एनालिसिस किया है। एडवांस्ड इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के जरिए पता चला कि चंद्रमा की प्राचीन चट्टानों में टाइटेनियम के केमिकल सिग्नेचर छिपे हैं। यह खोज बताती है कि करीब 3.8 अरब साल पहले चंद्रमा के आंतरिक हिस्से में ऑक्सीजन की उपलब्धता कैसी थी। यह रिसर्च पृथ्वी और चंद्रमा के साझा इतिहास को समझने में मील का पत्थर साबित हो सकती है। वैज्ञानिक अब अपोलो मिशन के पुराने सैंपल्स के साथ-साथ आर्टेमिस II मिशन और चीन के चांग'ई-6 द्वारा लाए गए सैंपल्स की भी जांच करने की योजना बना रहे हैं। इस नई तकनीक से चंद्रमा के उन हिस्सों का भी इतिहास पता चलेगा जो अब तक अनछुए हैं। लैब में किए जाने वाले प्रयोगों से यह समझने में मदद मिलेगी कि मैग्मा में ऑक्सीजन की कमी किस तरह टाइटेनियम के चार्ज को बदलती है। इससे हम प्राचीन चंद्रमा के 'मैग्मा महासागरों' के इतिहास को फिर से लिख पाएंगे।

जज पर जज के घर से गहने चुराने का आरोप

पटियाला। पंजाब के पटियाला जिले की एक कोर्ट ने सिविल जज (जूनियर डिवीजन) बिक्रमदीप सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। बिक्रमदीप सिंह पर चोरी और घर में जबरन घुसने का आरोप है। पिछले महीने दर्ज किए गए पुलिस मामले के अनुसार, बिक्रमदीप और अन्य लोगों ने कथित तौर पर पिछले साल अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंवलजीत सिंह के आवास से सोना और आभूषण चुराए थे। जब घटना वाली रात अस्पताल में उनका निधन हो गया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरिंदर सिद्धू ने 1 अप्रैल को बिक्रमदीप की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। जिनमें संदिग्ध परिस्थितियों में एक मृत सहकर्मी के आवास से बड़ी मात्रा में सोना और आभूषण गायब करना शामिल है।

यह कहा अदालत ने : अदालत ने कहा, 'आरोपित अपराध लोक सेवक, विशेषकर न्यायिक अधिकारी से अपेक्षित ईमानदारी पर चोट पहुंचाता है। हालांकि यह आरोप लगाया गया है कि एफआईआर 7 महीने की देरी के बाद दुर्भावनापूर्ण इरादे से दर्ज कराई गई है, लेकिन जांच फाइल से पता चलता है कि शिकायतकर्ता ने पटियाला रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक को एक आवेदन दिया था, जिसे मामले की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक को भेजा गया था। जांच रिकॉर्ड में मौजूद पेनड्राइव में सीसीटीवी फुटेज से जमानती आवेदक को अपने सह-आरोपी के साथ कुछ बक्से और बैग ले जाते हुए परिसर में प्रवेश करते और बाहर निकलते हुए देखा जा सकता है।'

मार्च में मामला दर्ज : 21 मार्च को, दिवंगत न्यायाधीश कंवलजीत सिंह के पुत्र अंगदपाल सिंह के पावर ऑफ अटॉर्नी डॉ. भूपिंदर सिंह विर्क की शिकायत पर आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। विर्क, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के विधि विभाग में प्रोफेसर हैं।

कम कीमत, बड़ी तबाही...ईरान का शाहेद ड्रोन जिसने अमेरिका को भी छका दिया

अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान का युद्ध शुरू हुए एक महीने से ज्यादा हो चुका है। इस युद्ध में ईरान सरेंडर करने को तैयार नहीं है। अमेरिका का दावा है कि उसने ईरान की नौसेना, एयर फोर्स और मिसाइल क्षमता को काफी हद तक तबाह कर दिया है, लेकिन इसके बावजूद ईरान लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। उसकी ओर से खाड़ी देशों को निशाना बनाया जा रहा है। यहां तक दावा किया गया है कि अमेरिका के दो फाइटर जेट भी मार गिराए गए हैं। इन तमाम चुनौतियों के बीच ईरान, अमेरिका और इजरायल जैसी शक्तियों के सामने इसलिए डटा हुआ है क्योंकि उसने कम कीमत में ज्यादा तबाही मचाने वाले शाहेद ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। इसे 'कामिकाज़े ड्रोन' भी कहा जाता है।

एक महीने से ज्यादा हो चुका है अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान का युद्ध शुरू हुए

तेहरान। ईरान ने 2021 में शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल शुरू किया था। इसके बाद 2022 में रूस ने भी यूक्रेन युद्ध में इन्हीं ड्रोन का इस्तेमाल किया, जिससे इनकी मारक क्षमता पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई। नीचे दिए गए इंफोग्राफिक के जरिए आप ईरान की इस अहम ताकत-शाहेद ड्रोन के बारे में आसानी से समझ सकते हैं। यह एक मूविंग इंफोग्राफिक है, जिसमें ड्रोन की मूवमेंट और हमले का तरीका भी दिखाया गया है कि कैसे खाड़ी देशों को निशाना बनाया जाता है।

यह है खासियत : शाहेद ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी लंबी रेंज है। यह करीब 2000 से 2500 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसके साथ ही इसमें 30 से 50 किलोग्राम तक का हाई एक्सप्लोसिव फ्रैगमेंटेशन वॉरहेड लगाया जा सकता है। मौजूदा युद्ध में भी ईरान इन ड्रोन का इस्तेमाल कर अमेरिका और इजरायल की रक्षा प्रणाली को थकाने की कोशिश कर रहा है। असल में, ईरान सस्ते ड्रोन लॉन्च करता है, जबकि उन्हें रोकने के लिए अमेरिका को बेहद महंगे मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल करना पड़ता है।

मुख्य खतरा

स्वार्म अटैक से एक साथ कई ड्रोन। कम ऊंचाई पर उड़ान से रडार को चकमा। एयर डिफेंस को थका देता है। शाहेद-136 एक कामिकाज ड्रोन है जो टारगेट से टकराकर खुद को नष्ट करता है। डेल्टा विंग डिजाइन और GPS+INS गाइडेंस से पहले से प्रोग्राम्ड टारगेट पर सटीक हमला करता है। मिसाइल की तुलना में बेहद सस्ता होने के कारण यह आधुनिक युद्ध में बड़ा खतरा बन चुका है।

ईरान का घातक हथियार – ड्रोन विश्लेषण

शाहेद-136: कम कीमत, बड़ी तबाही
ईरान का कामिकाज ड्रोन : घुमावदार उड़ान पथ पर हमला
▸▸ ईरान इराक सीरिया यमन सऊदी अरब यूक्रेन रूस खाड़ी UAE BHR सनआ लॉन्च पॉइंट तेहरान मुख्यालय यूक्रेन हमले का निशाना खाड़ी टारगेट 2000-2500 किमी कम ऊंचाई पर उड़ान रडार डिटेक्शन मुश्किल
स्पीड: 185 किमी/घंटा GPS + INS गाइडेड
शाहेद-136: तकनीकी विशेषताएं
अधिकतम स्पीड
185 किमी/घंटा

'पाकिस्तान में 80 प्रतिशत लोग गे', ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट हिना बलोच का सनसनीखेज दावा

लंदन। पाकिस्तान की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट हिना बलोच का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने दावा किया है कि पाकिस्तान की 80 प्रतिशत आबादी 'गे' है और बाकी बचे 20 प्रतिशत लोग 'बाईसेक्सुअल' हैं। हिना का मानना है कि वहां की पूरी आबादी एलजीबीटीक्यू समुदाय का हिस्सा है, लेकिन सामाजिक दबाव, धर्म और परिवार की इज्जत के डर से लोग अपनी असल पहचान को छिपाकर रखते हैं। 'क्वीर ग्लोबल' यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने इस मुद्दे को पाकिस्तान का एक 'ओपन सीक्रेट' करार दिया है जिसे हर कोई जानता है पर मानता नहीं।

पहचान छिपाने की मजबूरी और सामाजिक दबाव

हिना बलोच का कहना है कि जब इस बारे में सवाल किए जाते हैं, तो लोग धर्म और संस्कृति का हवाला देकर अपनी वास्तविकता से इनकार कर देते हैं। उनके मुताबिक, पाकिस्तान में यौन रुझान को लेकर कोई भी स्पष्ट या 'स्ट्रेट' नहीं है। उन्होंने अपने बचपन के अनुभवों को याद करते हुए बताया कि उनके लिए अपनी यौन पहचान से बड़ी चिंता अपनी पसंद के कपड़े पहनना और लिपस्टिक लगाना था।

ख्वाजा सिरा समुदाय का संघर्ष और चुनौतियां

इंटरव्यू के दौरान हिना ने पाकिस्तान के 'ख्वाजा सिरा' (ट्रांसजेंडर) समुदाय के सामने आने वाली ढांचागत चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वहां इस समुदाय के लोगों के पास आजीविका के बहुत कम और सीमित साधन हैं। ज्यादातर ट्रांसजेंडर मजबूरी में भीख मांगने, नाचने या सेक्स वर्क जैसे शोषणकारी कामों में धकेले जाते हैं। हिना ने इन पाबंदियों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और लैंगिक व अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए सक्रिय रूप से आवाज उठानी शुरू की।

विरोध, प्रताड़ना और देश छोड़ने का फैसला

हिना बलोच ने पाकिस्तान में 'सिंध मूरत मार्च' की सह-स्थापना की और 'औरत मार्च' में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वह ट्रांसजेंडर और अल्पसंख्यक अधिकारों की एक मुखर आवाज बनीं, लेकिन इसके बदले उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी. एक विरोध प्रदर्शन के दौरान प्राइड फ्लैग (इंद्रधनुषी झंडा) लहराने के बाद उन्हें हिंसक जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ा. उन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा अपहरण और दुर्व्यवहार का शिकार होने का भी दावा किया है। इन जानलेवा परिस्थितियों के चलते अंततः उन्हें पाकिस्तान छोड़ना पड़ा. फिलहाल वह लंदन की एसओएएस यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप पर पढ़ाई कर रही हैं और ब्रिटेन में शरण ली है।

1994 में हुई थी लापता, अब 32 साल बाद घरवालों को इस हालत में मिली लड़की

वाशिंगटन। अमेरिका के एरिजोना से एक ऐसा चमत्कारिक मामला सामने आया है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। करीब तीन दशक पहले महज 13 साल की उम्र में संदिग्ध हालात में गायब हुई क्रिस्टीना मैरी प्लांट अब 32 साल बाद जिंदा मिल गई हैं। गिला काउंटी शेरिफ ऑफिस ने बुधवार को इस बड़ी कामयाबी की जानकारी देते हुए बताया कि स्टार वैली इलाके से गायब हुई क्रिस्टीना का पता लगा लिया गया है। इस खबर ने उस रहस्यमयी केस में एक नया मोड़ ला दिया है जिसे अधिकारी सालों से सुलझाने की कोशिश कर रहे थे।

उस दिन क्या हुआ था?

यह रहस्यमयी घटना मई 1994 की है जब नीली आंखों और सुनहरे बालों वाली क्रिस्टीना अपने घर के पास एक अस्तबल में अपने घोड़े को देखने गई थी। सफेद टी-शर्ट और रंगीन शॉर्ट्स पहने क्रिस्टीना वहां से अचानक गायब हो गई और उसका कोई सुराग नहीं मिला. उस समय जारी किए गए पोस्टर में उसे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता बताया गया था और अधिकारियों को उसकी जान का खतरा भी सता रहा था। स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय डेटाबेस तक क्रिस्टीना की तलाश की गई लेकिन दशकों तक कोई ठोस जानकारी हाथ नहीं लगी थी।

निजता का सम्मान और आगे की राह

क्रिस्टीना के मिलने के बाद अब पुलिस और प्रशासन काफी सावधानी बरत रहे हैं ताकि उनकी पहचान और सुरक्षा बनी रहे। अधिकारियों ने साफ कहा है कि क्रिस्टीना की निजता और उनके हितों का सम्मान करते हुए फिलहाल इस मामले की और ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाएगी। यह मामला उन हजारों परिवारों के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरा है जिनके अपने सालों से लापता हैं। दशकों पुराने इस केस का सुलझना यह साबित करता है कि अगर कोशिश जारी रहे और तकनीक का सही इस्तेमाल हो तो कोई भी केस कभी बंद नहीं होता।

भारतवंशी रिनी संपत वाशिंगटन डीसी की मेयर बनने की दौड़ में

वाशिंगटन। तमिलनाडु में जन्मीं रिनी संपत वाशिंगटन डीसी के मेयर पद के चुनाव में हिस्सा लेने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की 31 वर्षीय सरकारी अनुबंधक का चुनाव अभियान 'बुनियादी चीजों को ठीक करो' के विषय और 'एक नए डीसी' के वादे पर आधारित है। संपत ने अपनी चुनावी वेबसाइट पर कहा, "मैं कोई नेता नहीं हूं। मेरा किसी विशेष हित समूह से कोई संबंध नहीं है। अब समय आ गया है कि कोई बाहर का व्यक्ति हमारे शहर की बुनियादी सेवाओं को सुधारने पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करे।" तमिलनाडु के थेनी में जन्मीं संपत सात साल की उम्र में अमेरिका आ गईं और एक दशक से अधिक समय से वाशिंगटन डीसी में रह रही हैं। उन्होंने कहा, "यह स्पष्ट है कि हमारे पास जीत की एक वास्तविक राह है। महज चार हफ्तों में मैं वाशिंगटन डीसी के इतिहास में मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन चुकी हूं। यही वह उपलब्धि है जो एक सीमित संसाधनों वाला, जन-समर्थित अभियान हासिल कर सकता है।

ये संभालते हैं प्रशासन

इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त आयुक्तों का एक बोर्ड वाशिंगटन डीसी के प्रशासन का जिम्मा संभालता था। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया का प्रशासन जनता द्वारा चुने गए मेयर और 13 सदस्यीय जिला परिषद द्वारा किया जाता है। संपत ने कहा, "डीसी के मेयर के रूप में मेरी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा शहर अपने निवासियों के प्रति अपनी बुनियादी प्रतिबद्धताओं को पूरा करे। सड़कों के गड्ढे भरें। पोटोमैक नदी में विनाशकारी अपशिष्ट जल रिसाव को रोकें। कीमतें कम करें। पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर प्रतीक्षा समय में सुधार करें।'

कालड़ा हॉस्पिटल यूनिट ऑफ कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सेंटर
फाइलेरिया
हाथी पांव एवं अन्य अंगों का ईलाज
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9424201700

(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
गुर्दे की पथरी का दर्द
सबसे भयानक दर्दों में से एक है। जिसे कोई भी व्यक्ति अनुभव कर सकता है।
इसके लक्षण कारण और उपाय जानने के लिए संपर्क करें
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा–गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
मिनिमल इनवेसिव, लैप्रोस्कोपिक व रोबोटिक कैंसर सर्जरी हेतु कुशल टीम
डॉ. युसूफ मेमन — डायरेक्टर, MS, FSOG, FIAGES, FMAS
डॉ अर्पण चतुरमोहता — MS, MCh, FIAGES, HOD, सर्जिकल डायरेक्टर, कैंसर सर्जन
डॉ. मौ रॉय — MBBS, MS, MCh, क्लिनिकल डायरेक्टर, कैंसर सर्जन
डॉ विवेक पटेल — MBBS, MS, MCh कैंसर सर्जन
डॉ कल्याण पांडेय — MBBS, MS, MCh, कैंसर सर्जन
डॉ. विकास अग्रवाल — MBBS, DrNB, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS, कैंसर सर्जन
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, छ.ग., +91 7389905010, 04010

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com